क्विज मास्टर

सुपर कमांडो ध्रुव

एक होलोग्राम स्टीकर मुफ्त

NAGRAJ ACTION YEAR

by अनुपम

DHEERAJ VERMA.

राज कॉमिक्स विशेषांक क्विज मास्टर

पैसा, शोहरत और इज्जत। ये तीन चीजें किसी भी इन्सान की जिन्दगी का मकसद होती हैं। पुराने जमाने में लोग सिर्फ इज्जत से काम चला लेते थे। फिर मध्य युग में लोग पैसा भी कमाना चाहने लगे। क्योंकि बगैर पैसे के इज्जत भी नहीं मिलती थी–
लेकिन आज वे ही लोग, जो सिर्फ पैसे और इज्जत पर संतोष कर लेते थे, अब केवल इतने पर ही नहीं रुकते। टी·वी·, केबल, सेटेलाइट और बढ़ते संपर्क सूत्रों के कारण उनमें शोहरत पाने की भूख भी बढ़ गई है। शोहरत पाने के लिए वे अपना सारा पैसा और अपनी सारी इज्जत भी दांव पर लगा सकते हैं। क्योंकि अगर बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा? यही शोहरत पाने की लालसा किसी को कर चोर व्यापारी बना देती है, किसी को भ्रष्ट राजनेता, किसी को दुर्दान्त अपराधी, और किसी को...
क्विज मास्टर
कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता
हा हा हा! इस टाइम बम के धमाके से तू तभी बच सकता है, जब इससे पहले इससे बड़ा धमाका हो जाए। वह धमाका जिससे राजगद्दियां हिल जाती हैं। देश हिल जाते हैं और दुनिया हिल जाती है!

महानगरों की तेज रफ्तार जिंदगी में इंसान की जिंदगी की कीमत कुछ भी नहीं रह गई है! उसकी जिंदगी को कुछ भी नहीं बचा सकता है। न इज्जत न शोहरत और न ही दौलत—

बल्कि ये तीनों चीजें अक्सर इंसान के लिए और ज्यादा खतरा पैदा कर देती हैं। इसी शोहरत और दौलत के कारण आज मौत के मुंह में झांक रहा है—

मशहूर क्विजमास्टर ब्रायन डिसूजा...

...और मशहूर टी०वी० सीरीयल 'क्विज आवर' के डायरेक्टर मिस्टर के० महेन्द्र!

ह, हां मैं ब्रायन! पर तुम कौन हो? और हमको गुंडागर्दी से इस तरह यहां पर लाने का मतलब क्या है?

हमने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है भाई? फिरौती चाहिए तो बोलो! तुम जितना कहोगे हम तुमको देंगे! बस, हमको मारना मत!

तो फिर इसे क्विज प्रोग्राम क्यों कहते हो! इसे जनरल नॉलेज प्रोग्राम कहा करो! सबसे गहरी नदी कौन सी है? सबसे ऊंचा पेड़ कौन सा है? आदमी में हड्डियां कितनी होती हैं...यह क्विज नहीं जनरल नालेज है।

क्विज तो सिर्फ टीटो पूछता है! क्विजमास्टर टीटो! बताओ, वह कौन सा 'कर' है, जो लग गया तो मर गए, और नहीं लगा तो बच गए!

आ... आयकर?

नहीं, वह 'कर' नहीं!...

टक्कर!

??
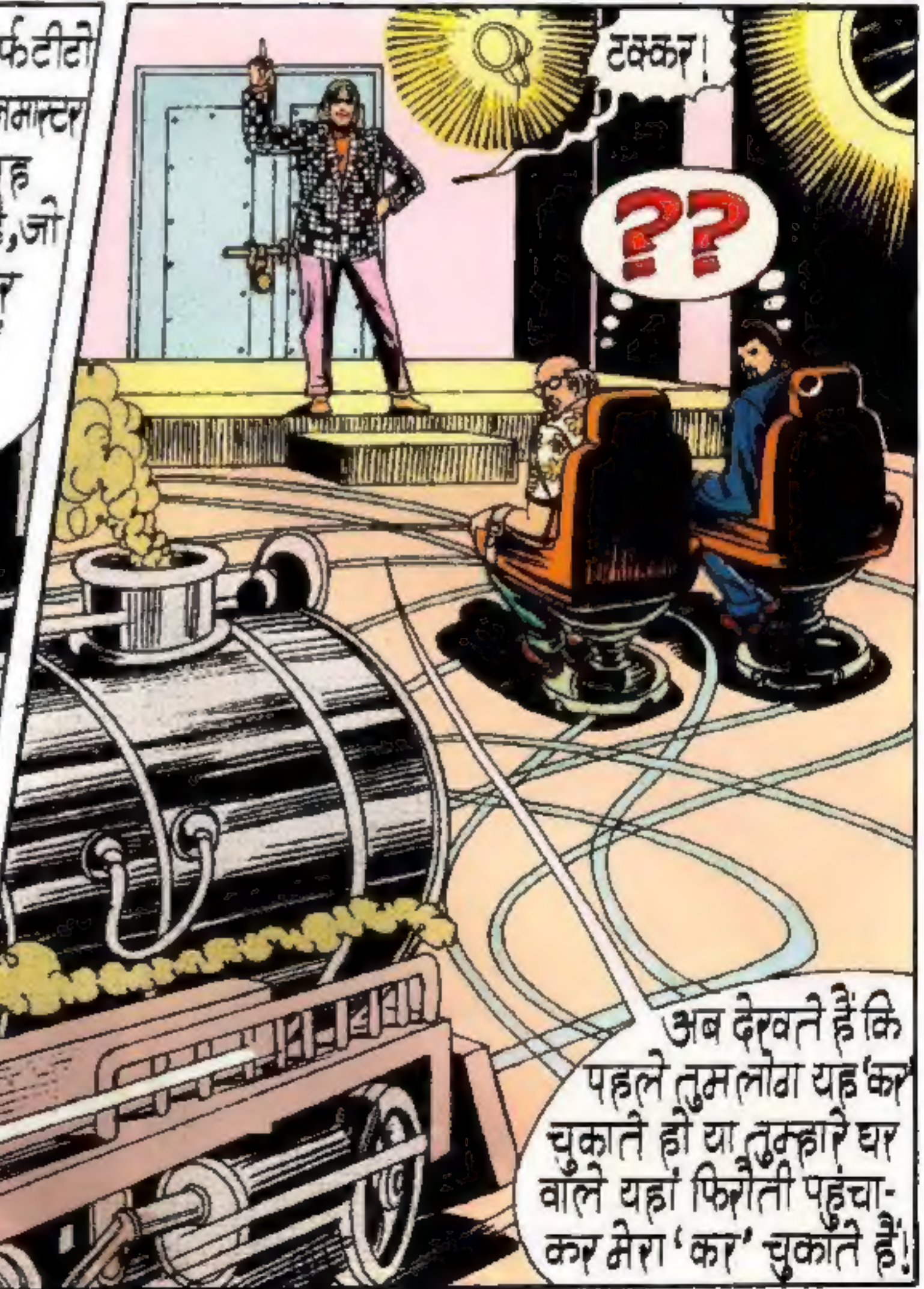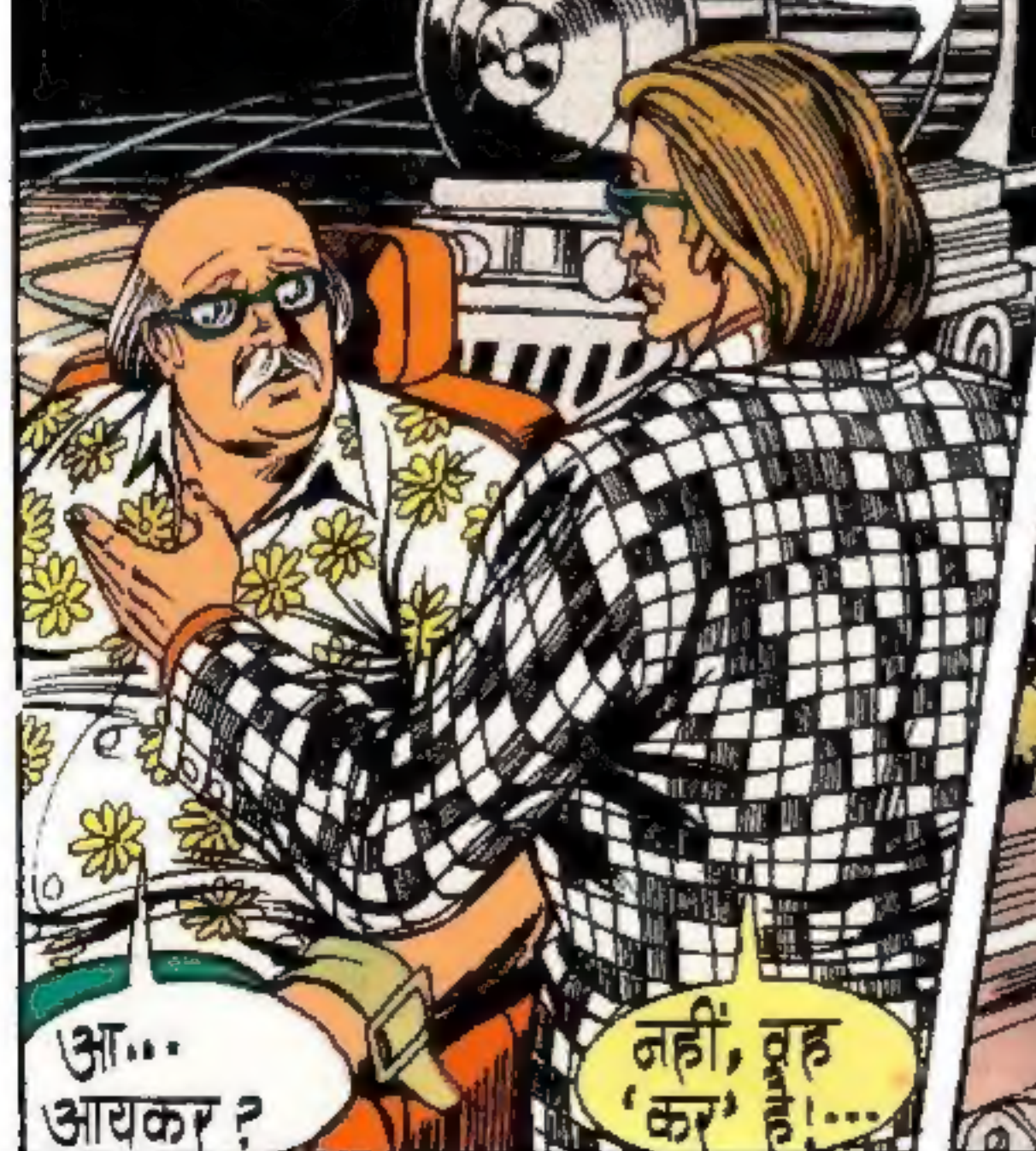
अब देखते हैं कि पहले तुम लोग यह 'कर' चुकाते हो या तुम्हारे घर वाले यहां फिरौती पहुंचाकर मेरा 'कर' चुकाते हैं!

लेकिन बॉस, आपने यहां का पता जिस तरह से लिखवाया है, उससे तो कोई यहां तक पहुंच ही नहीं सकता।
हां, मैंने पता लिखवाया है लंगूर का इक्कीसवां घर जहां मिले मोती भर-भर!
अगर क्विज मास्टर ब्रायन के घर वाले होकर भी वे पहेली नहीं सुलझा पाते तो उसे मरना ही चाहिए।
मौत सचमुच ब्रायन और महेन्द्र से इंच-इंच के फासले से गुजर रही थी-
और इधर उसको बचाने के प्रयास गति पकड़ रहे थे-
हमने अपना सिर पूरी तरह से खपा लिया ध्रुव! पर उस पागल ग्रैंडमास्टर द्वारा दिए गए पते का पता नहीं लगा पाए!
मेरे पति को बचा लो ध्रुव! ब्रायन को बचा लो! हम सारा पैसा देने को तैयार हैं!
बस हमको इतना बता दो कि पैसा किधर को पहुंचाना है!
धीरज रखिए, मिसेज ब्रायन! हम मिस्टर ब्रायन को जरूर ढूंढ निकालेंगे! मेरा आपसे वादा है!
लंगूर का घर! इक्कीसवां! पर लंगूर तो पेड़ पर रहते हैं! यह किसी बाग या जंगल के इक्कीसवें पेड़ की बात तो नहीं कर रहा? जो मोती बाग या मोती नगर जैसे इलाके में हो?

नहीं, पापा! बाग या जंगल जैसे इलाके में छिपने की जगहें ज्यादा नहीं होंगी! ब्रायन जैसे मशहूर आदमी को क्विजमास्टर खुले में कभी नहीं रखेगा! वैसे भी इक्कीस नंबर पेड़ गिना भी जाएगा तो किधर से! यह किसी पेड़ का नंबर नहीं, किसी मकान, ऑफिस या गोदाम का नंबर हो सकता है! अपहृत व्यक्तियों को अक्सर ऐसी ही जगह रखा जाता है!

पर लंगूर के घर का क्या मतलब हो सकता है? लंगूर का घर... लंगूर का घर... लंगूर यानी बन्दर... ओह! समझ गया!

चटाक

अरे! कहां जा रहे हो ध्रुव? क्या समझ गए हो? मुझे भी तो बताकर जाओ!

मैं आप लोगों को गुमराह नहीं करना चाहता, पापा! मैं अपने 'गेस' को चेक करने जा रहा हूं। अगर मेरा ख्याल सही निकला, तो आपको तुरन्त स्टार-ट्रांसमीटर पर खबर कर दूंगा!

इसी दौरान-

बॉस अब तक कोई खबर नहीं आई। अगर माल आने से पहले कोई और आ गया तो?

तेरा मतलब पुलिस से है! अरे पहले वो मेरी पहेली तो हल कर लें! वैसे अगर पुलिस आ भी गई तो मैंने अपने आदमियों को बाहर तैनात कर दिया है! अब पुलिस के आने की खबर पुलिस के आने से पहले पहुंच जाएगी। और हम ब्रायन और महेन्द्र को लेकर यहां से रफूचक्कर हो जाएंगे!

आऽऽऽऽ ऽऽऽऽ

बचाओ!

क्विज मास्टर के आदमी का डर सही था-
और क्विज मास्टर टीटी का अति आत्मविश्वास झूठा-
धम्म

उसके बाहर तैनात आदमी, खबर पहुंचाने से पहले खुद ही खबर बनते जा रहे थे-
कड़ाक
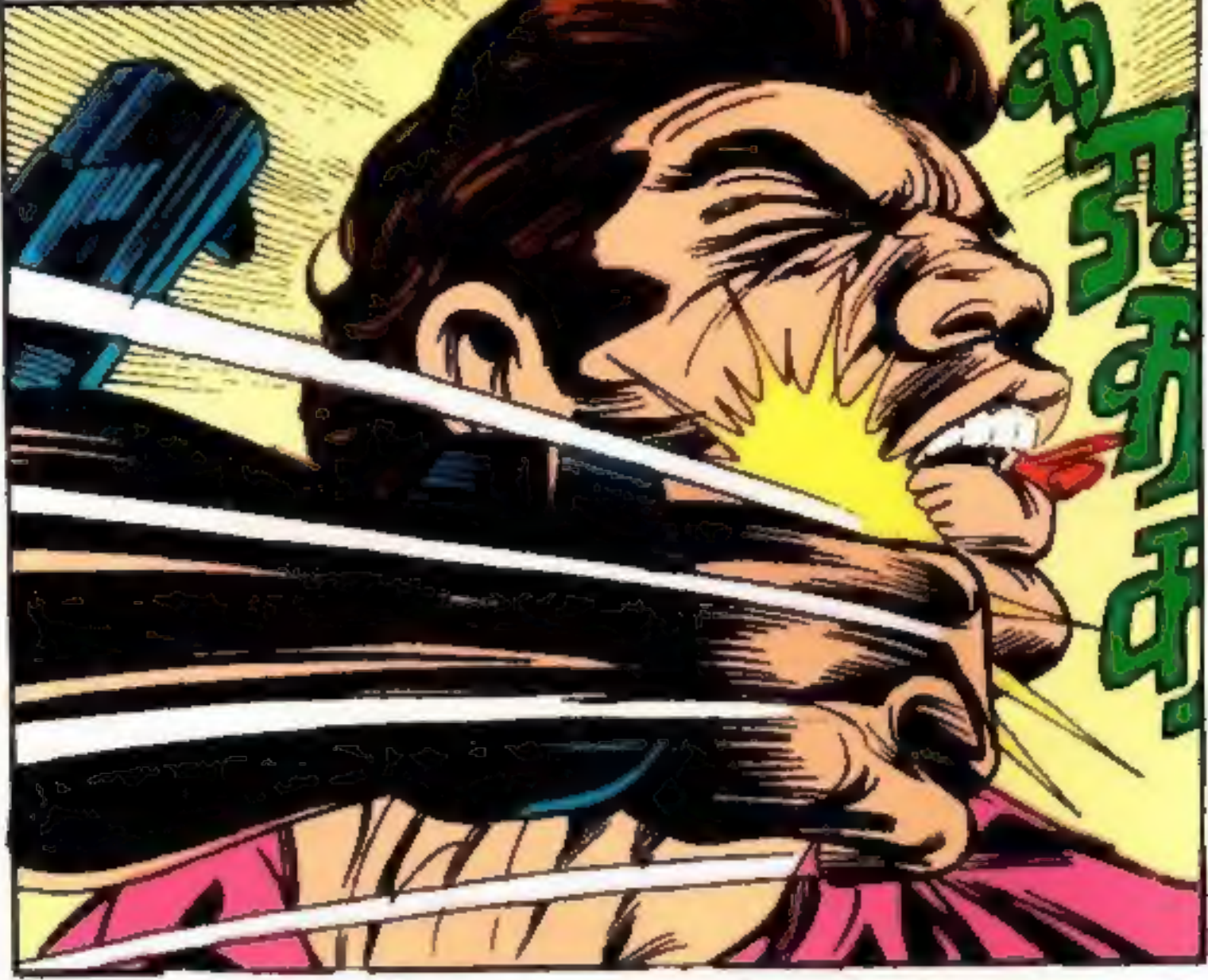
और इधर क्विज मास्टर का गुस्सा भी भड़कता जा रहा था-
बहुत हो गया! काफी देर हो चुकी है। यानी या तो तेरे परिवार वाले मेरी पहेली को सुलझा नहीं पाए, और या वे पुलिस की मदद लेने को चले गए हैं। और दोनों ही सूरतों में मैं एक ही निर्णय लूंगा। अब मुझे फिरौती नहीं, तुम दोनों की अर्थी चाहिए!

रज्जाक! टॉय इंजन की स्पीड और तेज कर दो!
ओ० के बॉस!
इंजन कंट्रोल पैनल पर कुछ बटन दबे! और इंजन की गति और तेज हो गई-
अब ब्रायन तथा महेन्द्र के शरीरों के साथ इंजन का संपर्क होना तय था। और वह भी कुछ ही पलों में-

हा हा हा! थोड़ी ही देर में तेरी मौत पुलिस वालों के लिए खुद एक पहेली बनकर रह जाएगी, ब्रायन!
बचाओ
इंजन तेजी से आगे बढ़ रहा था! और इस बार टक्कर हो ही जानी थी–
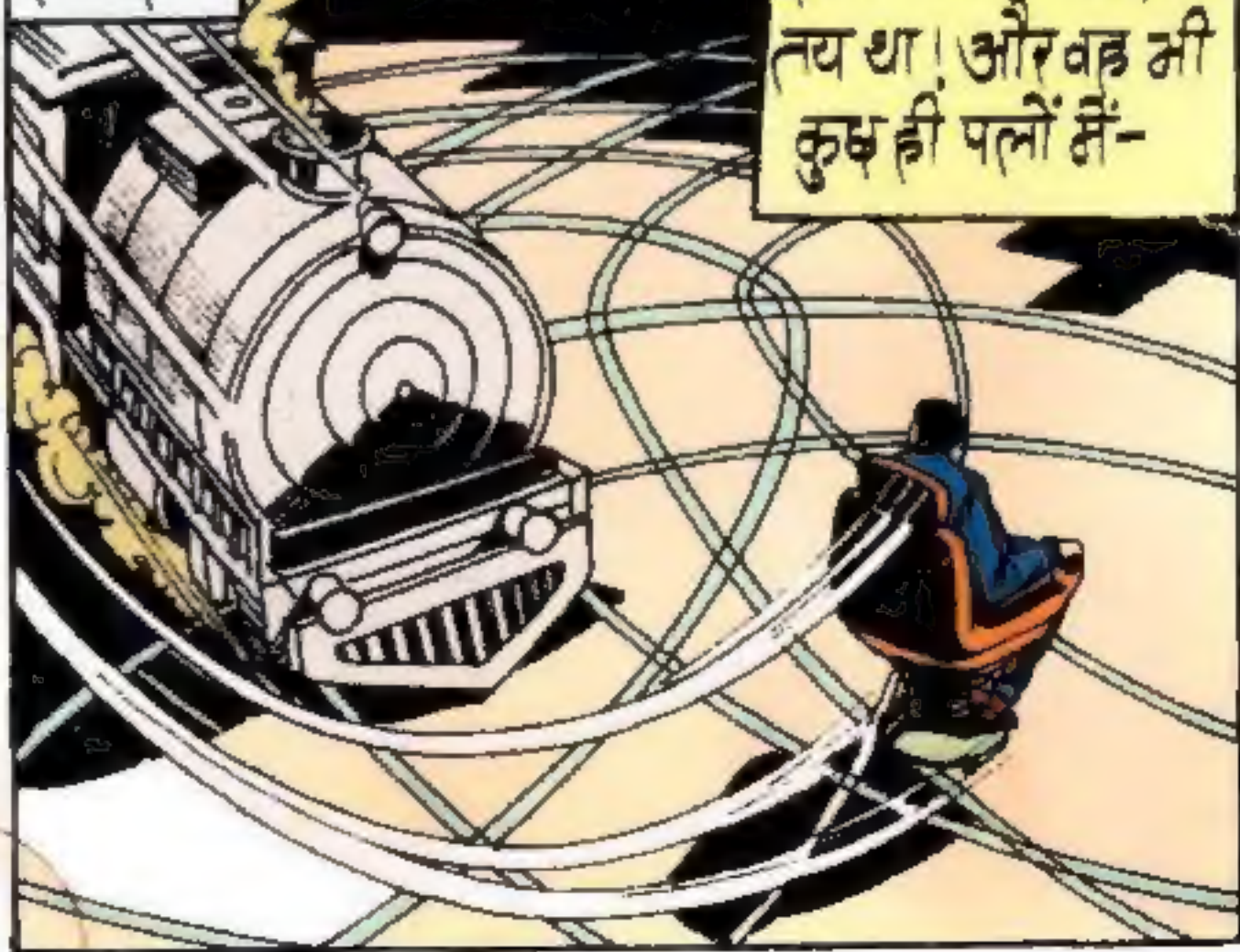
लेकिन ऐन वक्त पर इंजन का रुख मुड़ गया–
अरे! अरे! यह तो पटरी छोड़कर मेरी तरफ आ रहा है!... ...रज्जाक! गधे! क्या कर रहा है?

पर ऊपर नजर उठाते ही टीटो स्तब्ध रह गया–
अरे! रज्जाक तो बेहोश है! यानी... यानी... इंजन को कोई और कंट्रोल कर रहा है!

पर कौन?
कालू! शिवा! राठी! कहां मर गए सब!

मरे नहीं, बेहोश हैं! तुम्हारी मदद को नहीं आ सकते हैं!
कौन?
सुपर कमांडो ध्रुव! तुम्हारी फिरौती लेकर आया हूं!
इस बंधी मुठ्ठी में! जिसको घूंसा कहते हैं!
सुपर कमांडो ध्रुव! हां... हां... नाम तो सुना है तेरा! पर तू यहां तक कैसे पहुंच गया? यहां का पता किसने दिया तुझे?
तुमने! अपने हिसाब से तो तुमने काफी पेचीदा पहेली भेजी थी। वैसे दो मिनट तक तो मुझे भी सोचना पड़ा। लेकिन जैसे ही समझ में आया कि 'लंगूर' एक बन्दर' होता है, वैसे ही समझ में आ गया कि 'लंगूर के-घर' का मतलब 'बंदरगाह' से है। और 'मोती मिले भर-भर' का अर्थ 'पर्ल बंदरगाह' से है। ...
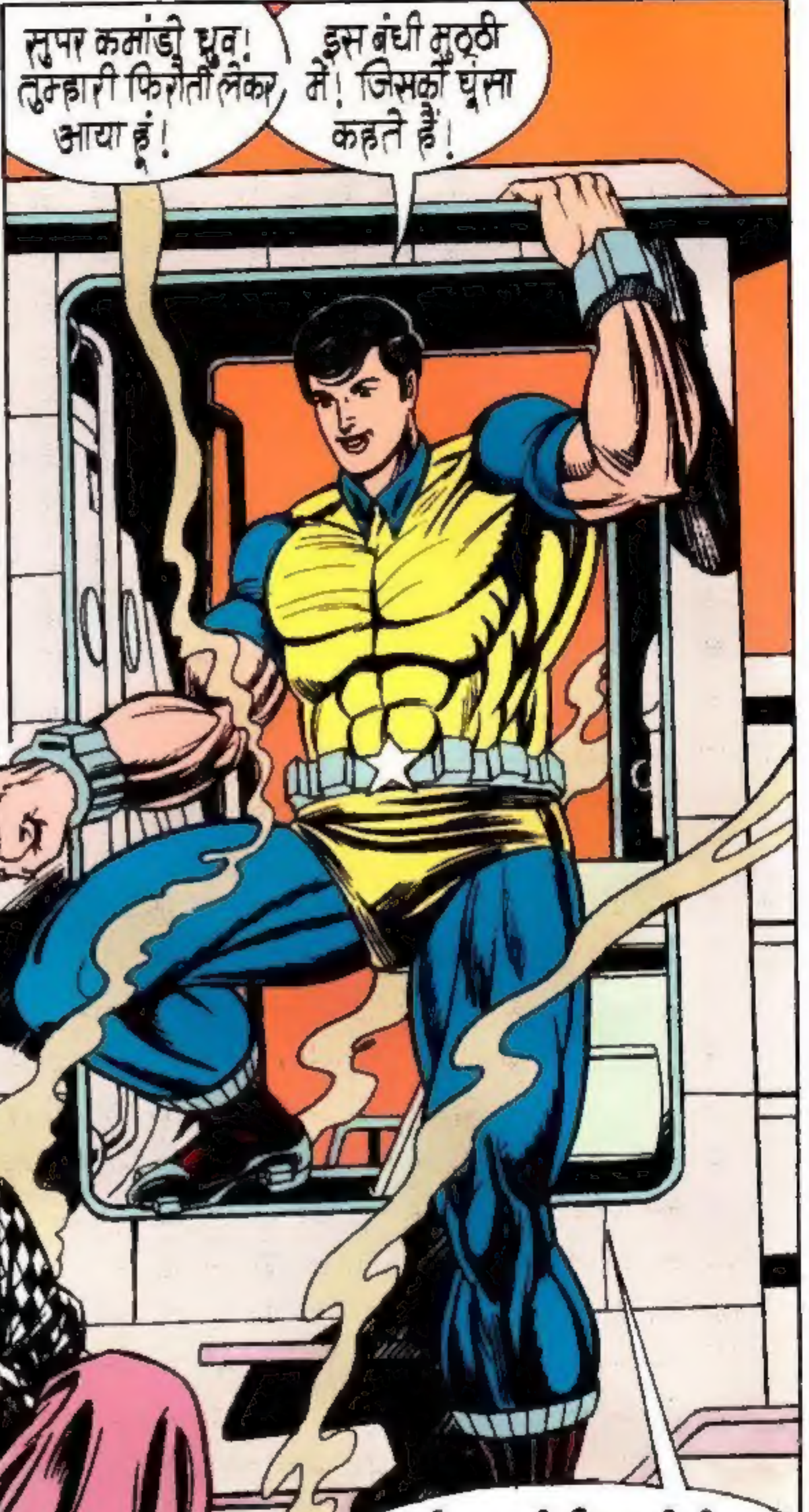
... क्योंकि अंग्रेजी में मोती को 'पर्ल' कहते हैं और इक्कीसवें घर का मतलब 'पर्ल हार्बर' यानी पर्ल बन्दरगाह पर इक्कीसवां गोदाम हो सकता था! और यहीं पर मुझे ब्रायन भी मिल गया, और तुम भी!
बहुत अच्छे! अब यह भी बता दो कि वह क्या है जो एक कान से जाता है, और दूसरे कान से निकल आता है!...
तुम्हारा मतलब गोली से है, जो तुम्हारा आदमी मुझ पर चलाने वाला था?
सटाक
नहीं! यह तुम्हारी पहेली का जवाब नहीं है!
कड़ाक
इसका सही जवाब है मेरी तुम अपराधियों को सुधरने की सलाह! जो तुम लोग एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो!
ताड़
आऽऽऽह! देखो, हाथ से नहीं, मुंह से बात करो!

... वरना म... मैं...
मैं भाग खड़ा होऊंगा!
भागकर कहां जाओगे? मैंने पुलिस हैडक्वार्टर को मैसेज भेज दिया है! अब पुलिस यहां पर आती ही होगी!
यह इतना घबरा गया है कि दरवाजे की तरफ भागने के बजाय दूसरी तरफ भाग रहा है!
ध्रुव यह नहीं समझ रहा था-
कि यह घबराहट क्विजमास्टर टीटी की चाल भी हो सकती है-
ध्रुव का पैर एक खास जगह पर पड़ते ही टीटी ने दीवार पर लगी एक बटन को दबा दिया-
और ध्रुव के ऊपर अर्द्धगोलाकार शीशे का एक खोल आ गिरा-
हा हा हा! तो भई सुपर कमांडो ध्रुव! अब तुम एक बड़ी मामूली सी पजल में फंस गए हो! देख रहे हो न? इस बुलेटप्रूफ शीशे के खोल के अन्दर गोलाकार दीवारें उठ रही हैं... वह खेल तो तुमने भी खेला होगा जिसमें लोहे के गोल छर्रे, एक गोल डिबिया के अन्दर बंद रहते हैं, और उस डिबिया को हिला-हिलाकर छर्रों को डिबिया के बीचो-बीच में लाना होता है!
बस, तुमको भी यही खेल खेलना है...
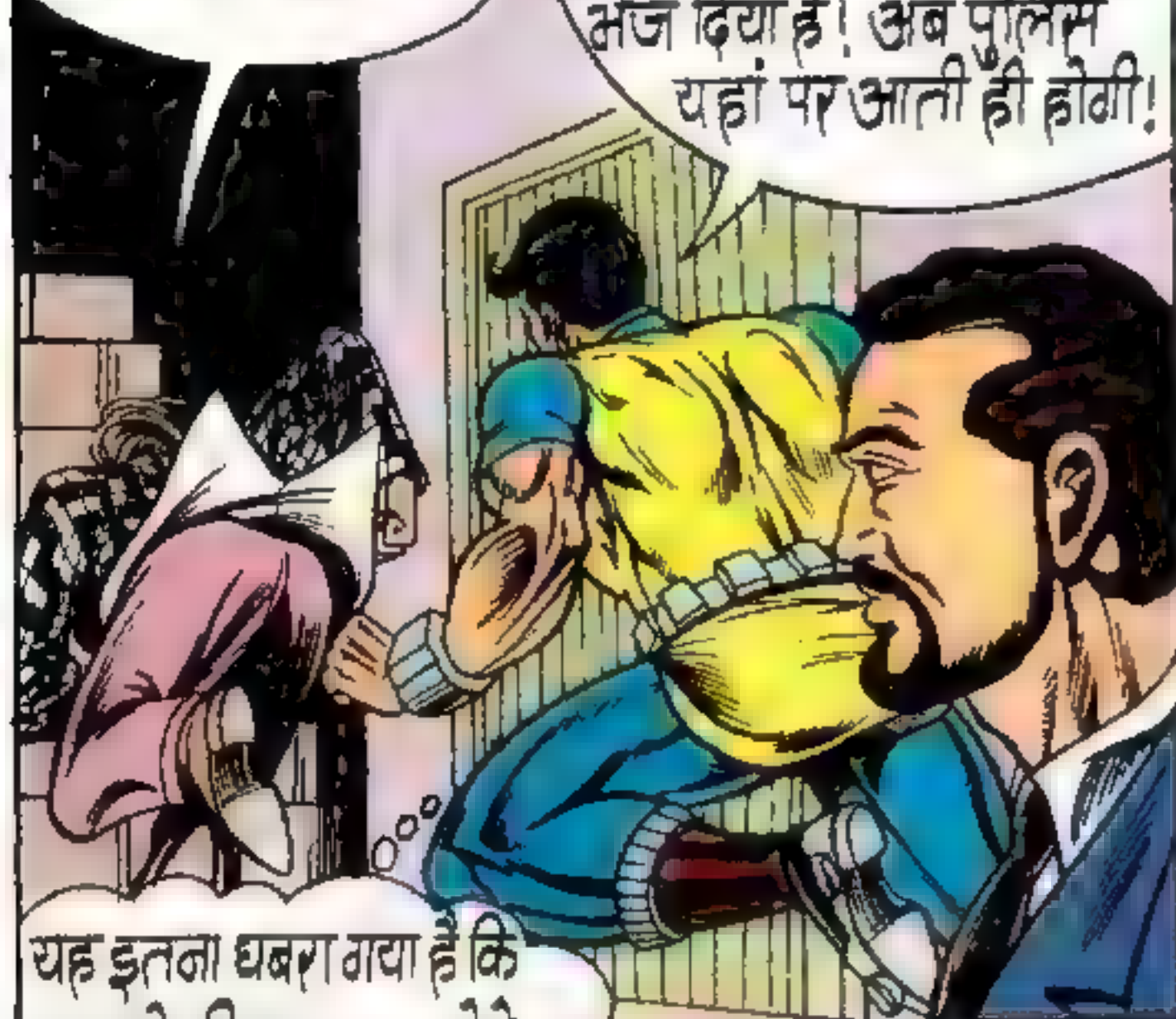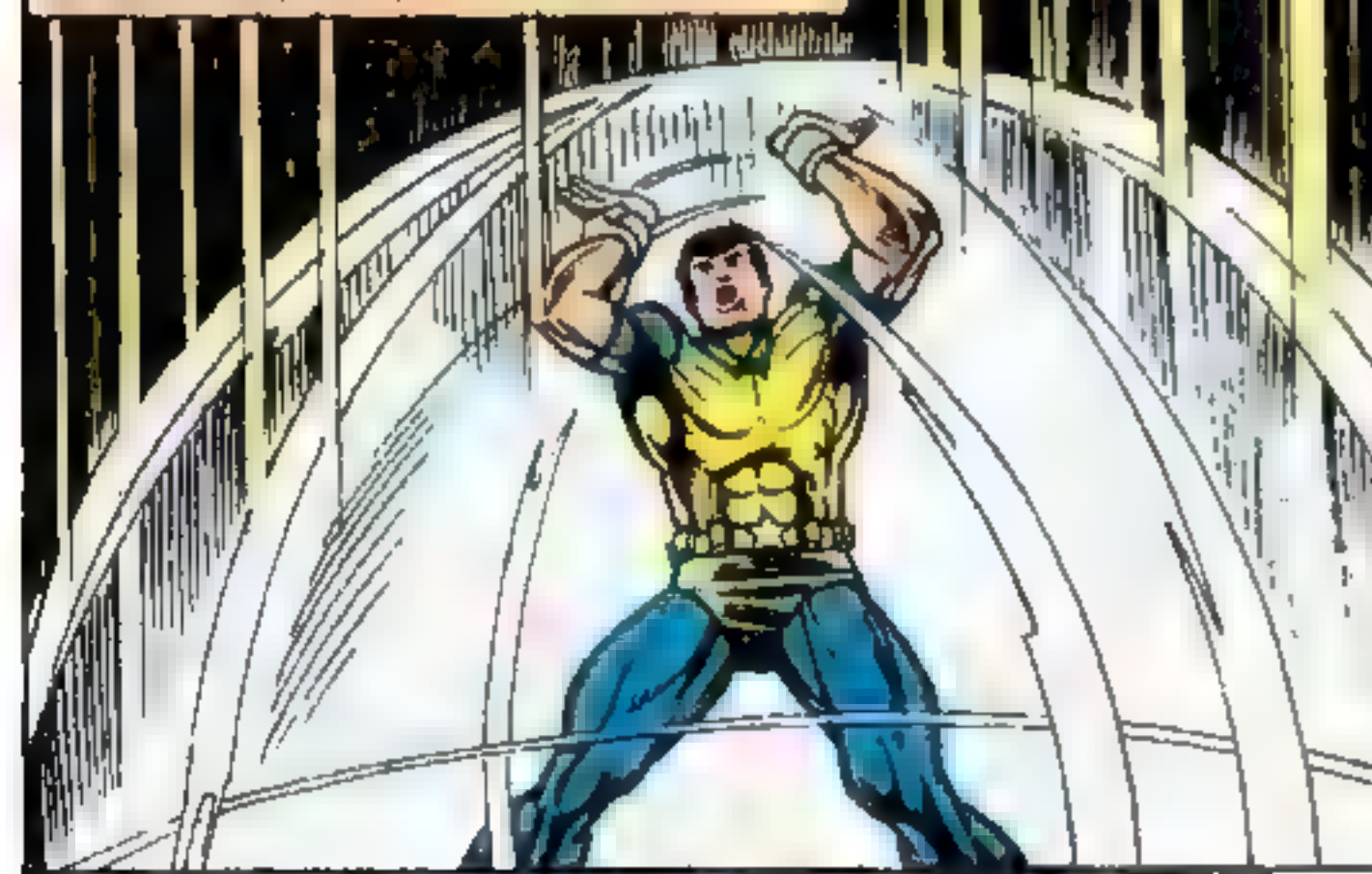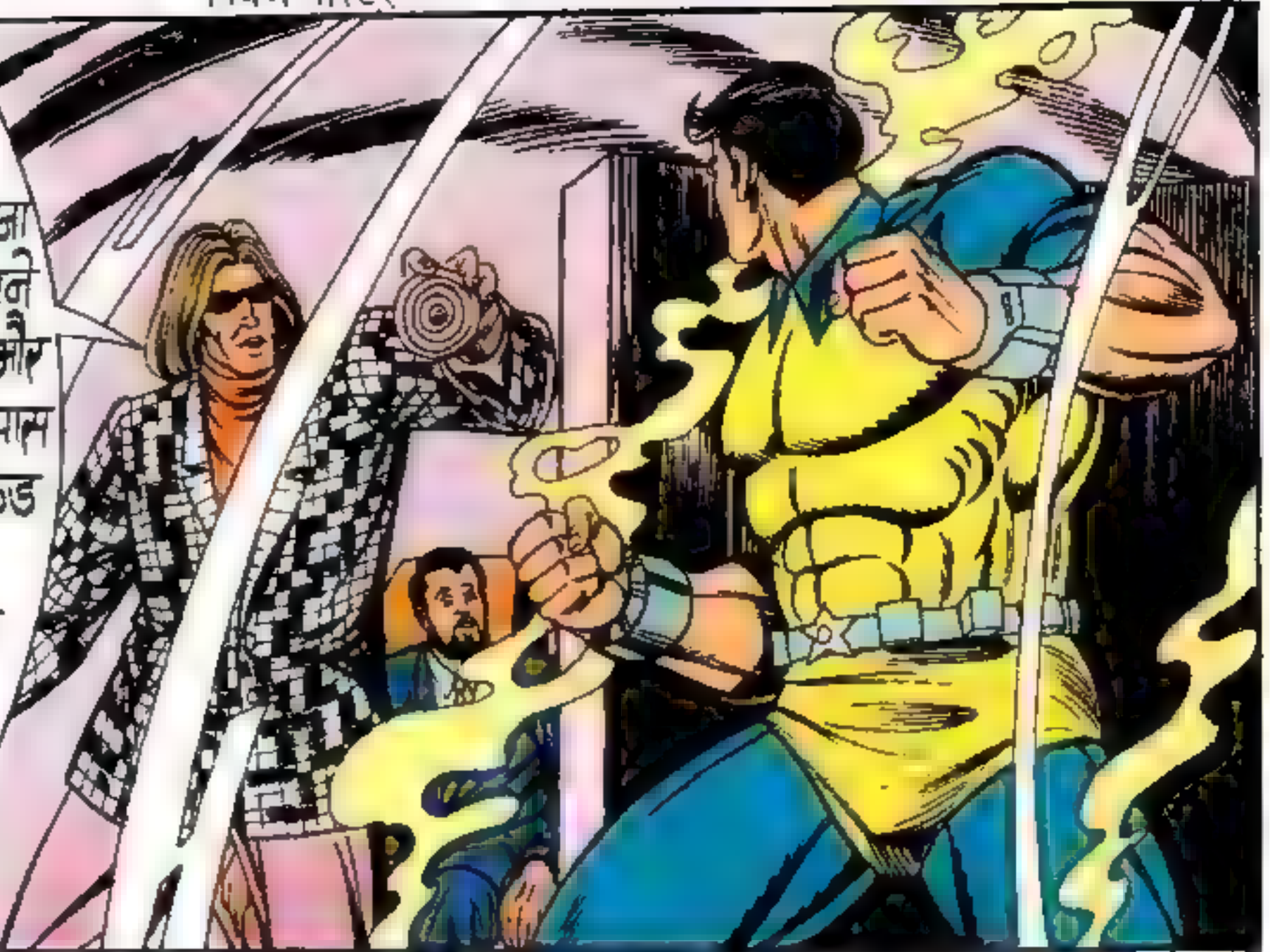
उल्टी गिनती शुरू होते ही ध्रुव को कैद करने वाली विशाल पजल इधर-उधर हिलनी शुरू हो गई। और ध्रुव भी उसके साथ इधर-उधर फिसलने लगा-

फर्श बहुत चिकना है। इसके टेढ़ा होने पर मैं पैर जमा नहीं पा रहा हूं। मैं फिसलता जा रहा हूं। खैर, फिसलकर मैं जैसे ही इस दीवार में बने रास्ते तक पहुंचूंगा, मैं लपक कर उसके किनारे को पकड़ लूंगा!

ध्रुव ने सोचा तो ठीक था-

लेकिन इससे पहले कि उसके हाथ किनारे को थाम पाते, पजल का फर्श दूसरी तरफ झुक गया, और ध्रुव फिर से दूसरी तरफ फिसल गया-

ओऽऽऽफ! यह क्या हुआ? इन दीवारों पर चढ़कर भी नहीं जाया जा सकता। क्योंकि ये दीवारें ऊपर शीशे की छत से एकदम चिपकी हुई हैं। और मुझे पूरा यकीन है कि मेरे एसिड कैप्सूल न तो इस शीशे पर असर डाल पाएंगे और न ही इन दीवारों पर। फिर मैं क्या करूं? समय कम है, और गैस तेजी से भरती जा रही है!
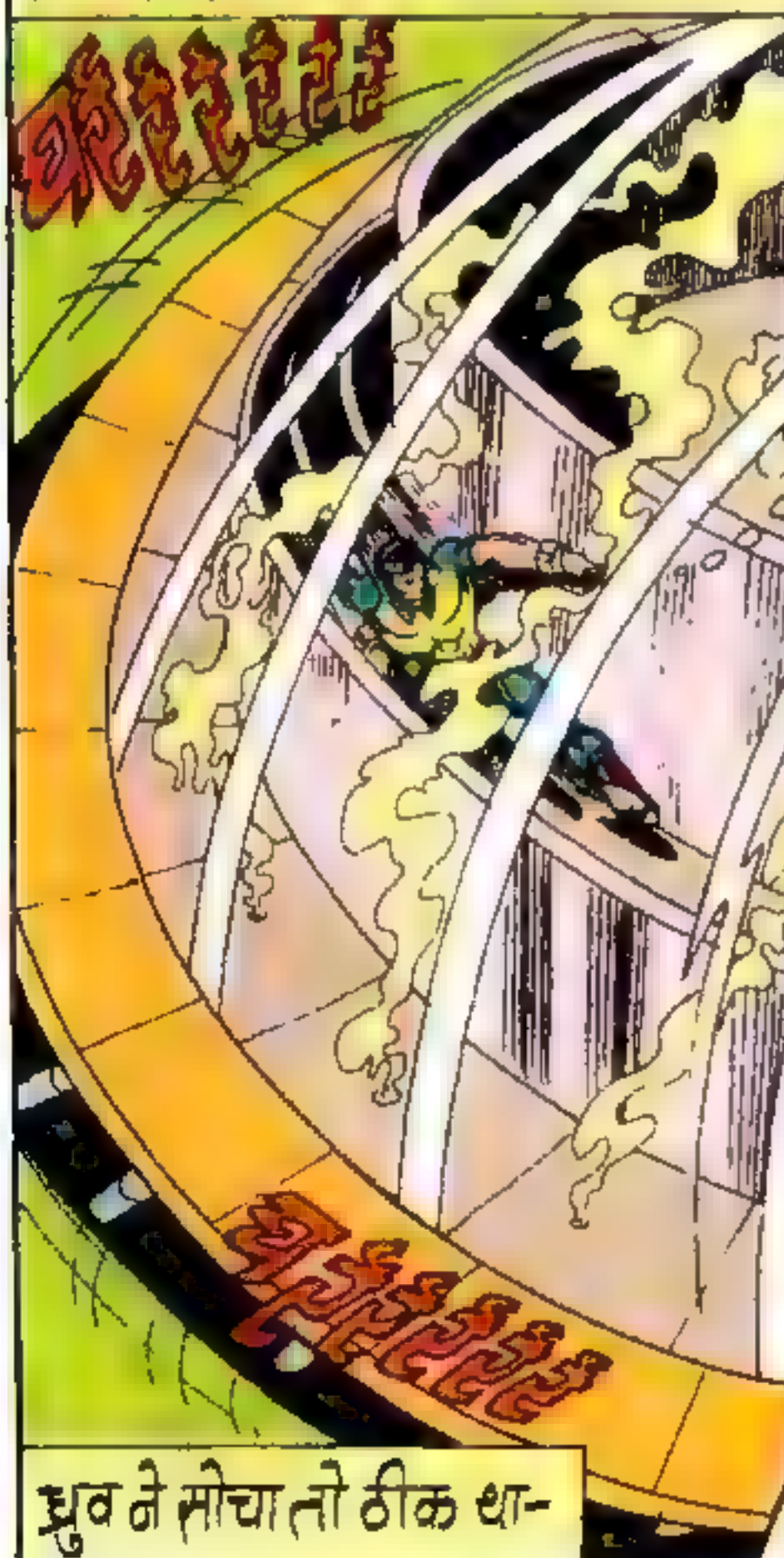
अगर इन दीवारों में पकड़ने की एक भी जगह होती तो कम से कम पकड़-पकड़कर आगे बढ़ा जा सकता था! आहा! ऐसी पकड़ तो मैं खुद बना सकता हूं!
अपने स्टार ब्लेड को इन दीवारों में धंसा-धंसा कर!
दीवार में धंसे हुए स्टार-ब्लेडों को पकड़-पकड़कर आगे बढ़ता हुआ ध्रुव -
एक बाधा को पार कर गया-
लेकिन फिर-
ओफ़! स्टार ब्लेड्स खत्म हो गए! मुझे मालूम था, पर मैं उनको दीवार से निकालने के लिए इसलिए नहीं रुका क्योंकि उन गहरे धंसे ब्लेडों को दीवार से निकालने में वक्त लगता, और मेरे पास अब सिर्फ बीस सेकंड बचे हैं!
अब स्टार लाइन का इस्तेमाल करना होगा!
पज़ल एक तरफ फिर से तिरछी हुई और ध्रुव फिर उसी दीवार के पार गिरता-गिरता बचा, जिसे पार करके वह अभी आया था-
ओऽऽऽ! बाल-बाल बचा! वरना वहीं पहुंच जाता, जहां से मैं आया था... क्विज़मास्टर मुझे केन्द्र तक न पहुंचने देने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है! मुझे उसकी चाल विफल करनी ही होगी! पर अब मुझ पर नर्व गैस का असर हो रहा है। स्टार लाइन पर मेरी पकड़ ढीली हो रही है!
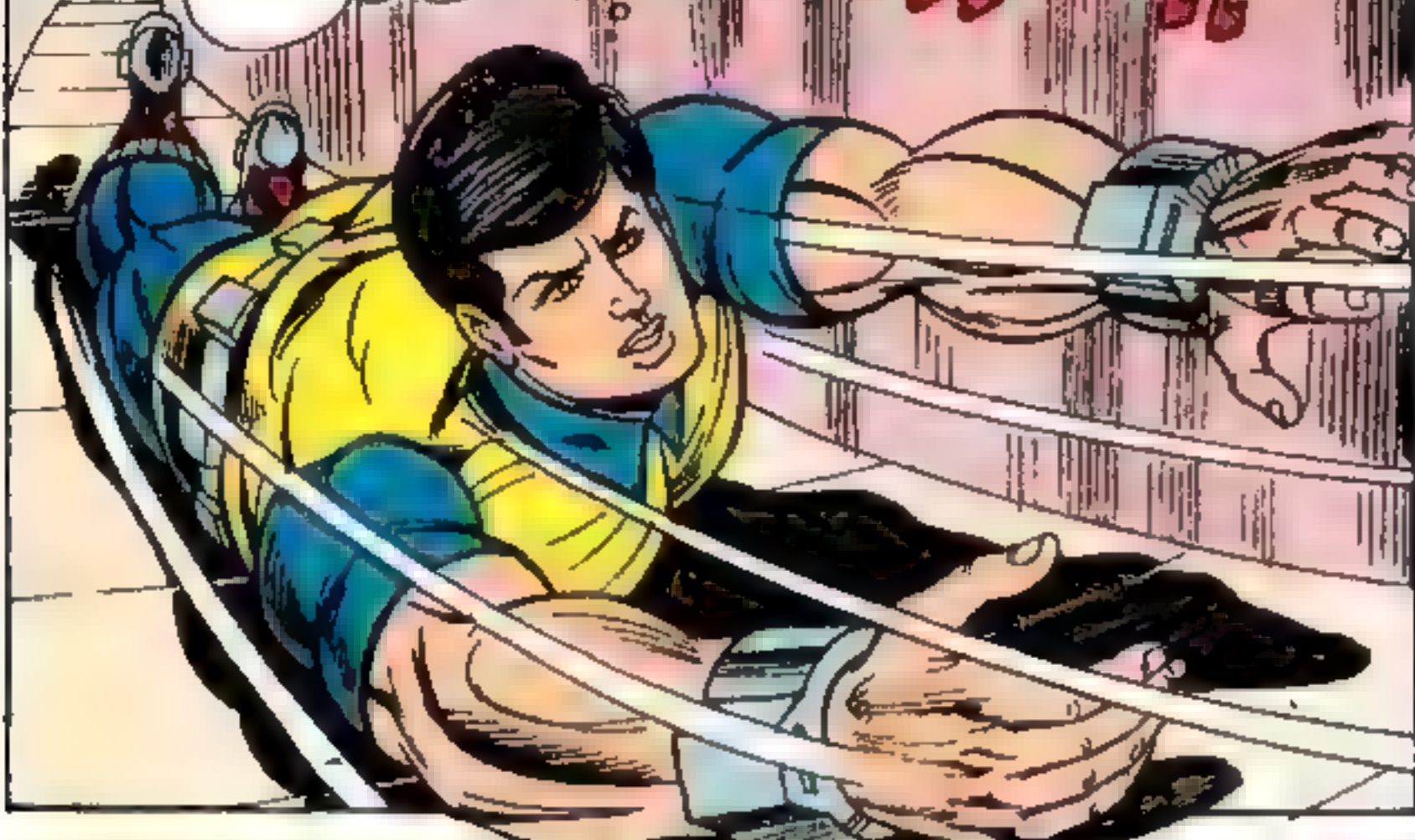
मैं इसको पकड़कर ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाऊंगा! पर इस 'पजल' के केन्द्र तक पहुंचने के लिए मुझे सिर्फ एक दीवार और पार करनी है! मुझे अपने होशो-हवास कायम रखने होंगे! लेकिन ताकत का क्या करूं? कहां से लाऊं एनर्जी?
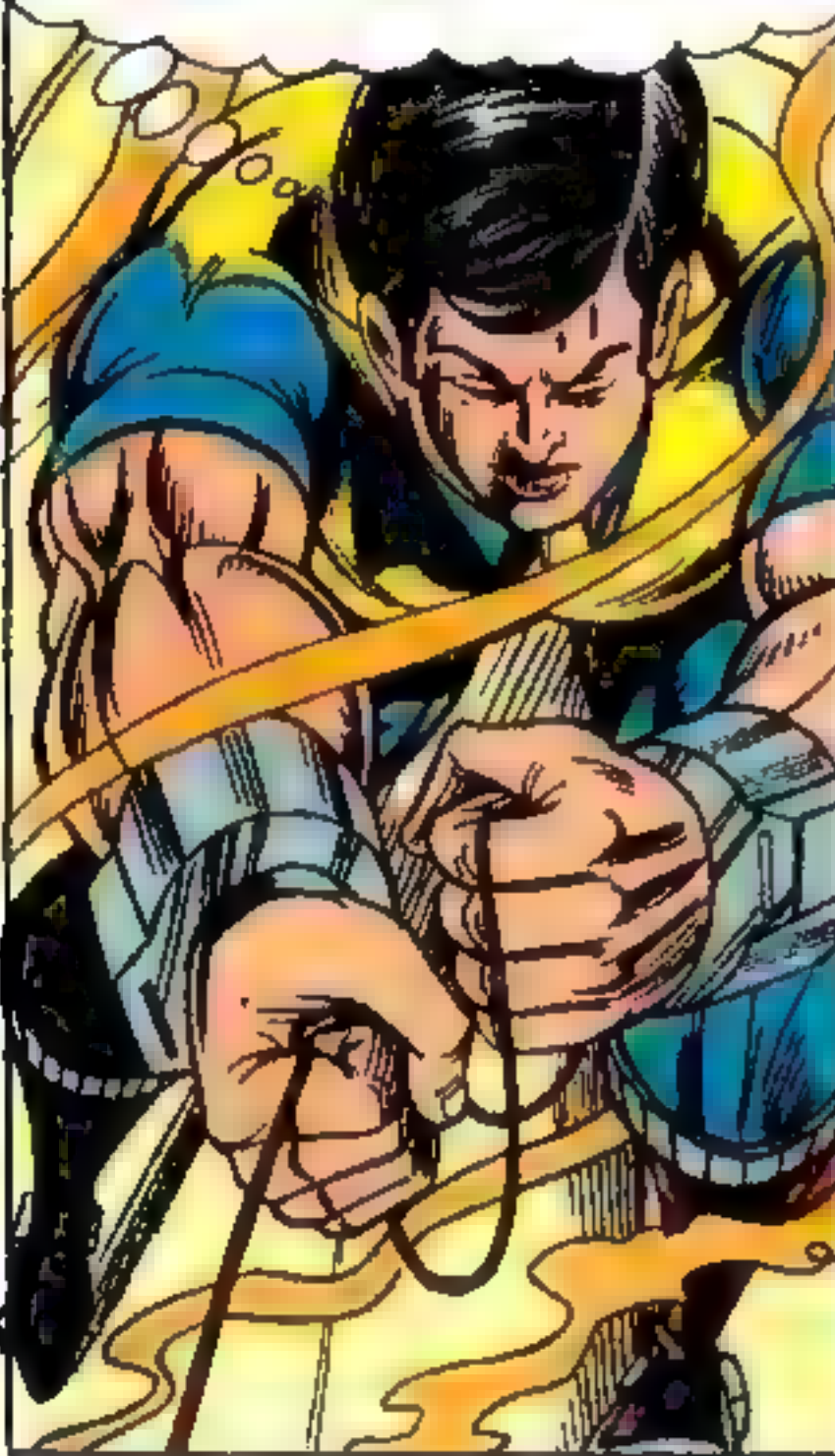
एनर्जी? एनर्जी तो है! मेरे पास खत्म हो रही है तो क्या, इस पजल में तो एनर्जी है न? बिजली की एनर्जी देकर इसे हिलाया जा रहा है! और वह एनर्जी इस पजल में 'भौतिक ऊर्जा' के रूप में बदलकर समा रही है! मैं इसी भौतिक ऊर्जा का इस्तेमाल करूंगा! अपने शरीर को यो-यो खिलौने सा बनाकर!
ध्रुव ने स्टार लाइन अपनी कमर से बांध ली-

और 'पजल' के एक तरफ लुढ़कते ही स्टार लाइन उसकी कमर से लिपटनी शुरू हो गई-

और दूसरी तरफ टेढ़ी होते ही स्टार लाइन ध्रुव के बदन को गोल-गोल नचाती हुई तेजी से खुलने लगी-
स्टार लाइन के पूरा खुलते ही ध्रुव ने अपने बदन को तेजी से एक उल्टा झटका दिया-

और जैसे 'यो-यो' नीचे से अपने आप ऊपर आ जाता है, वैसे ही ध्रुव का शरीर भी ढलान पर ऊपर की तरफ गोल-गोल नाचकर बढ़ने लगा-

और एक झटके के साथ ध्रुव, आखिरी बाधा पार कर चुका था-
आऽऽऽह! पच्चीस सेकंड से ऊपर हो चुके हैं! और मेरे शरीर की ताकत भी अस्सी प्रतिशत खत्म हो चुकी है!
टीटो ने कहा था कि इसके केन्द्र से बाहर निकलने का रास्ता है! पर यहां तो लकड़ी का द्वार लगा है! पता नहीं मुझमें इसको तोड़ने की ताकत बची है या नहीं!
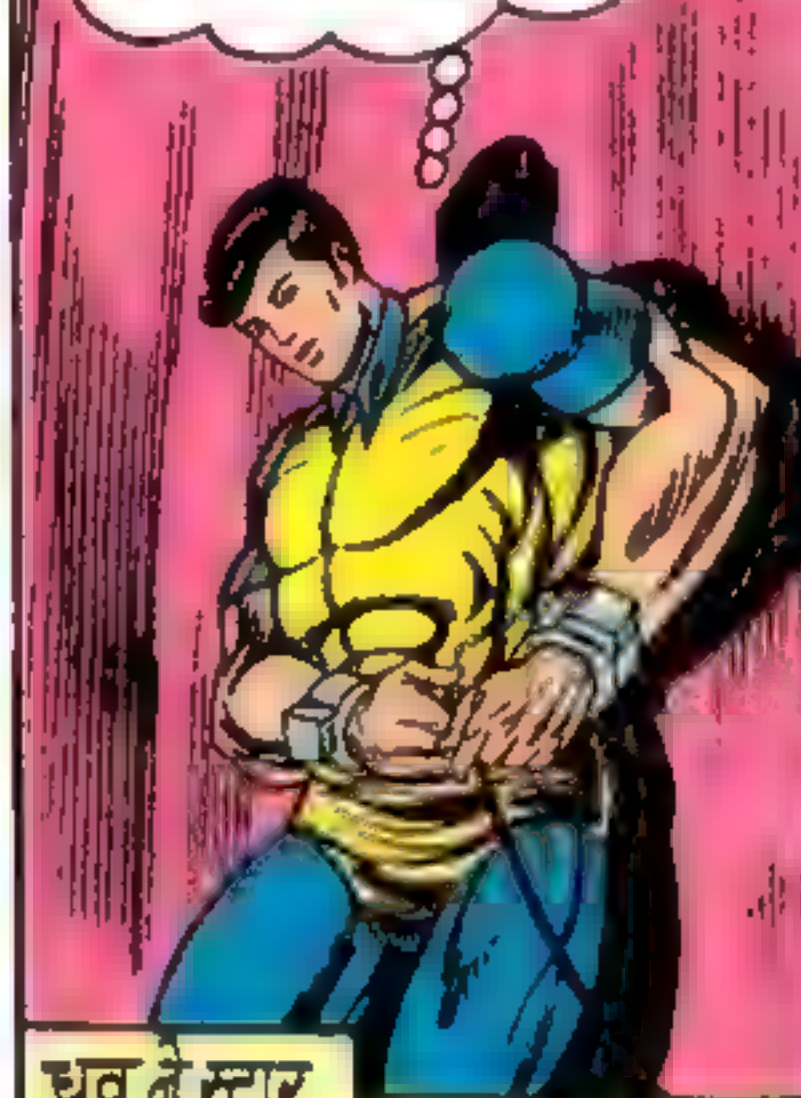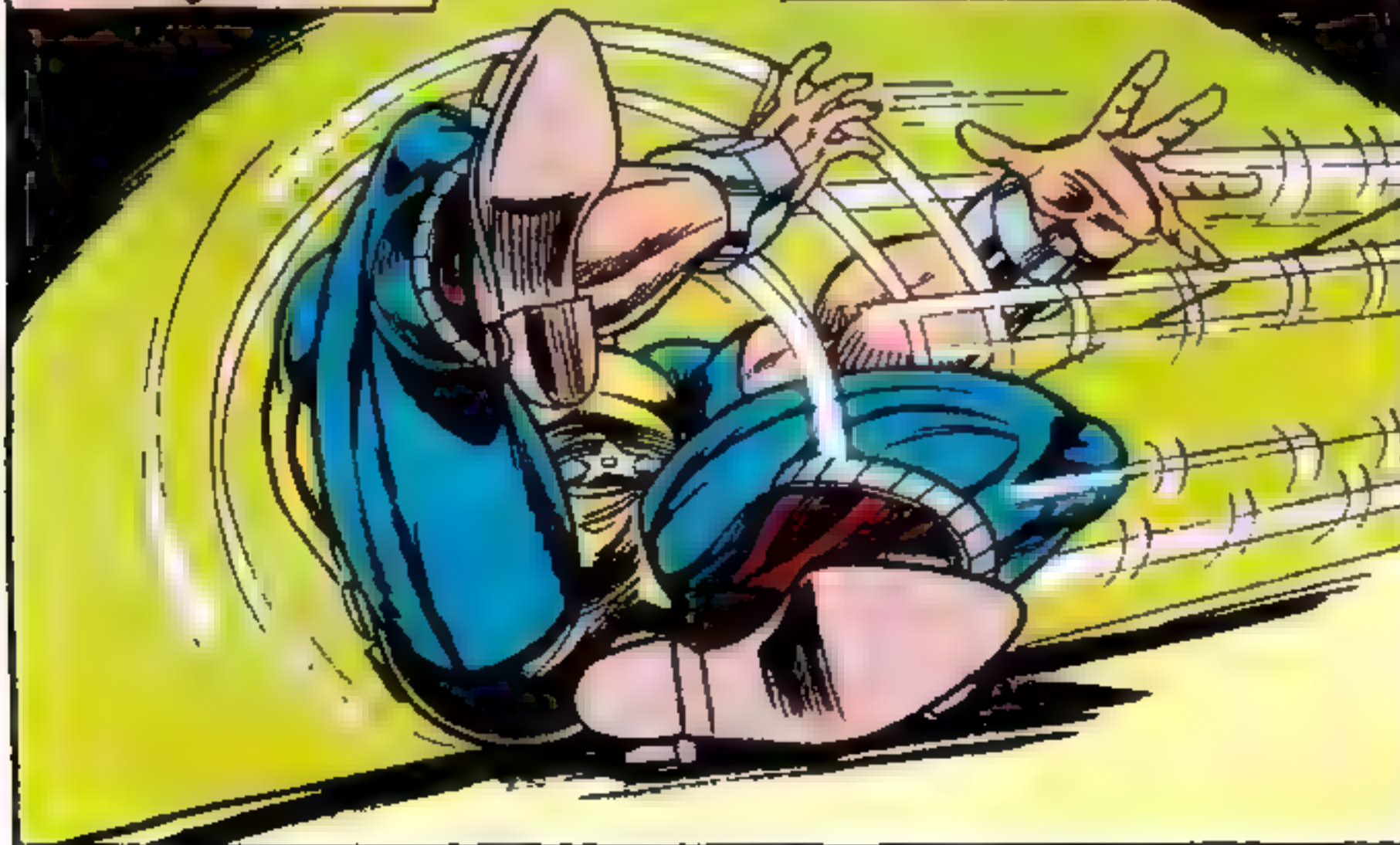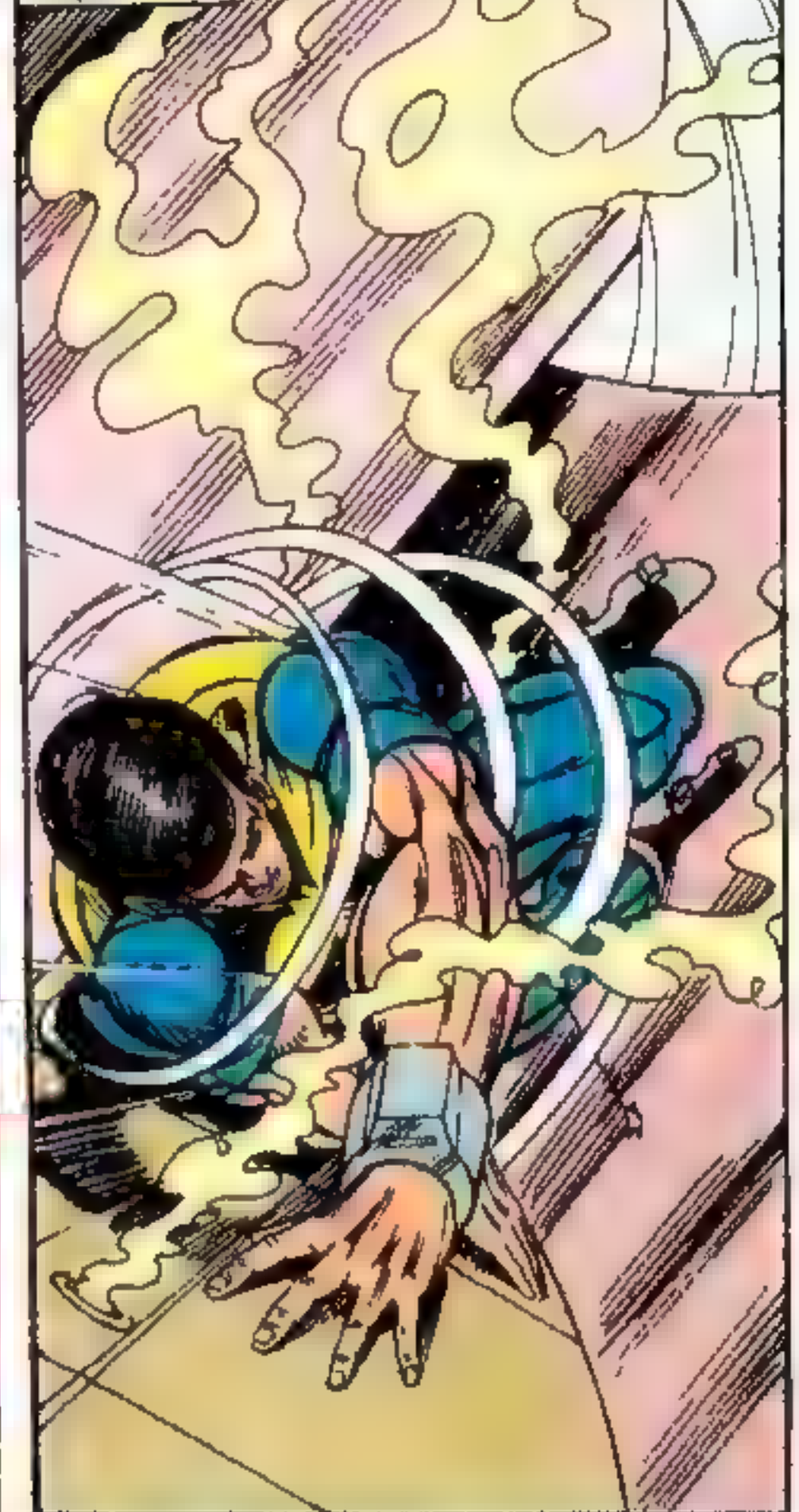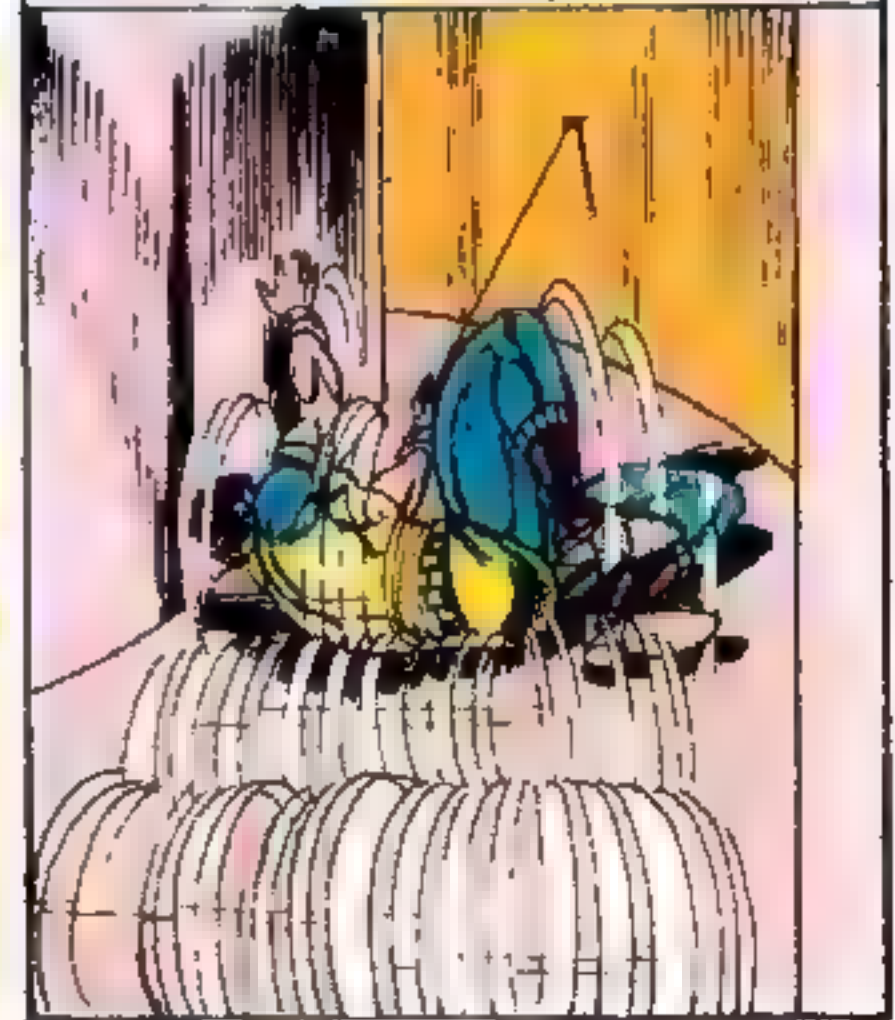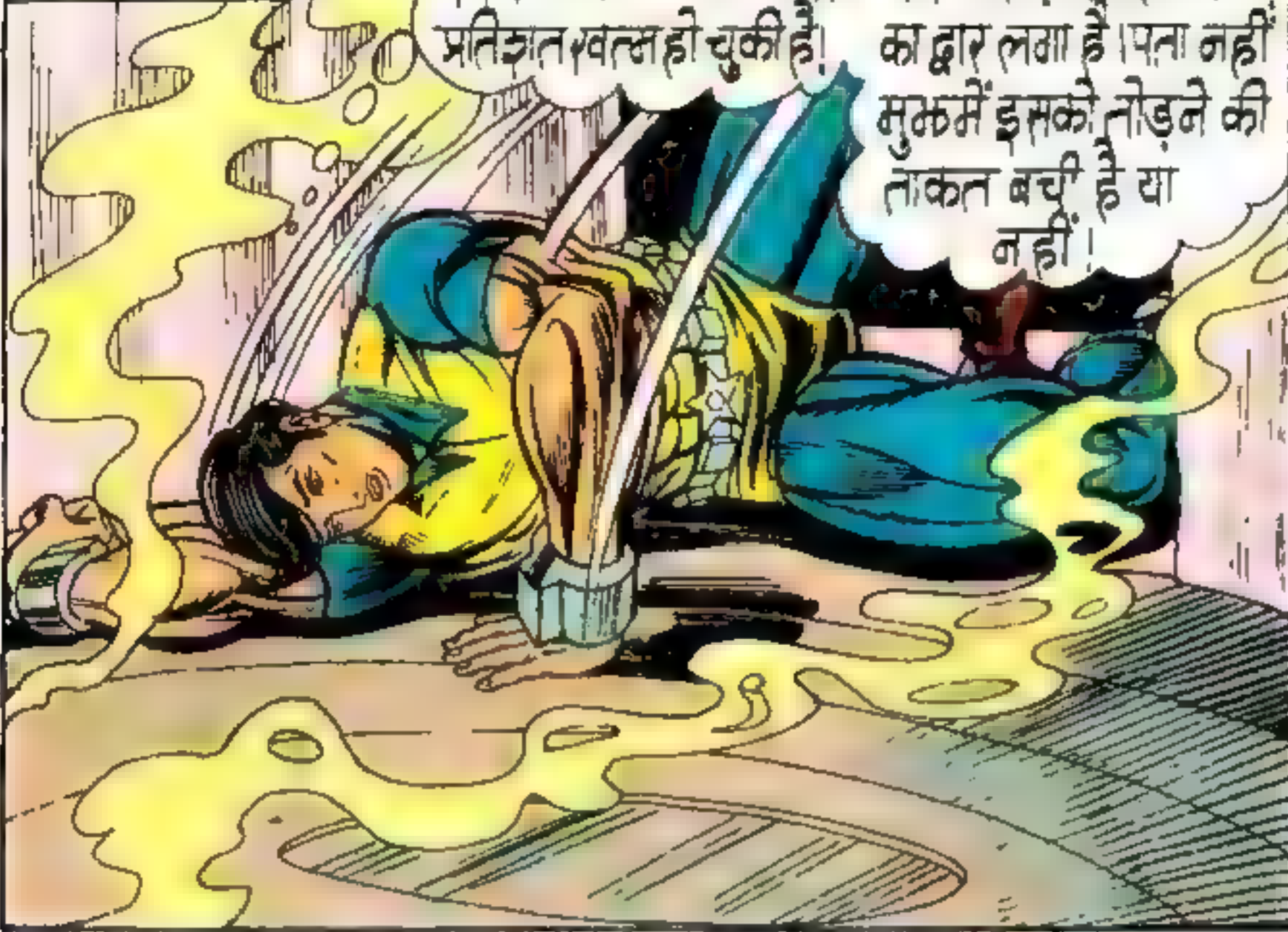
ध्रुव के पहले वार में शायद इतनी भी ताकत नहीं थी कि वह एक तिलचट्टे तक को मार पाता-

आऽऽऽह! शरीर से आखिरी सांस भी निकलने वाली है! पर मैं हारूंगा नहीं! मैं क्विजमास्टर टीटो से पहली ही मुलाकात में मात नहीं खाऊंगा! नहीं खाऊंगा!...
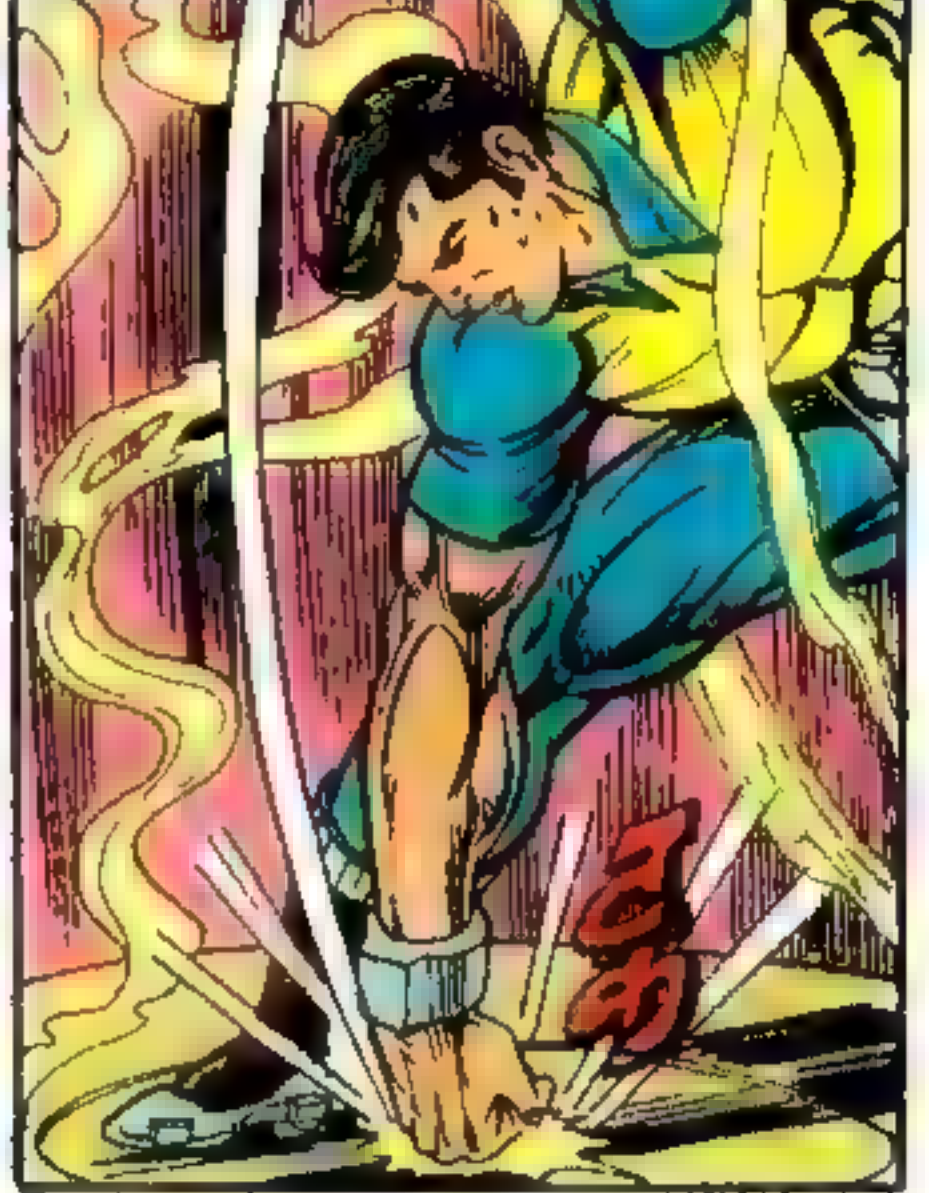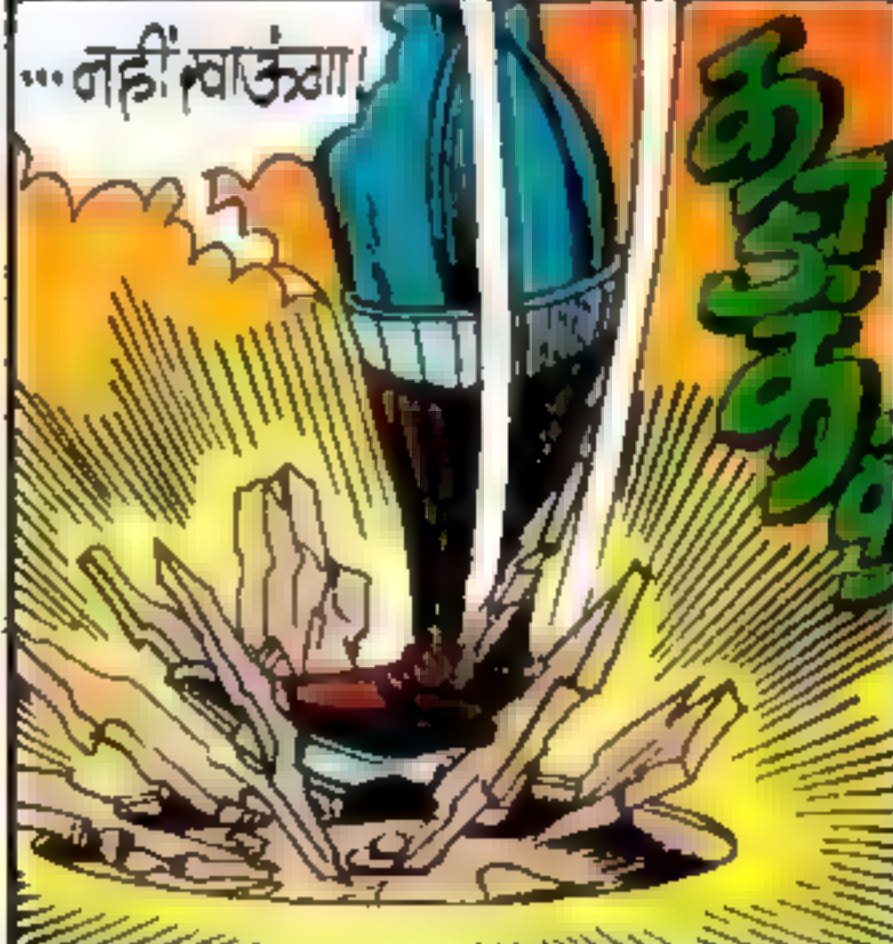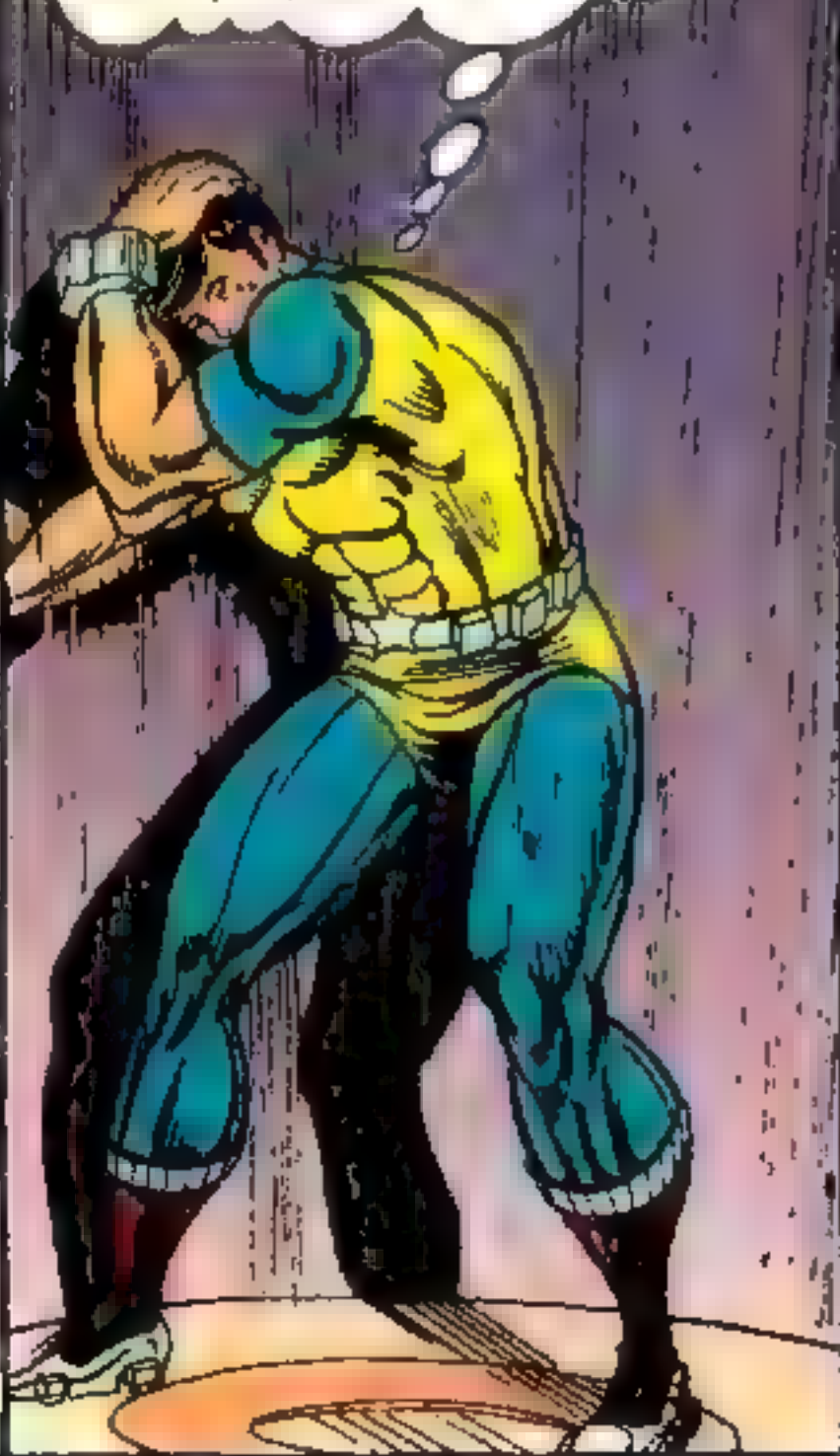
...नहीं खाऊंगा!
कड़ाक
ध्रुव द्वारा पूरी इच्छाशक्ति से किया गया वार, लकड़ी की बाधा को तोड़ता हुआ एक बटन से जा टकराया-
और ध्रुव को कैद करने वाला शीशे का आधा गोला, हवा में उड़ गया! साथ ही साथ दीवारें भी फिर से जमीन में धंसने लगीं-

एक... जीरो!
ध्रुव आजाद हो गया था-

तू 'पजल' से जिन्दा बाहर निकल आया! आश्चर्य! यानी तू बहुत खतरनाक है! अब मैं यहां तुझसे लड़ने के लिए रुकूंगा नहीं! पर मैं बहुत खुश हूं कि इस शहर में मुझे अपनी टक्कर का एक आदमी मिल गया! अब यह क्विज मास्टर टीटी का वादा है कि वह जो भी अपराध करेगा, उसकी पूर्व-सूचना तुझे जरूर भेजेगा! तभी तो मजा आएगा इस शहर में अपराध करने का!
फिर्र्र स्स्स्स
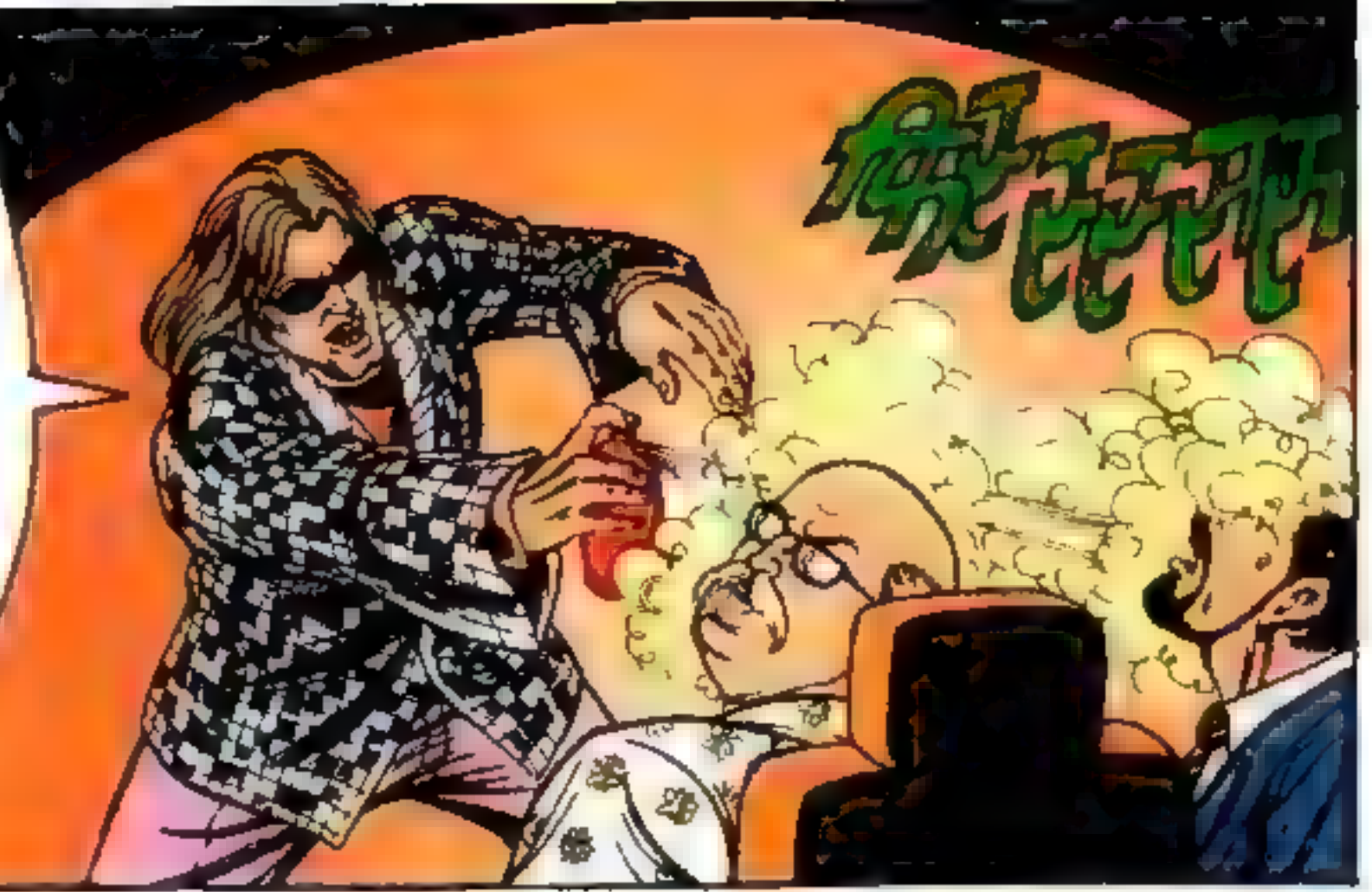
फिर मिलेंगे सुपर कमांडो ध्रुव! यह वादा रहा!
ओफ्फ! यह ब्रायन और महेन्द्र पर किसी केमिकल का स्प्रे करके भाग रहा है। और मुझे पूरा यकीन है कि यह स्प्रे खतरनाक की श्रेणी में ही आता होगा। मुझे इसके पीछे जाना चाहिए। पर मुझ पर अभी भी नर्व गैस का थोड़ा सा असर बाकी है। मैं इसका पीछा करने की स्थिति में नहीं हूं!

किसी फिल्मी सीन की तरह ग्रैंडमास्टर टीटी के नजर से ओझल होते ही पुलिस पार्टी ने गोदाम में प्रवेश किया-
ध्रुव, क्या हुआ? तुम ठीक तो हो न? और वह पहेली मास्टर कहां है?
मैं ठीक हूं पापा! और वह पहेली मास्टर टीटी भाग चुका है! आप पहले ब्रायन और महेन्द्र को अस्पताल पहुंचवाइए!

और फिर अस्पताल में-
I.C.C.U.
उन दोनों की अब कैसी तबीयत है, डॉक्टर?
स्थिर है। परन्तु दोनों के मस्तिष्क के कई महत्त्वपूर्ण सेल नष्ट हो गए हैं। उनको फिर से बनने में काफी समय लगेगा। ब्रायन कम से कम दो-तीन सालों तक तो क्विज प्रोग्राम नहीं कर पाएगा।
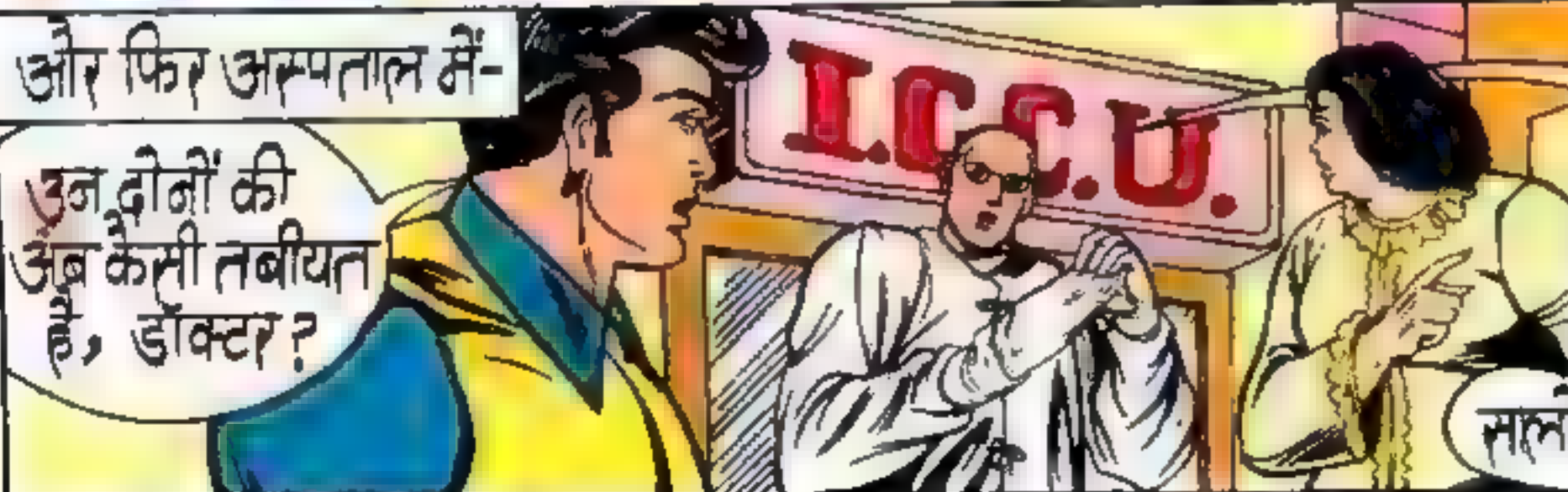
कोई बात नहीं! हमारा हसबैंड का जान बच गया, यही बहुत है। जीजस इस ग्रेट!
वे दोनों अभी बयान देने की हालत में हैं या नहीं, डॉक्टर?
अभी तो वे पूरी तरह से होश में भी नहीं आए हैं, ध्रुव!...
... बयान तो दूर की बात है!
अस्पताल से जाते समय ध्रुव का दिमाग कई तरह के विचारों से भरा हुआ था-
मेरे लिए यह डूब मरने वाली बात है कि मेरी आंखों के सामने ब्रायन और महेन्द्र पर हमला हुआ, और मैं उन्हें बचा नहीं पाया!...
... लेकिन मैं क्विजमास्टर टीटो को ढूंढ ही निकालूंगा! और अगर वह मुझे अपने अपराधों की पूर्व सूचना देने के वादे पर कायम रहा तो मुझको ज्यादा प्रयास करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी!

कहानी 19 पेज से जारी
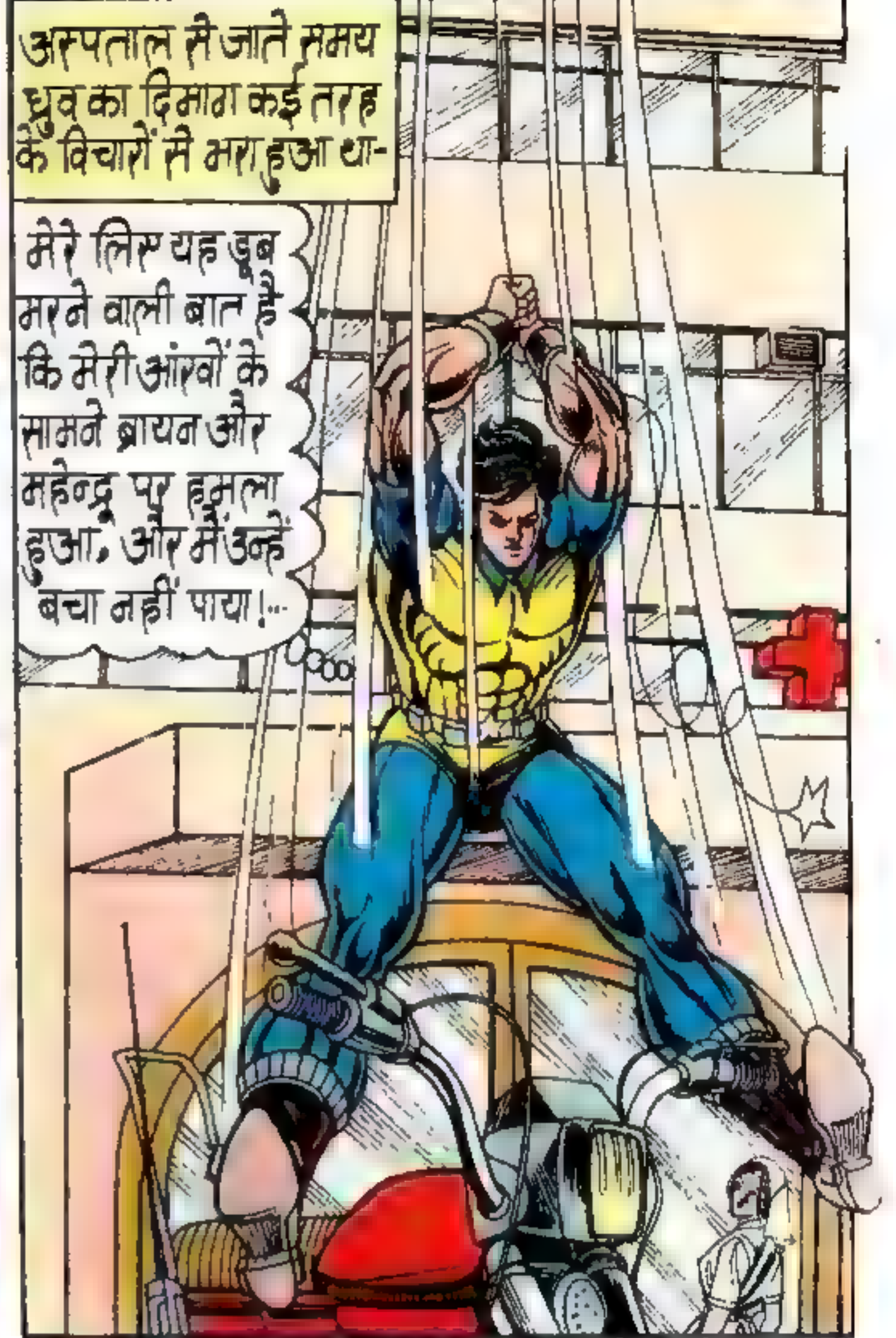
क्विज मास्टर टीटी यह वादा भूलने वालों में से नहीं था! क्योंकि जिस शोहरत की भूख से वह तड़प रहा था, वह उसे धीरे- धीरे मिल रही थी-

और ध्रुव के साथ उसके टकराव उसको शोहरत की उन बुलंदियों तक पहुंचा सकते थे, जहां तक पहुंचने का उसने सपना भर देखा था

आहा! बड़े दिनों बाद अखबार में अपना नाम आया है! पर यह अभी ग्यारहवें पेज पर है! इसको यहां से निकाल कर पहले पेज पर लाना है! ...

... और इसमें यह ग्यारहवां पेज ही मेरी मदद करेगा।

चूहे- बिल्ली का खेल शुरू हो गया था! बस, इतना तय होना बाकी था ...

... कि चूहा कौन है, और बिल्ली कौन?

कैप्टेन! हमारी इंटरनेट की 'साईट' पर एक मैसेज आ रहा है! खास तुम्हारे लिए!

ATTN: SUPER COMMANDO DHRUVA

मैं समझ गई! यह क्विजमास्टर टीटी द्वारा भेजी गई 'पजल' है। और काली सफेद 'खिड़कियों' वाली ऐसी पजल जिसमें शब्द और भेद भरे वाक्य होते हैं! सिर्फ 'क्रासवर्ड' ही हो सकती है!
गुड, गुड! आज तुमने साबित कर दिया, रेणु, कि गोबर की बदबू तुम्हारे सिर से नहीं, कहीं और से आती है! मैं तुम्हारा जो इम्तहान ले रहा था, उसमें तुम पास हो गई! वरना यह जवाब तो मैं थोड़ी देर में बताने ही वाला था!

वह गोबर की बदबू सचमुच कहीं और से ही आती है, करीम! तुम्हारे सिर से! क्योंकि तुम तो जवाब सूझने से पहले ही जवाब देने लगते हो!
शांत, शांत, रेणु! अभी तुम्हारा जवाब भी अधूरा है!

तुमने ही अभी कहा था न कि टीटी किसी खास जगह की तरफ इशारा कर रहा है! और क्रासवर्ड तो हजारों जगह प्रकाशित होती हैं। हमको एक खास क्रासवर्ड ढूंढनी है! और फिर उससे संबंधित जगह का पता लगाना है!
ऐसा है तो उस खास जगह का कोई क्लू इसी पजल में होना चाहिए! देखो, पजल है, बड़ी-बड़ी खिड़कियां! कुछ काली कुछ...
यस! यस! क्लू है, रेणु! क्लू है!

क्या क्लू है? हमको भी तो बताते जाओ!
मुझे तो फिर से गोबर की महक आ रही है!

'क्लू' तो बड़ा-बड़ा और स्पष्ट नजर आ रहा था-
मैं समझ गया कि क्विज मास्टर टीटो किस 'पजल' की बात कर रहा है! यह पजल उस 'क्रासवर्ड' का विशाल नियोन साइन बोर्ड है, जो शमा परवाना मैगजीन के ऑफिस की सबसे ऊपर की मंजिल पर लगा हुआ है! उस पर हर महीने की पन्द्रह तारीख को एक ग्रैंड क्विज खेली जाती है। जिस पर लाखों के इनाम होते हैं। और आज पन्द्रह तारीख है! ग्रैंडमास्टर टीटो जरूर उसी इनाम को लूटने का प्लान बना रहा है!...
मुझे इस क्रासवर्ड का पता बड़ी-बड़ी खिड़कियों से लगा! क्योंकि किसी क्रासवर्ड के खिड़की जितने बड़े खाने सिर्फ उसी क्रासवर्ड के ही हो सकते हैं! हे भगवान, मेरे ख्याल को सही साबित करना!
ध्रुव ने दूसरी बार भी टीटो की पहेली को सफलतापूर्वक सुलझा लिया था-
CROSSWORD
अरे, इस बार क्रास वर्ड वाले पागल हो गए हैं क्या? बड़े अजीब-अजीब से वाक्य दे रहे हैं। 'ऊपर से नीचे' दूसरे में लिखते हैं..." बजाओ चुटकी लगाओ टान, फिर एक के ऊपर एक जमाओ। वही मेरा घर है। वहीं आजाओ!" तीन अक्षर का!
अब बताओ, इसे भला कौन सुलझा सकता है?
मैं सुलझा सकता हूं! जवाब है, 'पहाड़ी'। चुटकी से आवाज होती है 'चट'। आगे लगाओ 'टान'। बन गई चट्टान। फिर एक के ऊपर एक चट्टान यानी पहाड़ी!

और ये पहेली मैं इसलिए हल नहीं कर पा रहा हूं क्योंकि मैं बहुत इंटेलीजेंट हूं। बल्कि सच तो यह है कि 'क्रासवर्ड बोर्ड' पर जो-जो लाइनें लिखकर आ रही हैं, मुझे वे भी पहले से पता हैं और उनके जवाब भी...
...और वह इसलिए क्योंकि मैं आदमी हूं।...
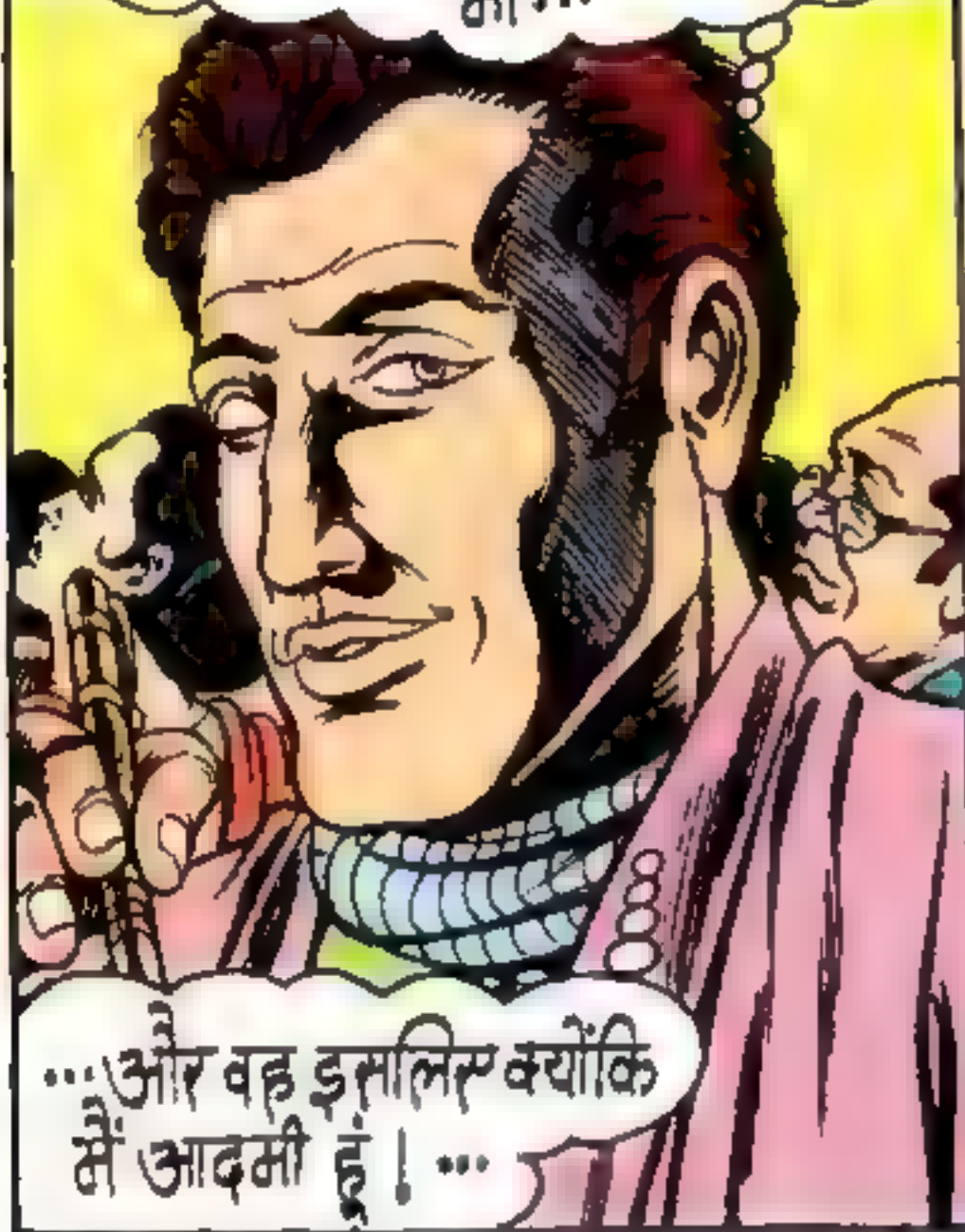
"...क्विजमास्टर टीटो का"
"जो इस वक्त 'क्रासवर्ड साइन' के कंट्रोल रूम में मौजूद है"
वेरी गुड! अब दूसरी लाइन टाइप करो!...दांए से बाएं... नंबर चौथा...आखिरी लाइन!
और इसके 'डिस्प्ले' होने के साथ-साथ मेरा आदमी सही शब्द भरे हुए क्रासवर्ड को ले आएगा!...
...फिर उसे पांच लाख का पहला इनाम भी दे देना, और बाकी सारे इनाम भी!

दूसरे तीसरे और चौथे इनाम! क्योंकि इस क्रासवर्ड को और कोई तो हल नहीं कर पाएगा!
कुल इनाम की रकम हुई दस लाख!
बॉस! बॉस! यह रहा सही-सही भरा हुआ क्रास वर्ड!
लो! आ गया इस महीने का विजेता! अब दो इसे दस लाख रुपए!

अ...अजीब आदमी हो तुम! क्लू वाले वाक्य भी तुमने ही बनाए और जवाब भी तुमने ही दे दिया! और फिर इनाम मांगते हो! अच्छी लूट है!
लूट! हमको लुटेरा बोलता है! ये पैसे तो हमने इनाम में जीते हैं!
लाऽऽऽ! दस लाख से भरा ब्रीफकेस इधर दे!

...मरकर इंसान कहां जाता है?
और जवाब की मुझे जल्दी नहीं है!...
...कभी सपने में आकर बता जाना!
क्योंकि तुम्हारा हाड़-मांस का बदन तो अब बचेगा नहीं!
तड़ तड़ तड़ तड़तड़तड़

आऽऽऽह !

जहां तक भाग सकता है, भाग ले टीटो!

देखते हैं कि दस सेकंड में तू कितनी दूर भाग सकता है!

क्योंकि इतना ही समय लगेगा...
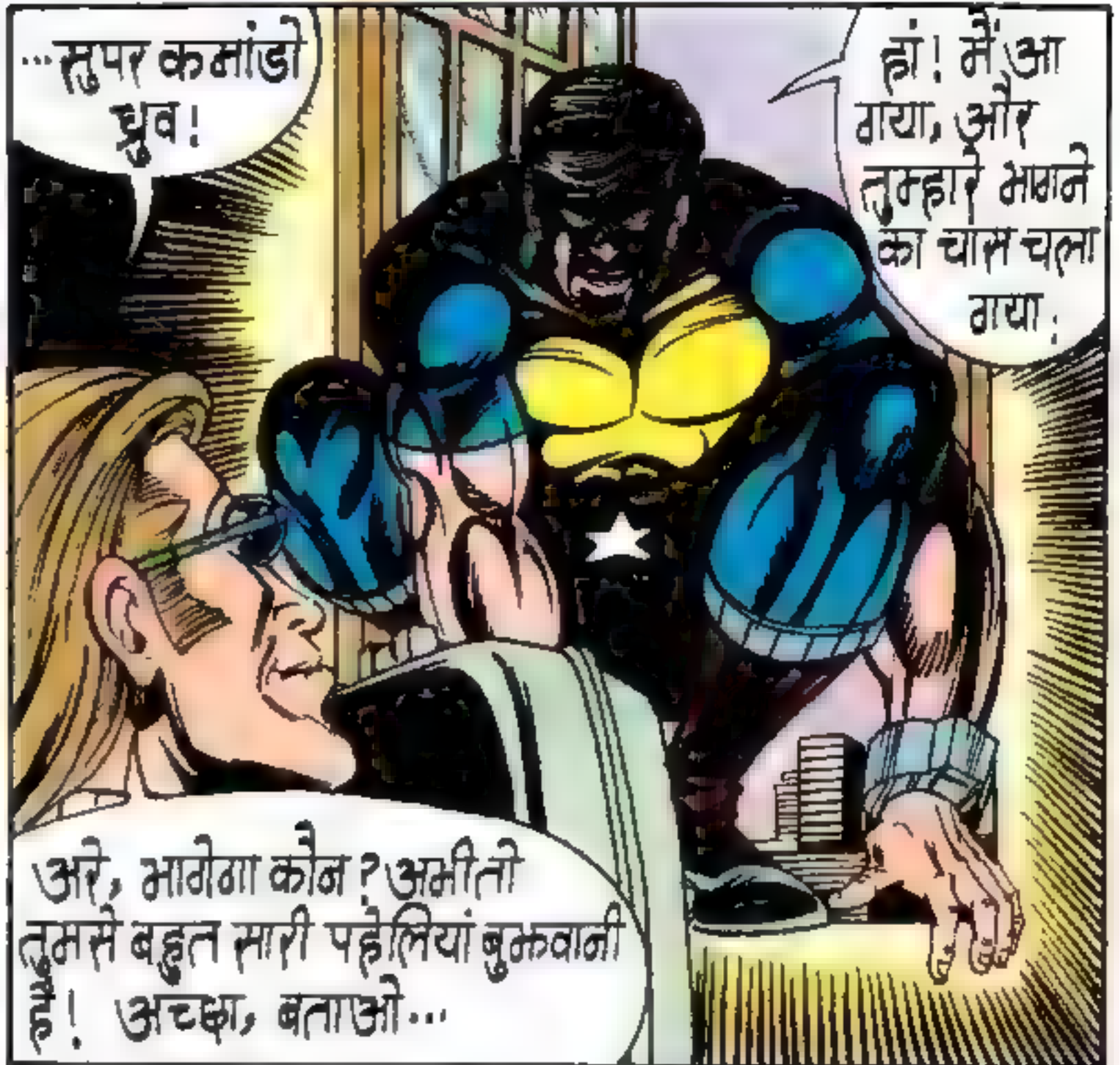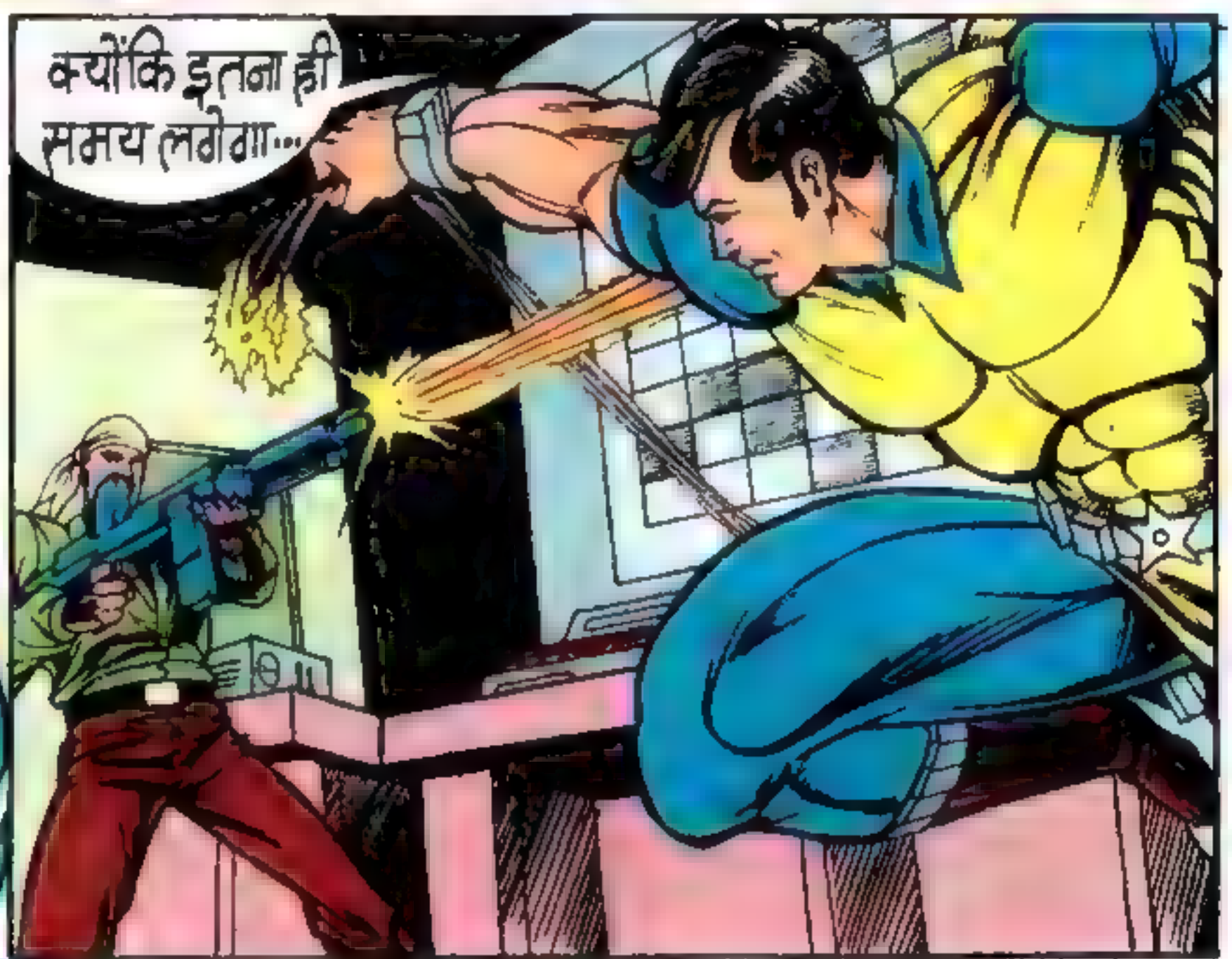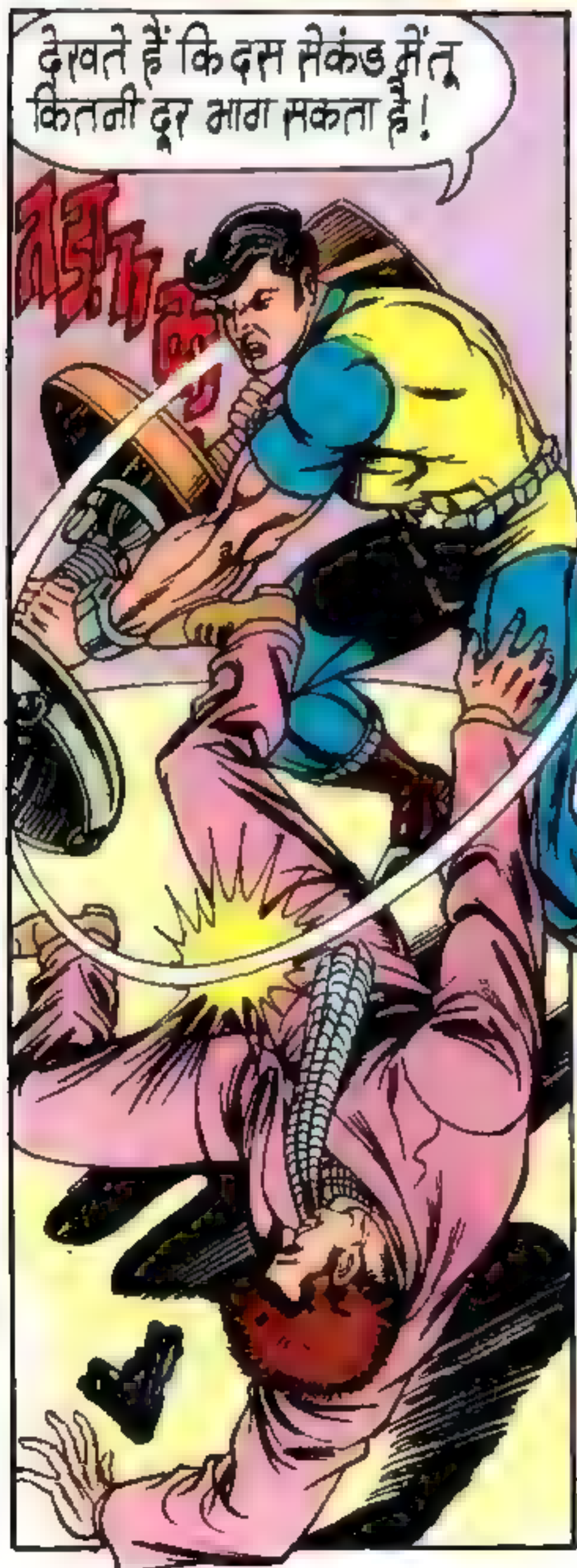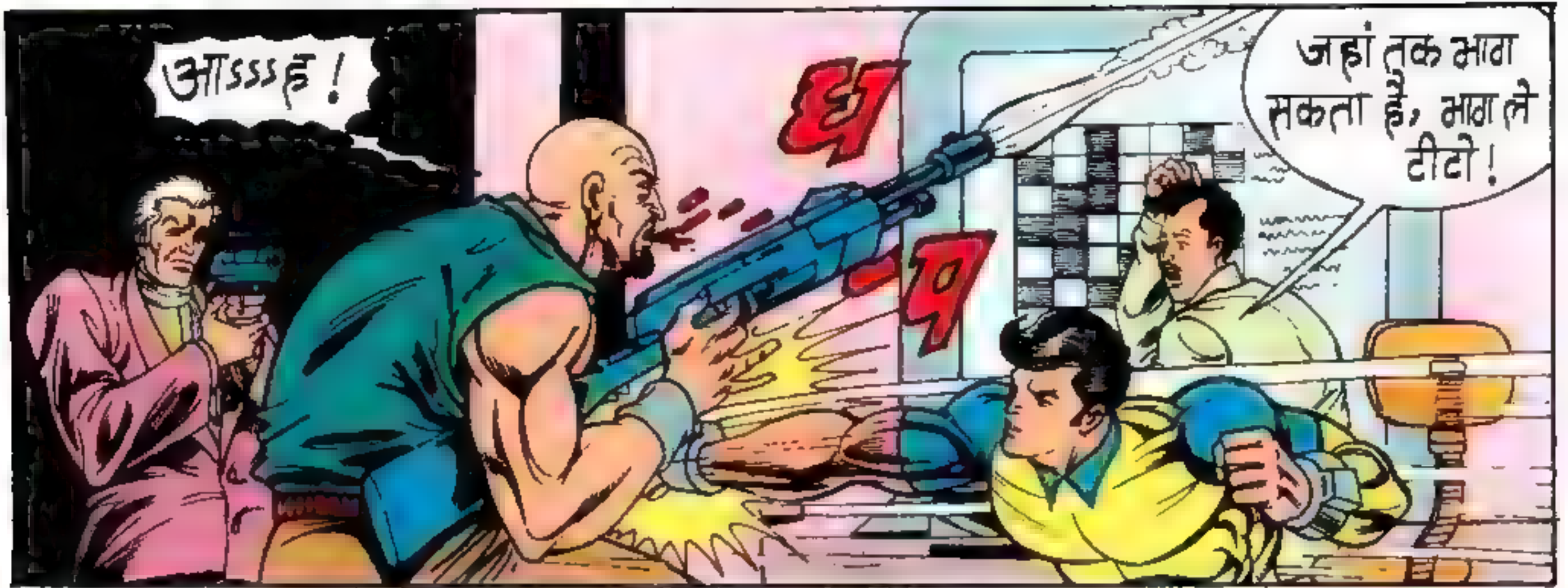
...मुझे तेरे आदमियों को बेहोश करने के बाद...

...तुम तक पहुंचने में!
ओह! तुम तो 'फास्ट फारवर्ड' में काम करते हो। अब तो मैं पकड़ा जाऊंगा! बचने का कोई रास्ता नहीं है!...
...पर मैं जिन्दा पकड़ा नहीं जाऊंगा!
सुसाइड कर लूंगा! आत्महत्या!
अरे! अरे!
यह तो सचमुच नीचे कूद गया!
पर बाहर झांकते ही ध्रुव को सच्चाई का पता चल गया-
ओह! इस ने पहले से ही भागने का रास्ता तैयार कर रखा था। पुताई करने वाले और ऊंची इमारतों की खिड़कियां साफ करने वाले जिस यंत्र 'स्केफोल्ड' का प्रयोग करते हैं, उसे इसने पहले से ही लटका रखा था, और अब उसी से उतरकर भाग रहा है!...
...लेकिन इस बार मैं तुमको भागने नहीं दूंगा!
हट!
हा हा हा! मुझे बचाने वाले बहुत लोग हैं, ध्रुव! बताओ, इन्सान किसके आगे झुक जाता है?

क्विजमास्टर भीड़ को चीरता हुआ उस 'सब-वे' की तरफ भाग रहा है! मुझे उसे रोकना होगा, क्योंकि उस सबवे से पांच रास्ते अलग-अलग दिशाओं में निकलते हैं! अगर ये सब-वे में घुस गया तो न जाने किस दिशा में निकलेगा! फिर मैं इसे ढूंढ़ नहीं पाऊंगा!
SUB
क्विजमास्टर भाग नहीं पाया–
लेकिन ध्रुव उसे पकड़ भी नहीं पाया–
हा हा हा! ये सजा तुझे मेरी पहेली का जवाब न देने के लिए मिली है! अब ये इलेक्ट्रिक शॉक' तुझे कम से कम पांच मिनटों तक पंगु अवस्था में रखेगा! और तब तक मैं ...
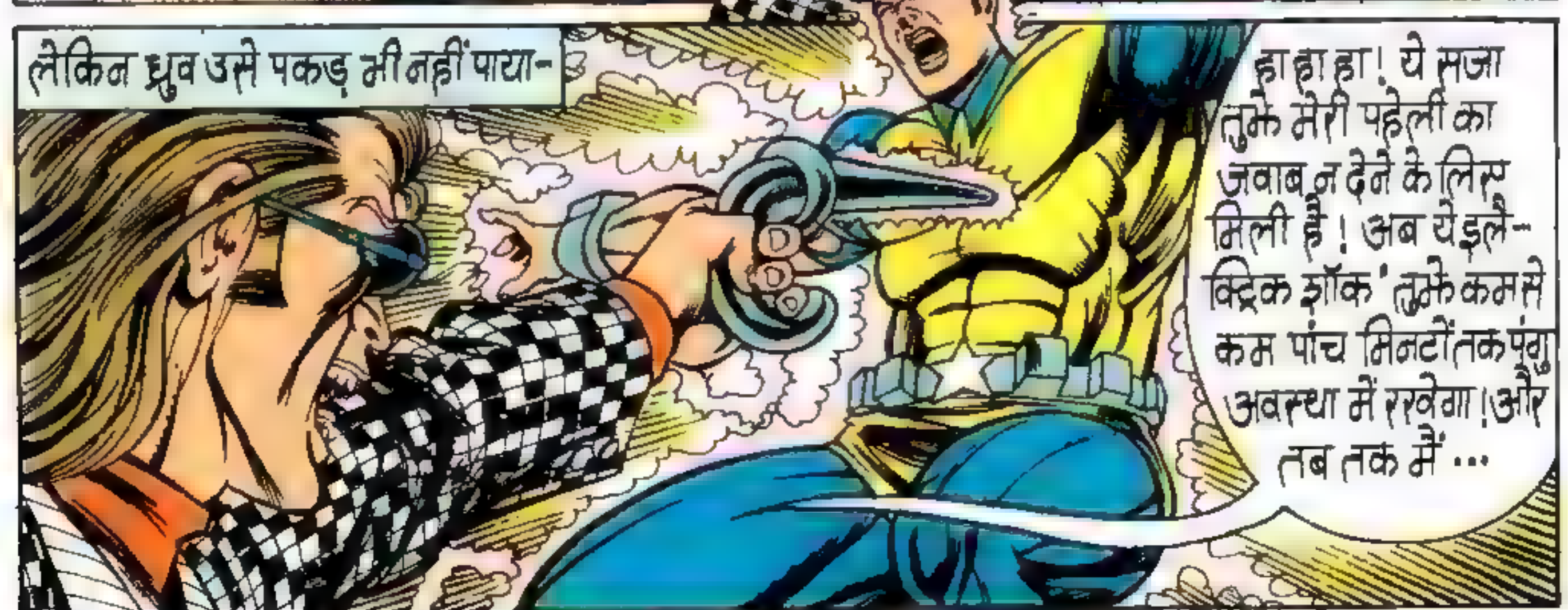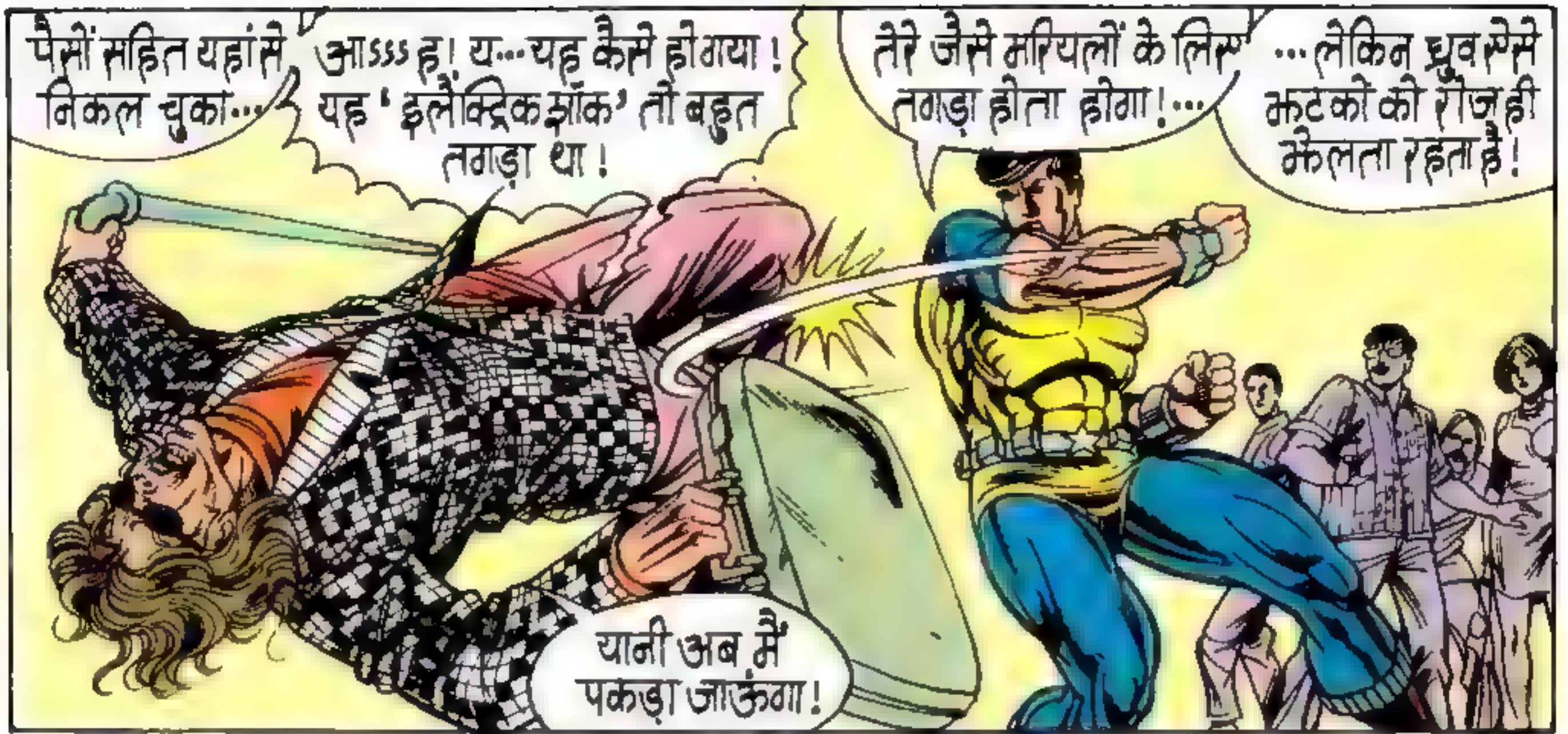
पैसों सहित यहां से निकल चुका...
आऽऽऽह! य...यह कैसे हो गया! यह 'इलेक्ट्रिक शॉक' तो बहुत तगड़ा था!
तेरे जैसे मरियलों के लिए तगड़ा होता होगा!...
...लेकिन ध्रुव ऐसे झटकों को रोज ही झेलता रहता है!
यानी अब मैं पकड़ा जाऊंगा!

देख, ध्रुव! तूने मेरी पहेली का जवाब नहीं दिया! लेकिन अब मैं खुद ही जवाब दे देता हूं। जिस चीज के आगे इन्सान हमेशा झुक जाता है... वह होता है गिरा हुआ नोट!
अब यही नोट मुझे बचाएंगे! दुःख तो रहेगा कि ये नोट मैं साथ नहीं ले जा पाया! पर बच गया तो ऐसे बहुत कमाऊंगा!
ओऽऽऽऽ! ये सूटकेस के सारे नोट हवा में उड़ा रहा है! ...और साथ ही साथ 'सब-वे' में घुस रहा है। मैं इसकी चाल समझ रहा हूं!
नोट!

इन सौ-सौ और पांच सौ के नोटों को लूटने के लिए सब-वे के रास्ते पर भारी भीड़ जमा हो जाएगी! रास्ता जाम हो जाएगा और मैं इसके पीछे-पीछे नहीं जा पाऊंगा। और ऊपर से भी रास्ता इतना नहीं बचा है कि मैं स्टार लाइन का प्रयोग करके जा सकूं!
क्विज मास्टर मुझे मात दे गया है!

ध्रुव की हर खबर पर पुलिस डिपार्टमेंट तुरन्त कार्यवाही करता था—

अरे, इतना रिकवर हो गया यही बहुत है! वरना पब्लिक तो मुझे मार-मारकर कब्र में भेज देती! धंधा चौपट होता सो अलग! आपने मेरी जानो-आबरू बचा ली ध्रुव भाई! आप फरिश्ता हैं! फरिश्ता!

फरिश्ता होता तो शैतान मेरे चंगुल से बचकर भाग नहीं पाता! पर इस बार वह अपने पते का कोई क्लू छोड़कर नहीं गया? उसे तो पूरी आशा थी कि मैं यहां पर आऊंगा!

★ विस्तार से जानने के लिए पढ़ें आवाज की तबाही

फिल्मी हीरोज की तरह अपराधियों की भी एक खास स्टाइल होती है! और इस क्विज मास्टर टीटी की स्टाइल पहेलियों के सहारे अपराध करने की है! बस एक बात समझ में नहीं आ रही है।...
... हर बार कोई न कोई क्लू देकर मुझे अपना पता देने का मतलब क्या है? वह यह खतरा क्यों मोल ले रहा है? हर बार तो वह मुझसे बच नहीं सकता!
वरूँऊँऊँऊँऊँऊँऊँऊँSSSSSSS
खैर, इस बार इस सवाल का जवाब उससे ही पूछ लूंगा! फिलहाल तो यह बोर्ड बता रहा है कि मैं सही रास्ते पर जा रहा हूं!
लेकिन इस पहेली का मतलब क्या है? 'सावधान'आगे वही है, जो पीछे है। कृपया धीरे चलें!
सावधान
आगे वही है.. जो पीछे है!!
कृपया धीरे चलें

बैरियर को पार कर गई-

और एक झटके के साथ मोटर साइकल हवा में उड़ती हुई-

य... यह क्या? यह तो शीशा है! रास्ते में रखा हुआ एक विशाल आईना!
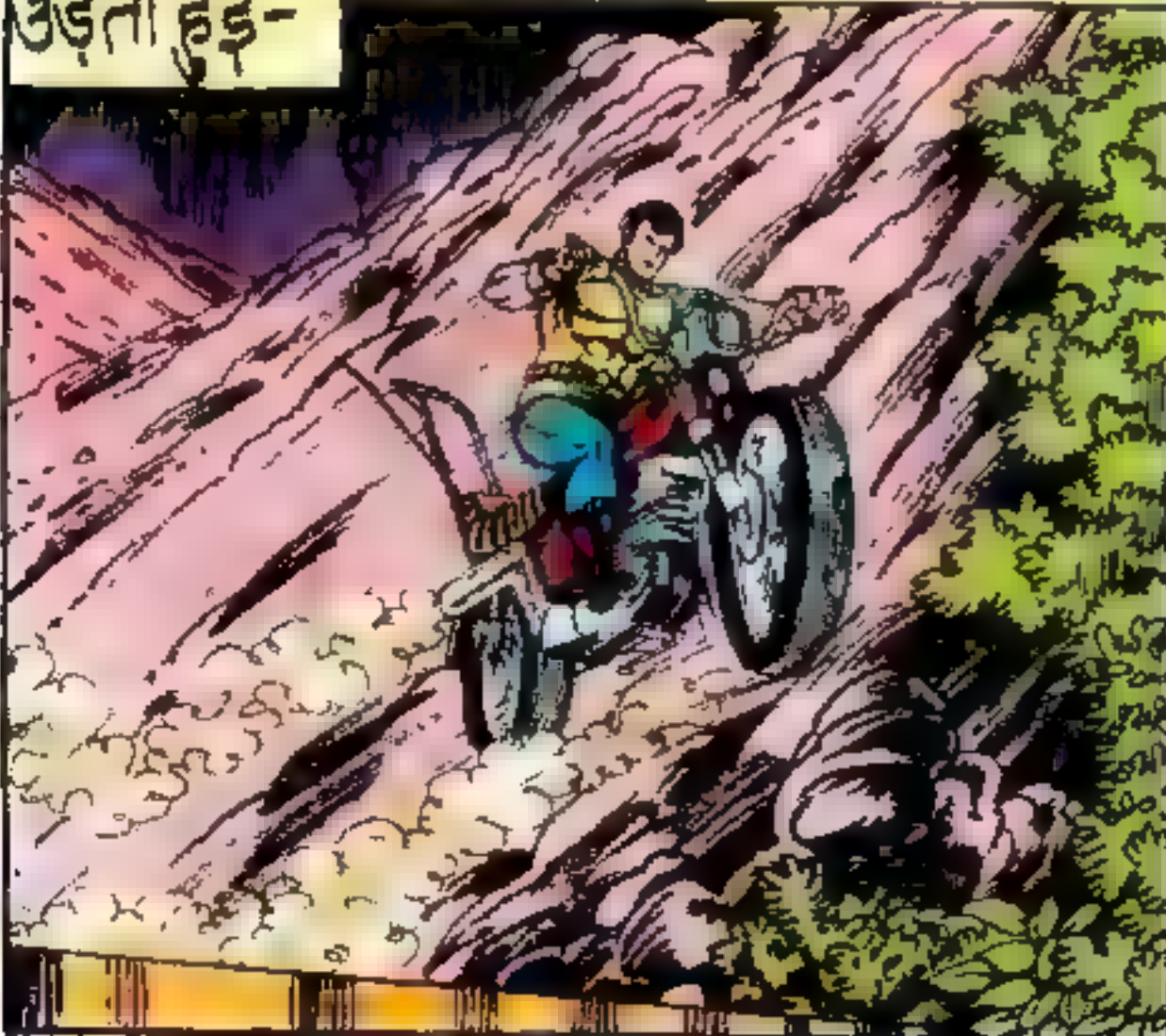
और इसको क्विजमास्टर टीटी ने पहाड़ी रास्ते के गोल मोड़ पर इस तरह से रखा था कि मुझे सड़क मुड़ती दिखने के बजाय सीधी जाती दिखाई दे! और वह चार फुट ऊंचा अवरोध शीशे के आगे इसलिए रखा गया था ताकि मैं अपने प्रतिबिम्ब या मोटरसाइकल की लाइट को न देख सकूं।
अब भाई ध्रुव, मैंने तो तुमको सचेत कर दिया था! सड़क के किनारे बोर्ड भी लगा दिया था कि 'सावधान' आगे वही है, जो पीछे है! यानी पीछे का 'प्रतिबिम्ब' आगे नजर आ रहा है! पर तुम तो मेरी नीयत पर शक करके कूद गए! अब बताओ, मैं क्या करूं? हां तुम्हारे घर वालों को खबर जरूर भेज दूंगा!

तुमने मेरे हर केसों का बड़े ध्यान से अध्ययन किया है, टीटो! तुमको यह पूरा आभास है कि किस परिस्थिति में मैं किस तरह से कार्य करूंगा। इसलिए तुम यह भी जानते होगे कि मुझे इस खड्ड में गिराकर मारना बहुत मुश्किल है!
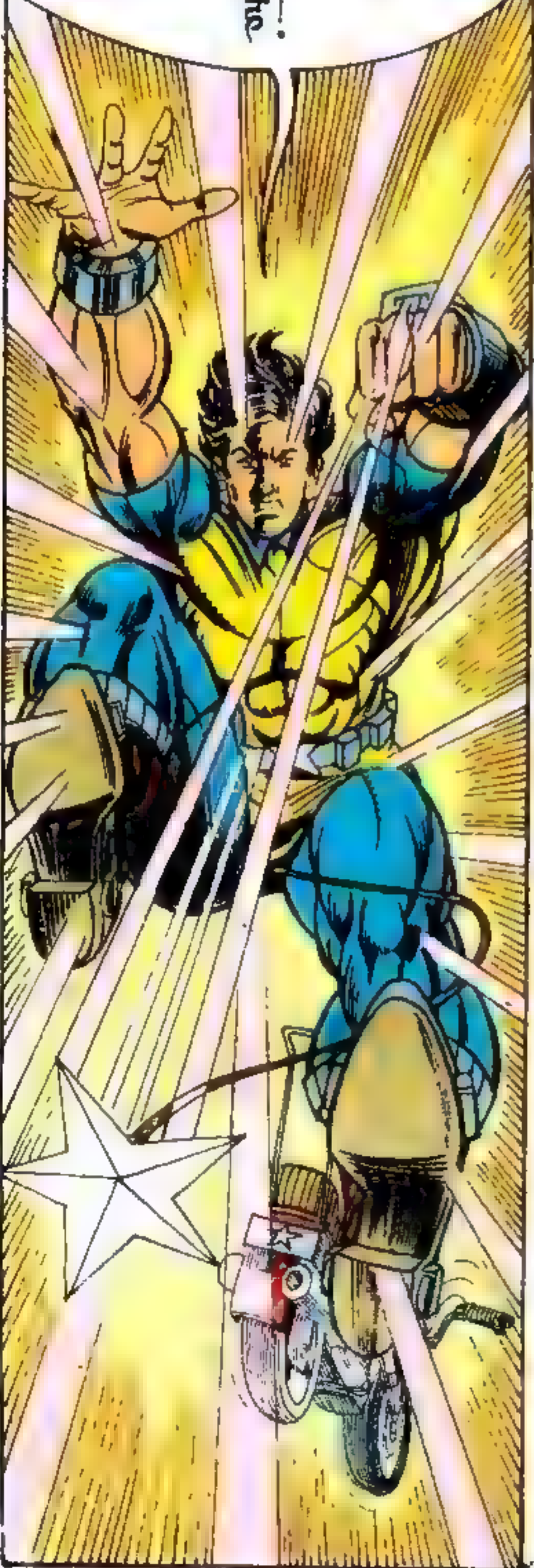
जानता हूं! पर तुमको मारना कौन चाहता है? बड़े दिनों बाद तो ऐसा प्रतिद्वंदी मिला है, जिससे चूहे-बिल्ली का खेल खेलने में मजा आ रहा है! अब मैं फिर भागूंगा, और तुम फिर मुझे तलाश करना!

स्टार-लाइन के सहारे ऊपर चढ़ने में ध्रुव को ज्यादा वक्त नहीं लगा था-
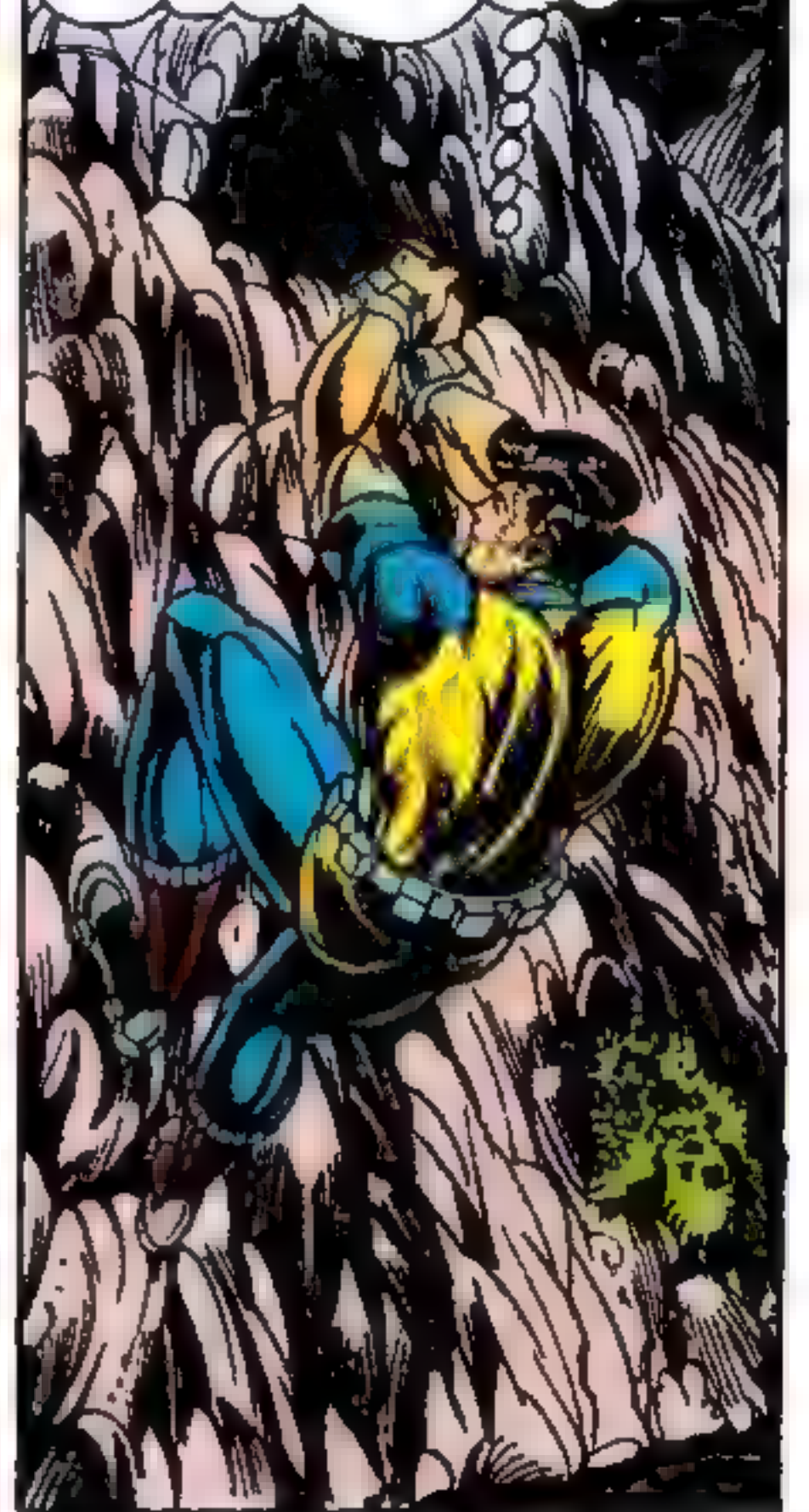
...क्योंकि जहां तक मैं जानता हूं, काली पहाड़ी के अंदर गुफाओं का एक ऐसा जाल बना हुआ है, जिसके अंदर जो भी फंसा वह बाहर नहीं आ पाया!

क्विजमास्टर टीटो के 'घर' के लिए इससे अच्छी जगह और क्या हो सकती है! 'रास्ता ढूंढो' वाली पहेलियों की तरह इस गुफा के पेचीदा और इंसानी नसों जैसे रास्तों में से बाहर निकलने का रास्ता एक अच्छा क्विज मास्टर ही तलाश कर सकता है!... लेकिन मैं क्विजमास्टर नहीं हूं! मुझे टीटो का अड्डा पता करने में अपनी पूरी बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा! और वह भी काफी संभल कर!...
...क्योंकि अंधेरी सुरंगें खतरनाक चीजों से भरी हुई हैं! जैसे ये खूनी चमगादड़ों की टोली!
ये अंधेरी गुफाओं को अपना घर बनाते हैं! और अपने घर में किसी का दखल बर्दाश्त नहीं करते! आगे बढ़ने के लिए इनसे इनका घर खाली करवाना ही पड़ेगा!
और ये काम 'सिग्नल फ्लेयर' की तेज रोशनी आसानी से कर सकती है!
अंधेरे में रहने के आदी चमगादड़ तेज रोशनी से घबराकर बाहर भागने लगे—
और ध्रुव को आगे बढ़ने का रास्ता मिल गया—
ओह! इस जगह से कई सुरंगें इधर उधर फूट रही हैं!...
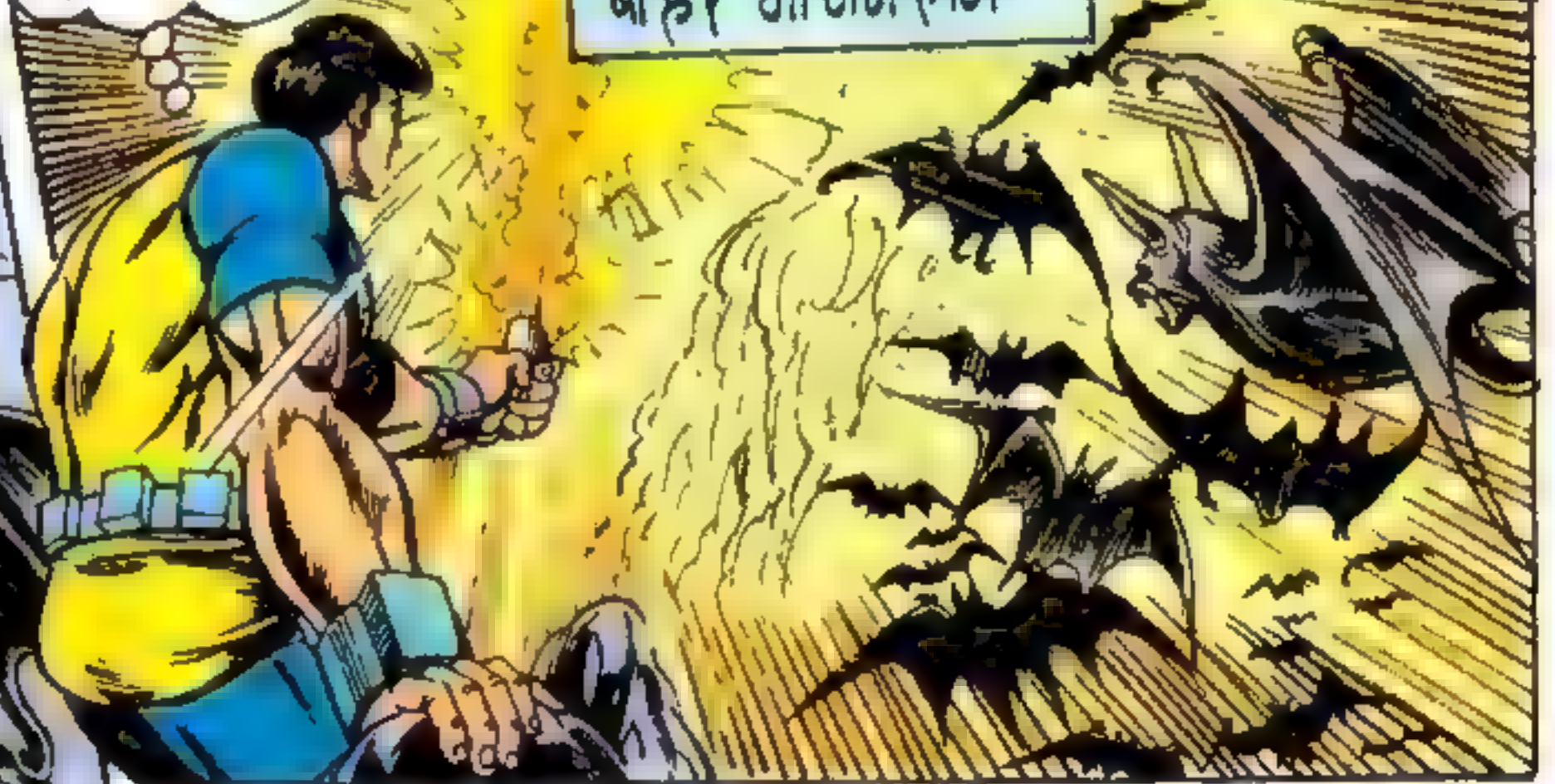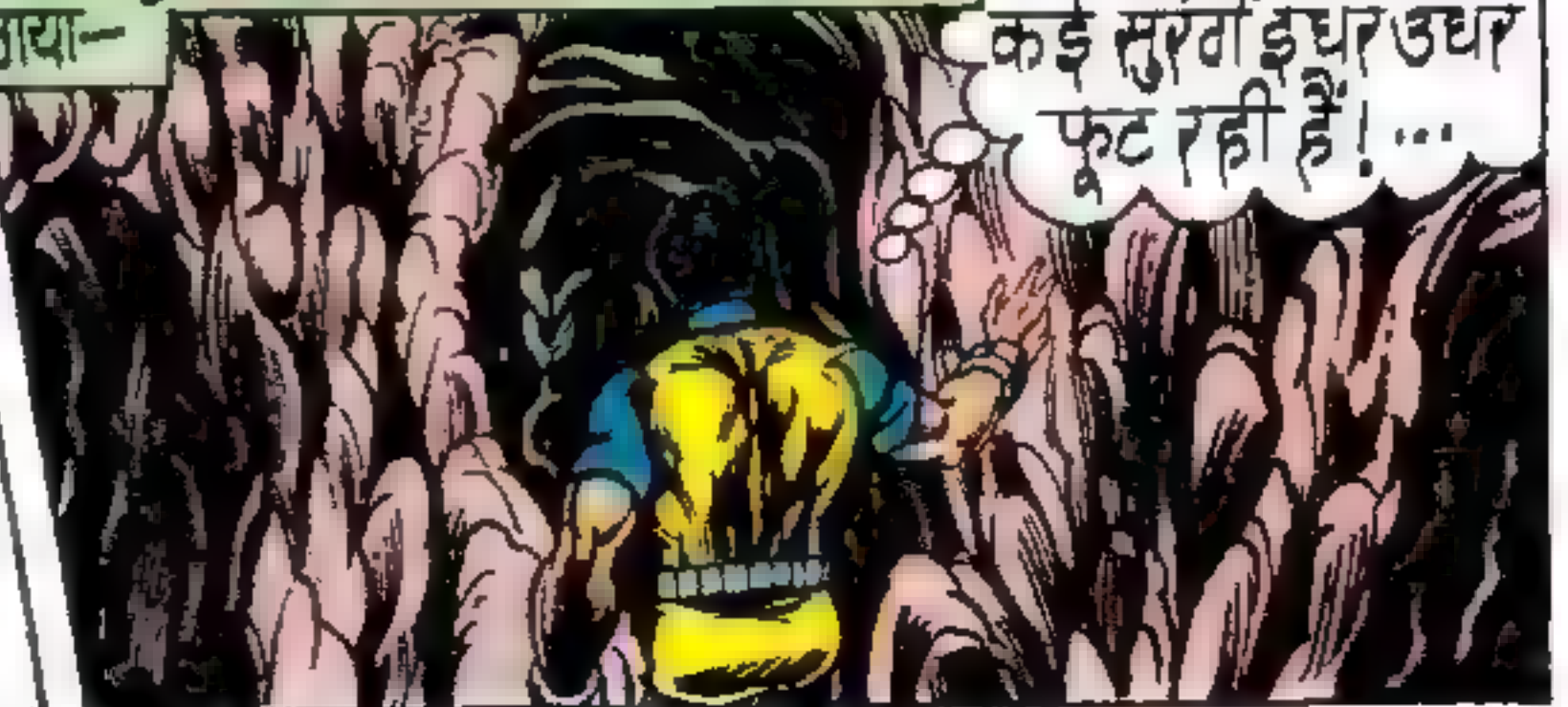
टीटी इनमें से किसी एक सुरंग में गया है! पर किसमें? मुझे सही सुरंग चुननी होगी। वरना अगर कहीं गलत सुरंग में घुस गया तो सारी जिन्दगी इन गुफाओं में ही घूमता रह जाऊंगा!
यहां बहुत अंधेरा है! 'स्टारटॉर्च' का इस्तेमाल करना... ओह! टीटी भी अंधेरे में तो देख नहीं सकता! वह भी जरूर किसी किस्म के प्रकाश का प्रयोग करके ही इन सुरंगों से गुजरता होगा! और जिस सुरंग में प्रकाश होता रहता हो, वहां पर चमगादड़ों के होने की संभावना बहुत कम है! अभी चेक कर लेता हूं!
ध्रुव ने जमीन से एक पत्थर उठाकर एक सुरंग के अंदर की छत पर फेंका—
और दर्जनों की तादाद में चमगादड़ बाहर आने लगे—
नहीं! यह वह सुरंग नहीं हो सकती
दूसरी सुरंग में पत्थर फेंकने का भी यही परिणाम हुआ—
लेकिन तीसरी सुरंग से कुल दो चमगादड़ निकले—
आहा! मेरा ख्याल सही निकला! यही वह सुरंग है, जिसमें से होकर टीटी अपने अड्डे तक गया है!

आगे बढ़ते ध्रुव को एक बार फिर कई रास्तों में से एक रास्ते का चुनाव करना पड़ा –
लेकिन इस बार काम थोड़ा आसान था–
यहां पर रास्ता चुनना आसान है! टीटो ने अगर यहां पर अपना अड्डा बना रखा है तो वह बल्ब और बिजली का इस्तेमाल अवश्य करता होगा! या फिर शायद मशाल का! परंतु हर स्थिति में जहां पर इंसानी निवास होता है, वहां पर कुछ न कुछ गर्मी अवश्य होती है! और वह गर्मी सुरंगों के रास्ते से इधर-उधर फैल रही है!
और अब जब टीटो का अड्डा पास आ चुका है, तो उस गर्मी को मैं महसूस कर सकता हूं! टीटो के अड्डे की तरफ जाने वाली सुरंगों की हवा, बाकी सुरंगों की अपेक्षा थोड़ी सी ज्यादा गर्म है...
...और हवा की बढ़ती गर्मी बता रही है कि टीटो का अड्डा पास आ रहा...
वेलकम ध्रुव! मेरे आदमियों के अलावा इस घर में आने वाले तुम पहले मेहमान हो! स्वागत है!
टीटो! कहां हो तुम?
सामने आ जाओ! अब तुम मुझसे बचकर भाग नहीं सकते!
तभी– जीरो वॉट का एक बल्ब जल उठा। और सुरंगें, किसी जेनरेटर के कंपन से गूंजने लगीं–
और ध्रुव के पीछे लोहे की एक मोटी चादर का अवरोध खड़ा हो गया–
कौन कम्बख्त भागना चाहता है! खुद भागना तो दूर, मैं तो तुमको भी भागने नहीं दूंगा।

ध्रुव पलटा, और उसको लगभग तुरंत ही अपनी आंखें बंद कर लेनी पड़ीं

ओह! क्विजमास्टर टीटो ने अपने पूरे शरीर पर होलोग्राम स्टीकर' जैसी पोशाक और खाल चढ़ा रखी है! और इस पर पड़ती तेज रोशनी अलग-अलग रंगों में परावर्तित होकर आंखों को चुंधिया रही है!
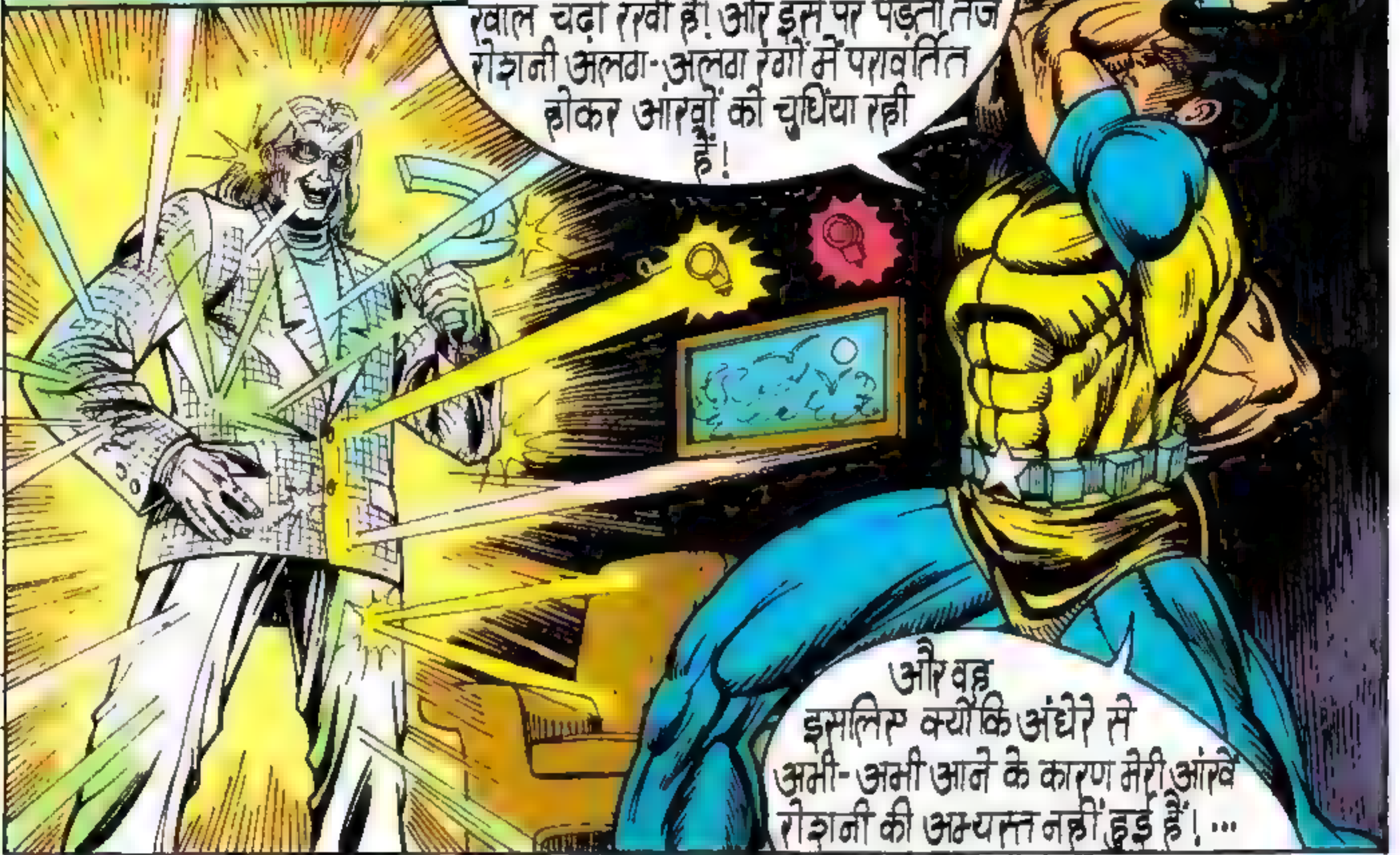
और वह इसलिए क्योंकि अंधेरे से अभी-अभी आने के कारण मेरी आंखें रोशनी की अभ्यस्त नहीं हुई हैं! ...
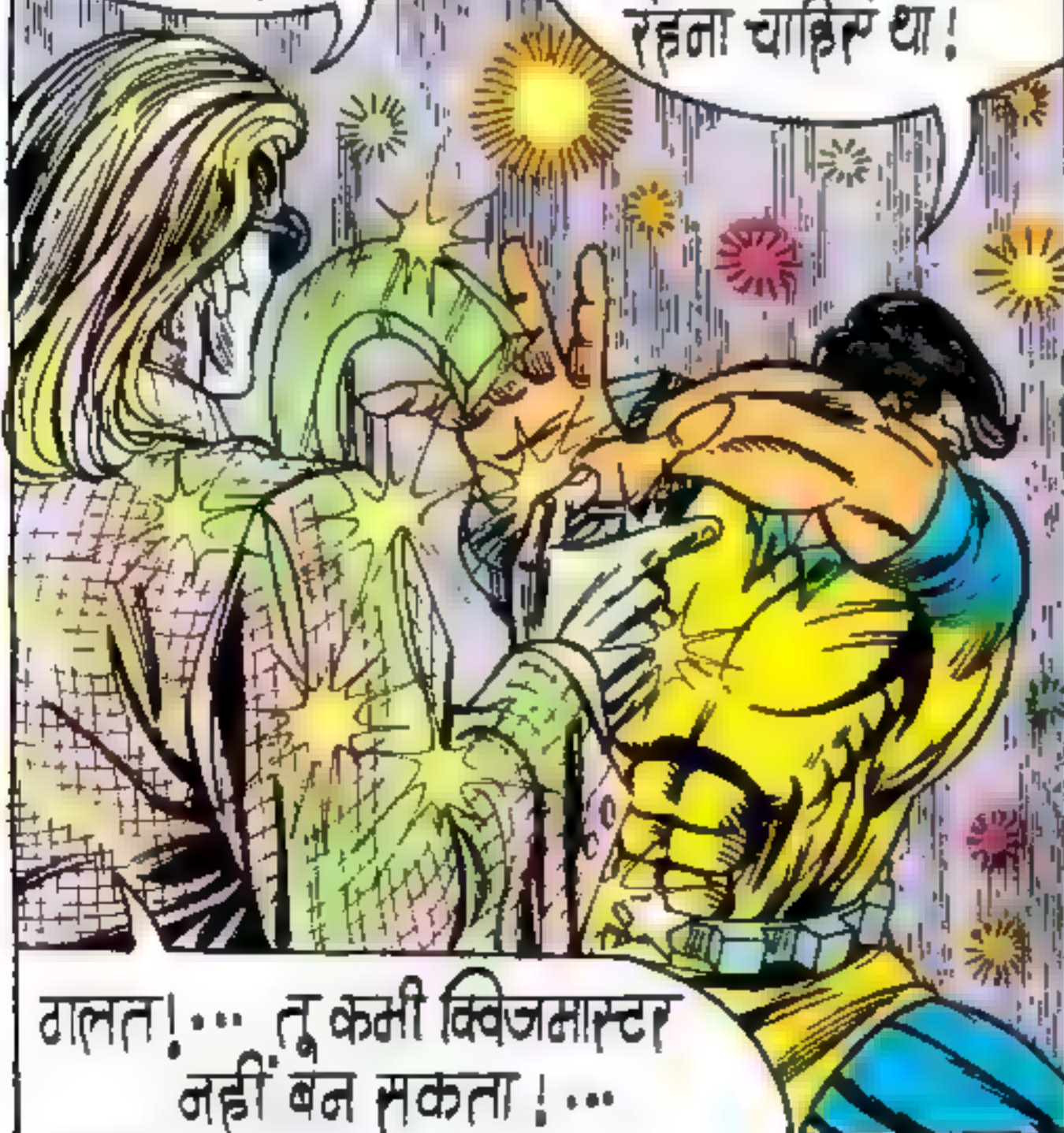
आऽऽऽह! यह इस बात का भरपूर फायदा उठा रहा है कि मेरी आंखें अभी तक चौंधिया रही हैं! और जब तक मेरी आंखें इसकी तरफ देखने लायक हो पाएंगी, तब तक तो वे शायद बन्द ही चुकी होंगी एक मिनट!
क्विजमास्टर ने मेरे पीछे जो अवरोध खड़ा किया है, उस लोहे की दीवार में मुझे इसकी परछाई नजर आ रही है। और वह परछाई इतनी कम चमक वाली है कि मैं उसकी तरफ देख भी सकता हूं! और उसकी तरफ देखकर...
...मैं इन 'प्रश्न चिन्हों' से बच भी सकता हूं, और टीटी पर वार भी कर सकता हूं!
धाड़
बड़ी सख्त जान है तू! हर बार मेरा वार झेल जाता है। पर ये मेरा अड्डा है! मेरा अड्डा! और इसमें मैंने तेरे लिए कुछ खास इन्तजाम करके रखे हुए हैं...
टीटी ने एक स्विच दबाया-
क्लिक
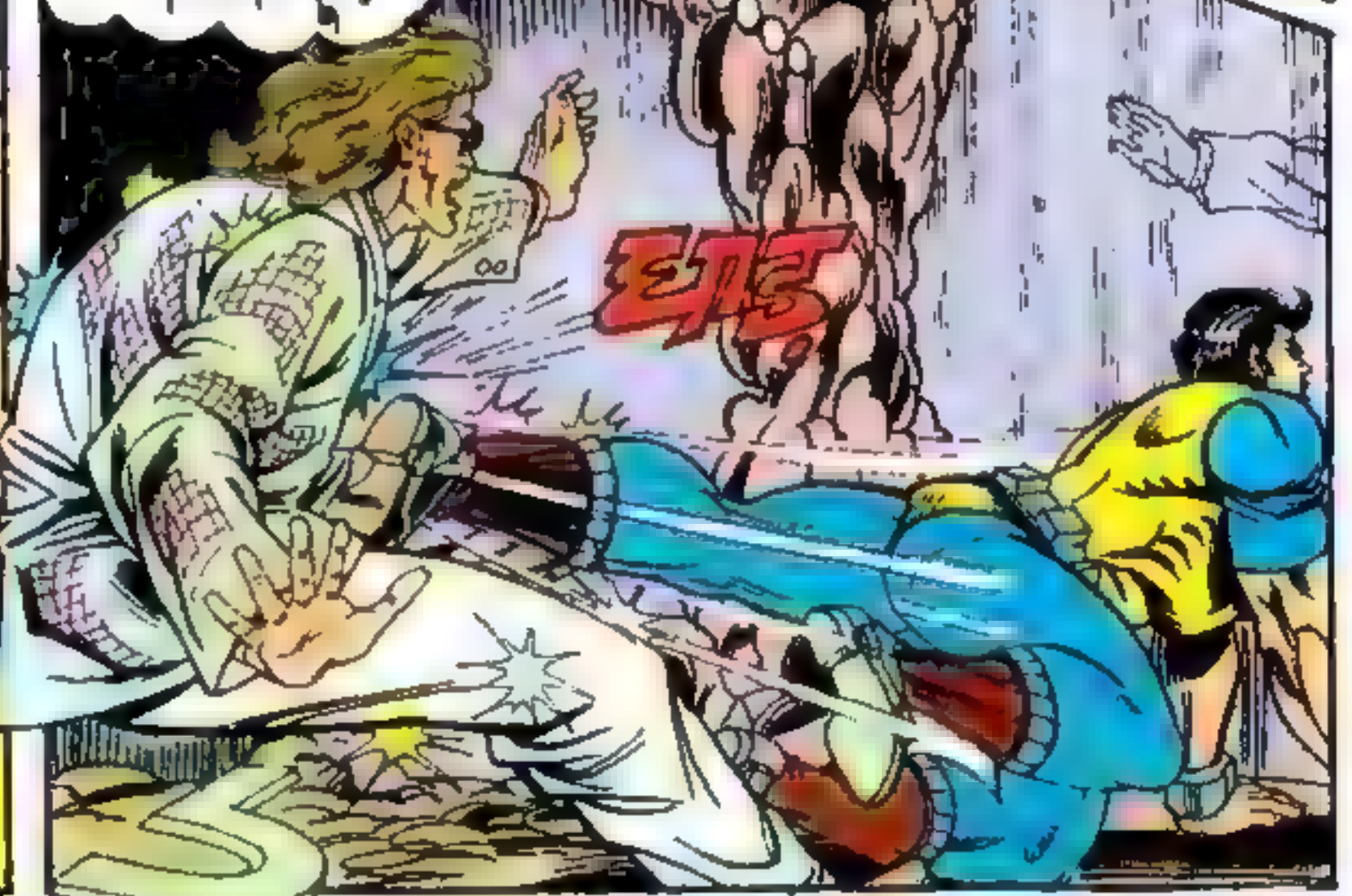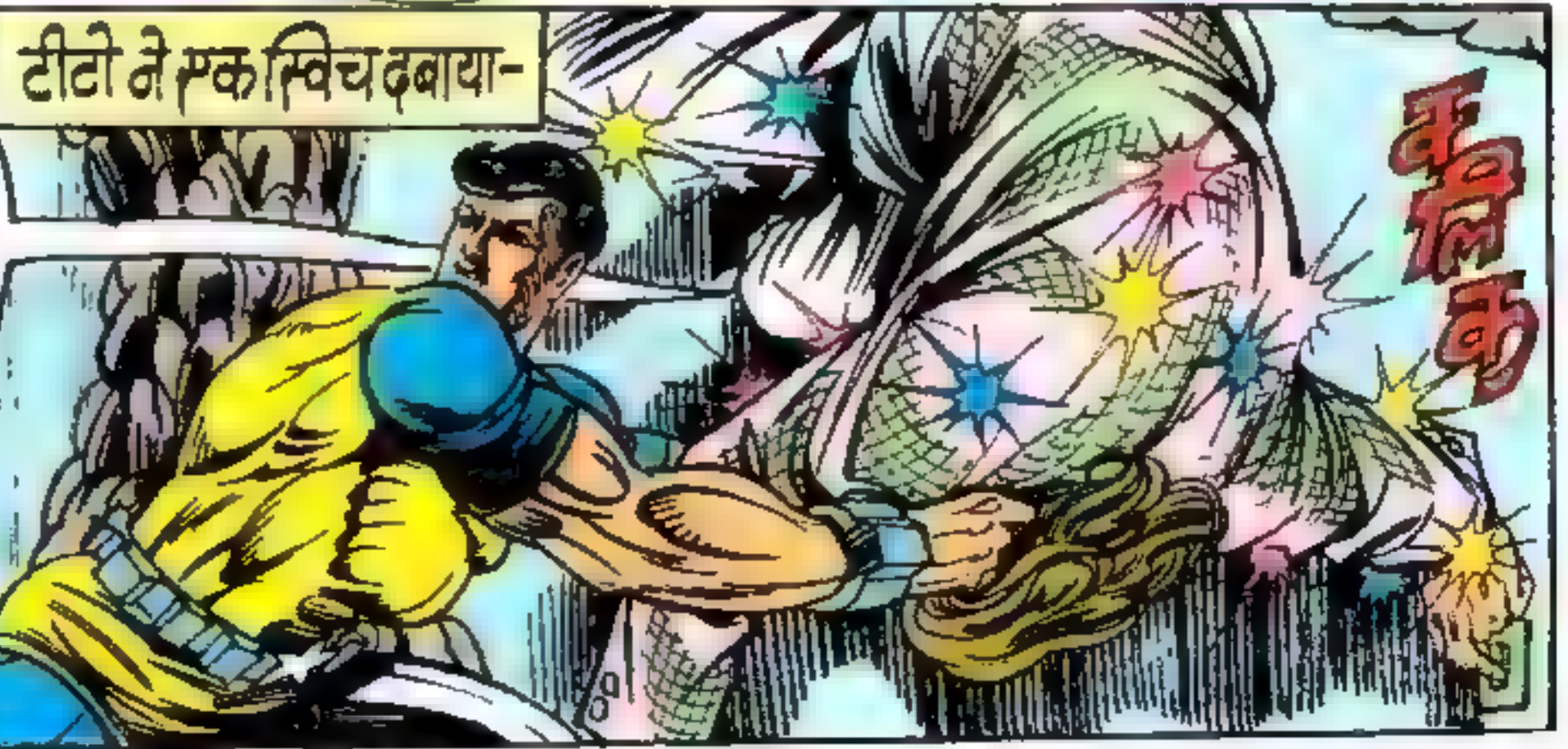
और ध्रुव का बदन हवा में उड़कर लोहे के अवरोध से जा चिपका–
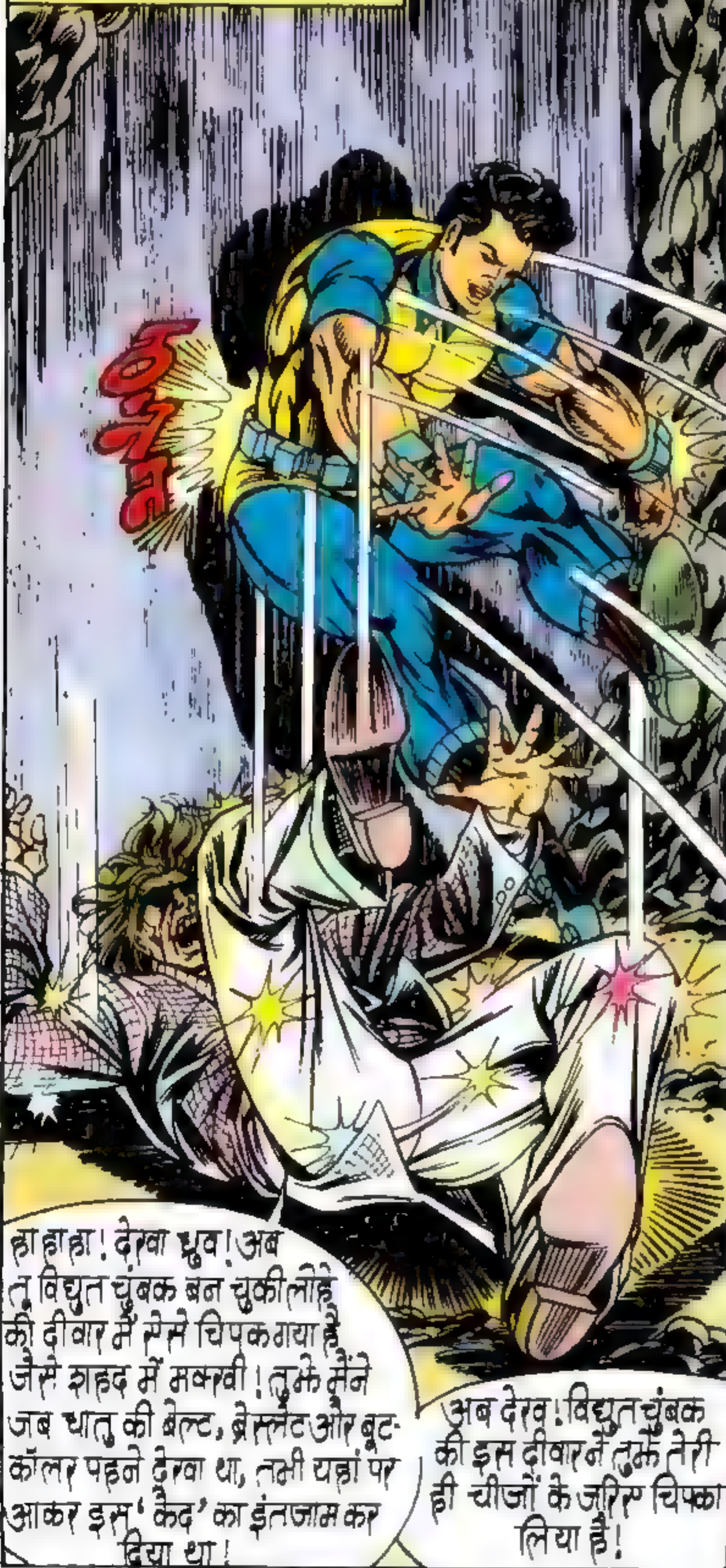
हा हा हा! देखा ध्रुव! अब तू विद्युत चुंबक बन चुकी लोहे की दीवार में ऐसे चिपक गया है जैसे शहद में मक्खी! तुझे मैंने जब धातु की बेल्ट, ब्रेसलेट और बूट-कॉलर पहने देखा था, तभी यहां पर आकर इस 'कैद' का इंतजाम कर दिया था!

अब देख! विद्युत चुंबक की इस दीवार ने तुझे तेरी ही चीजों के जरिए चिपका लिया है!

इतनी घटिया चाल! मेरी ही चीजों से मुझे कैद करना चाहता है टीटो! इन चीजों को मुझे खोलना आता है! और एक बार ये खुल गईं तो चाहे ये चिपकी रह जाएं मैं आजाद हो जाऊंगा!

मैं जानता हूं!

इन 'मैग्नेटिक लॉक' वाले क्रिश्चन लॉकों को तोड़ने की कोशिश में समय बर्बाद मत करना! इनको खोल पाना इन्सानी शक्ति से बाहर की बात है! अब भई, मैं तो अपने चिथड़े करवाने के लिए यहां पर रुकूंगा नहीं! पर मैं 'चीटिंग' भी नहीं करूंगा! जाने से पहले तुझे इस कैद की पहेली से छूटने का हल भी बताता जाऊंगा! देख, इस धमाके से तू तभी बच सकता है, जब इस धमाके से पहले वह धमाका हो जाए, जिससे ये गुफा तो क्या, यह शहर तो क्या... यह देश तो क्या... दुनिया हिल जाती है!
उममम्फ!
टिक टॉक टिक टिक
वह धमाका कर ले, और अपनी जान बचा ले! बाय!

ओह! यह क्विजमास्टर तो हर बार एक घातक पहेली छोड़ जाता है! और इस बार एक नहीं दो पहेलियां मुझे सुलझानी हैं! पहली तो यह कि मैं इन 'मैग्नेटिक कैद' से कैसे आजाद होऊं, और दूसरी यह कि आजाद होने के बाद इस बम से कैसे बचूं!

नहीं! मैं गलत सोच रहा हूं! पहले मुझे बम को निष्क्रिय करने का उपाय सोचना चाहिए! क्योंकि इस मैग्नेटिक कैद से आजाद होने की तो कोई समय सीमा नहीं है! पर बम के फटने की है!...

अगले ही पल ध्रुव को पता चल गया कि अगली घटना क्या घटने वाली थी-

★ सोनिक बमः सोनिक यानी ध्वनि छोड़ने वाला बम।

...लेकिन इस चुंबकीय कैद का क्या करूं? काफी पहले जब चुंबा ने मुझ पर ऐसे ही तीव्र चुंबकीय वार किए थे, तो मैंने उस चुंबकत्व को उष्मा से नष्ट कर दिया था! पर यहां पर उष्मा कहां है?

वैसे भी यह विद्युत चुंबक है। थोड़ी बहुत उष्मा से इसको कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है!

विद्युत चुंबक! आहा! यही शक्ति तो इसकी कमजोरी बन सकती है। इस विद्युत चुंबक में विद्युत जेनरेटर द्वारा सप्लाई की जा रही है।

मैं उसकी आवाज को साफ सुन रहा हूं। यानी अगर मैं किसी तरह से शॉर्ट सर्किट कर सकूं तो जेनरेटर बन्द हो जाएगा और विद्युत चुंबकत्व खत्म हो जाएगा...

और अब मेरी मदद क... करेंगे लोहे के ये टुकड़े, कीलें और पेंच! जो इस तीव्र चुंबकत्व के कारण दीवारों से खिंचकर इस लोहे की दीवार पर आ चिपके हैं!

अब अपने मुंह की 'बंदूक' और इस कीले की 'गोली' बनाकर इस तरह से फेंकना है...
फ्ऊऊऊ

...कि ये बल्ब के दोनों खुले तारों से जा टकराए, और शॉर्ट-सर्किट हो जाए!
कीले के दोनों तारों से स्पर्श होते ही हवा में चिंगारियां उड़ीं-

और रोशनियां गुल हो गईं! साथ ही साथ जेनरेटर की गूंज भी शान्त हो गई-
जेनरेटर में करंट का उल्टा प्रवाह होने से जेनरेटर बंद हो गया है-
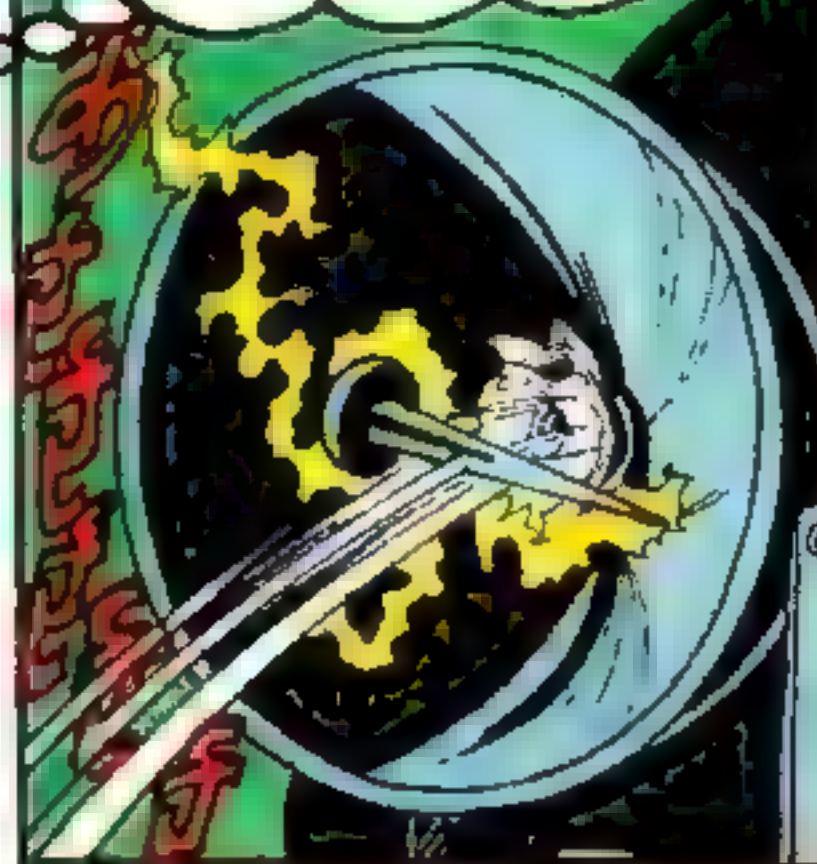
...यानी इस लोहे की दीवार में उत्पन्न 'विद्युत चुंबकत्व' भी समाप्त हो गया है! और इन मैगनेटिक लॉकों की शक्ति भी! अब एक मामूली सा झटका ही मुझे इस कैद से...
...आजाद करा देगा!...

...इतनी सफलता के बाद भी असली मुसीबत तो अब शुरू हुई है। क्योंकि जिस रास्ते से मैं यहां तक आया, उस रास्ते को तो इस दीवार ने बंद कर रखा है। और क्विजमास्टर टीटो जिस रास्ते से गया है, वह रास्ता मेरा देखा हुआ नहीं है! अब क्या मैं भी उन बेशुमार लोगों की तरह इन गुफाओं में दफन होकर रह जाऊंगा, जो रास्ता ढूंढने इन गुफाओं में आए, लेकिन फिर वापस नहीं गए!
ध्रुव ने दो लड़ाइयां तो जीत ली थीं, पर युद्ध जीतना अभी बाकी था-

और ये युद्ध जीत पाना ध्रुव के लिए लगभग असंभव था! कम से कम क्विज मास्टर टीटो का तो यही ख्याल था–

उन गुफाओं का रास्ता तलाशने में मुझे तीन महीने लगे थे। न जाने कितने तरीकों का इस्तेमाल किया था मैंने! कभी लंबी डोरी बांधकर गया। कभी रोटी के टुकड़े बिखेरते हुए। कभी निशान लगाते हुए तो कभी... खैर छोड़ो!

मोटी सी बात यह समझ लो कि ध्रुव उन गुफाओं से अब कभी बाहर नहीं आ सकता! कभी नहीं!

ऐसा मत बोलो बॉस! वह ध्रुव है! भूत एक बार चाहे पलट कर न आए, पर उसे गाड़ दो, जला दो, काट दो, फिर भी उसका कोई भरोसा नहीं! कोई न कोई तरीका निकाल ही लेता है वह!

तुम मामूली गुंडों और क्विज मास्टर में यही तो फर्क है! तुम लोग बहुत अंधविश्वासी होते हो! वैसे अगर वह गुफाओं से बाहर आ गया तो मैंने अपना पता वहां पर छोड़ रखा है! 'तू बांध, मैं खोलूं!'

यह मेरी जिन्दगी का आखिरी अपराध होगा। क्योंकि मुझे इसके बाद अपराध करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी...

...अब चलो! तैयारी करो! वक्त कम है!
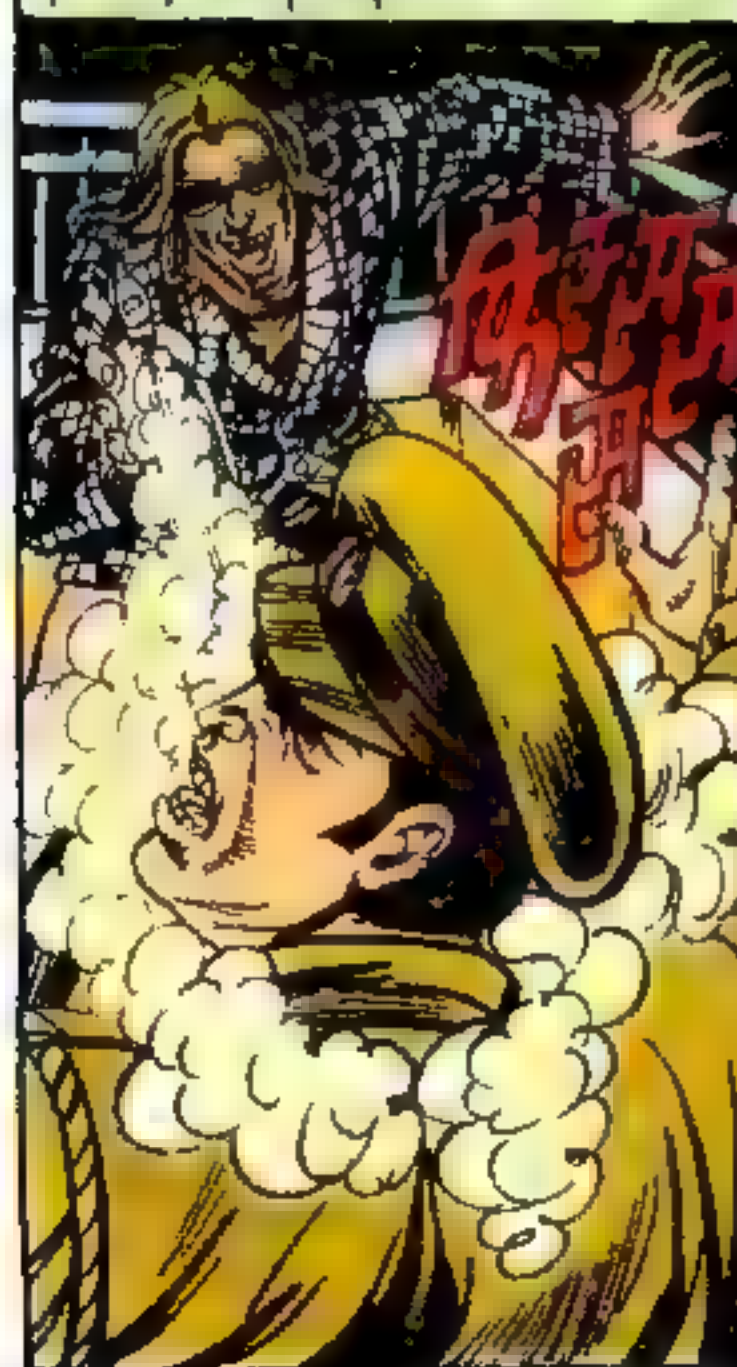
...वो तो हो गया है! पर मुझसे बचने का क्या इंतजाम करोगे?
फिर वही आवाज! यानी आ गया फिर से...
सुपर कमांडो ध्रुव! आश्चर्य! आश्चर्य! तू गुफाओं के जाल से बाहर कैसे निकल आया?
सिर्फ बाहर ही नहीं निकला, बल्कि तेरे पते वाली पहेली भी सुलझा ली। 'तू बांध, मैं खोलूं'। अगर यह पता है तो इसमें 'बांध' शब्द कोई जगह ही हो सकती थी। और राजनगर में एक ही बांध है! यह बैराज!
वाह वा! ताली बजाने को मन कर रहा है! पर क्या करूं? भगवान ने ताली बजाने वाला बनाकर पैदा ही नहीं किया!
अब यह तो बता दे कि जिस गुफा से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ़ने में मुझे तीन महीने लगे उससे तू तीन घंटे में बाहर कैसे आ गया?
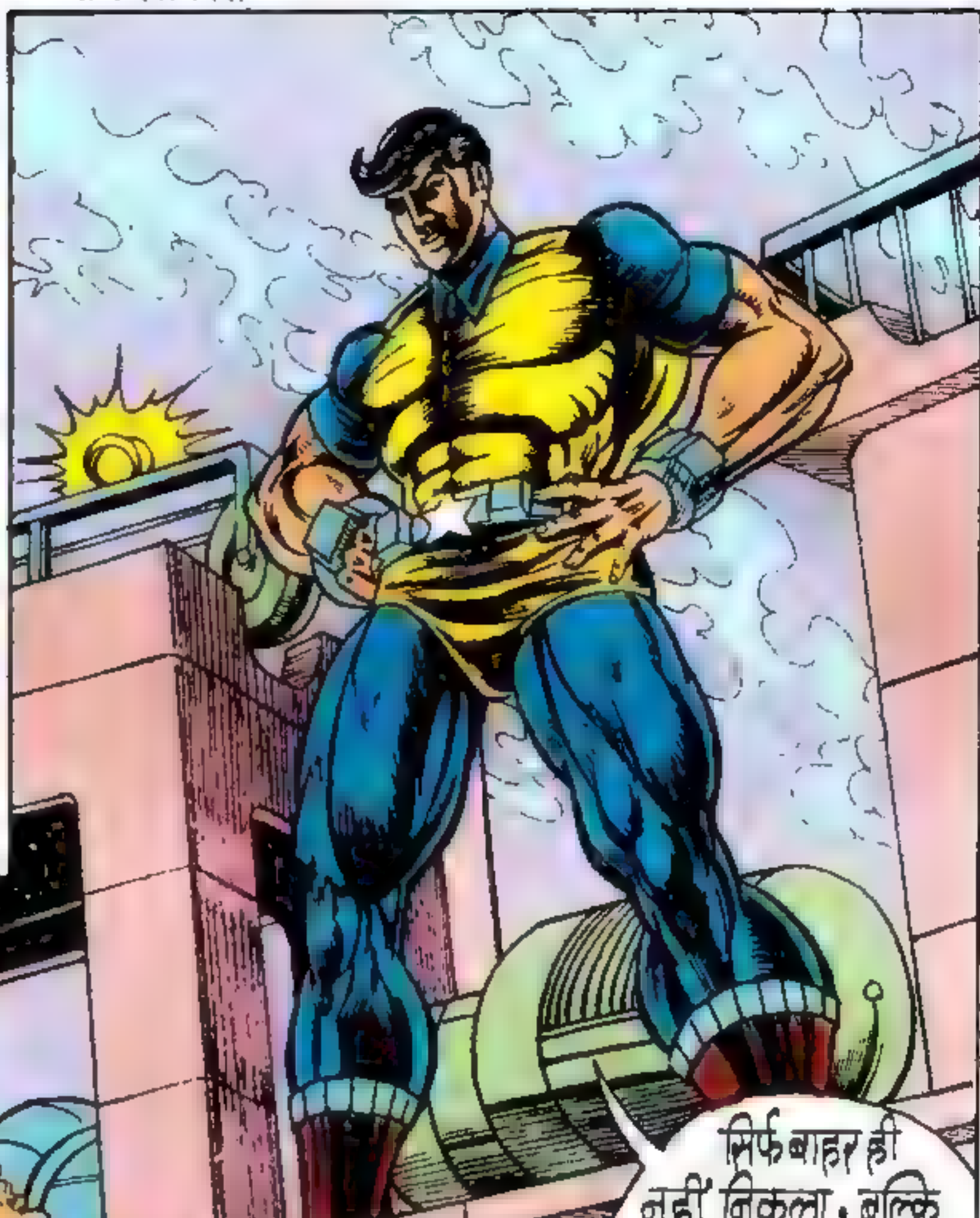
तुमने ही मुझे रास्ता दिखाया, क्विजमास्टर! मैंने जब तुम्हारी 'बस से बड़ा धमाका' जिससे 'दुनिया हिल जाए' वाली पहेली को सुलझा लिया तो तुम्हारा वह छोटा सा कमरा धुएं से भर गया था! उसके बाद जब मैं जेनरेटर को शॉर्ट सर्किट करके 'मैग्नेटिक कैद से आजाद होकर बाहर जाने का रास्ता ढूंढ़ने निकला, तो काफी समय तक गुफाओं और सुरंगों के जाल में भटकता रहा...
...लेकिन जिधर भी जाऊं या तो सुरंग आगे से बंद मिलती थी, या मैं घूम-फिर कर फिर वहीं पर आ जाता था!
मैंने सारा दिमाग लगा लिया, पर रास्ता ढूंढने का कोई तरीका समझ में नहीं आया...
...तब मुझे ध्यान आया कि तुम्हारे कमरे में भरा धुआं, मेरे आजाद होकर बाहर निकलने तक काफी साफ हो गया था। धुआं और पानी दो ऐसी चीजें हैं, जो बाहर जाने के रास्ते को ढूंढ ही लेते हैं!
इतना सारा धुआं गुफा की दीवार नहीं सोख सकती थीं! यानी धुआं कहीं से बाहर तो निकला था। धुंआ हवा के साथ-साथ ही उड़ता है। इसलिए स्पष्ट था कि हवा कहीं से आ रही है! और हवा बाहर से ही आ सकती थी!
बस, मैंने अपने सिग्नल फ्लेयर की मदद से धुआं और रोशनी दोनों करना शुरू कर दिया! धुआं एक सुरंग से दूसरी सुरंग में भरता गया, और मैं धुएं का पीछा करते-करते बाहर आ गया; वहीं मुझे तुम्हारी पते वाली 'पहेली' मिली, और मैं सीधे यहां पर आ गया!
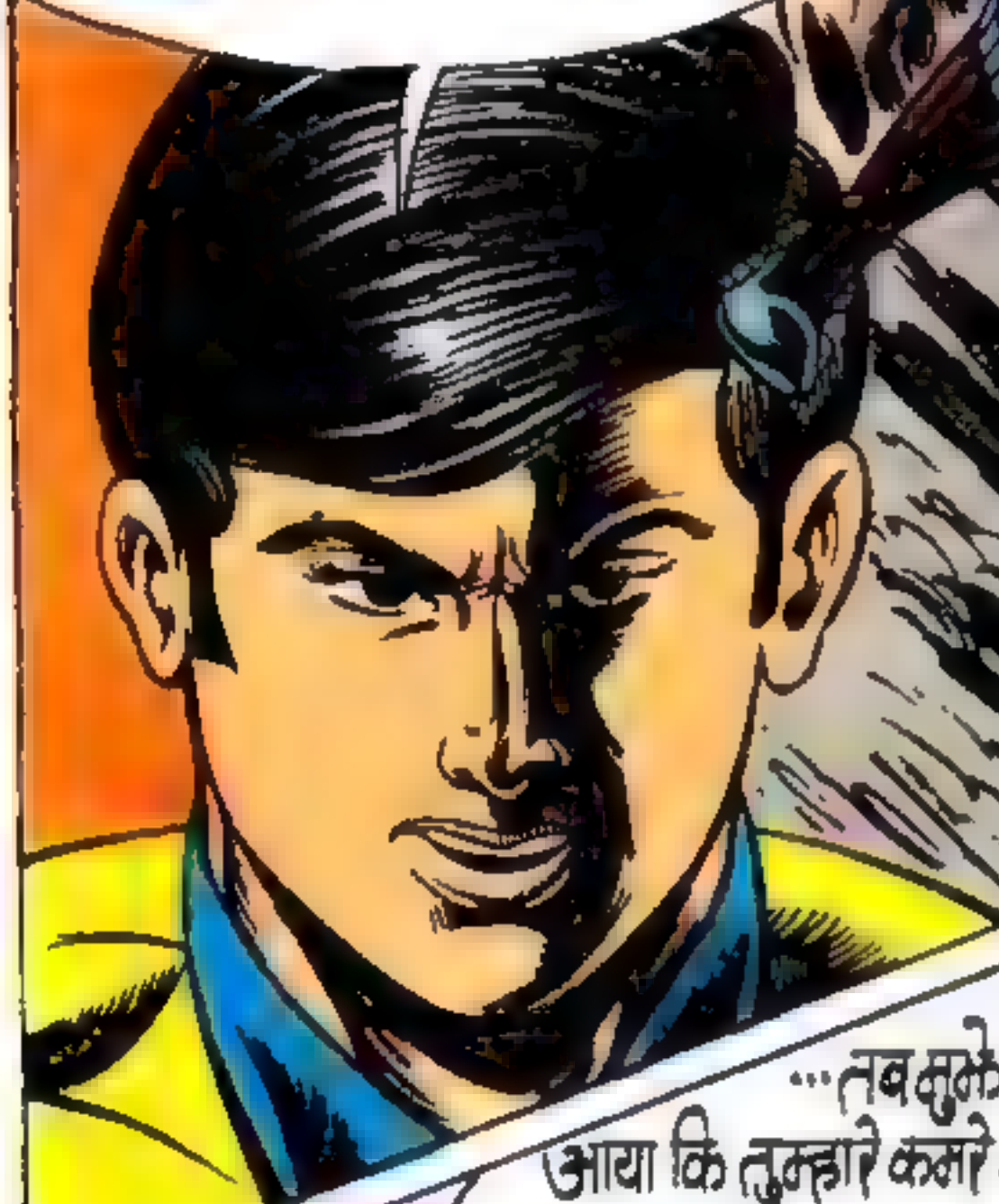
वाह! यह सुनकर तो मेरे दिल से धुआं निकलने लगा है! परंतु एक बात भूल रहा है, और वह ये कि अगर इस वक्त मैं यहां पर हूं तो इस बात का कोई मतलब तो होगा! याद कर! याद आया? हां! इस वक्त बांध से राजनगर के जलाशयों में पानी छोड़ा जाता है। और सिर्फ दस मिनट बैराज का गेट खुला रहने से वे सारे जलाशय भर जाते हैं। लेकिन मुझे उस गेट को खोले हुए बीस मिनट से ज्यादा हो चुके हैं! ... और इतनी देर में जलाशयों के आस-पास के इलाकों में कम से कम घुटने-घुटने तक का पानी तो भर ही गया होगा!

धाड़

उस पानी को तो मैं बन्द कर दूंगा क्विज मास्टर...

अब इस टेप के जरिए मैं सवाल पूछूंगा, और माइक्रोफोन के जरिए तुम्हारे जवाब सुनूंगा! न चुप रहना, और न गलत जवाब देना! वरना मैं गुस्सा हो जाऊंगा, और यह बैराज तबाह हो जाएगा... और हां, इस टेप माइक्रोफोन को इधर-उधर सरकाने की कोशिश मत करना! इसके हिलते ही मुझे इसके हिलने का पता चल जाएगा! ...
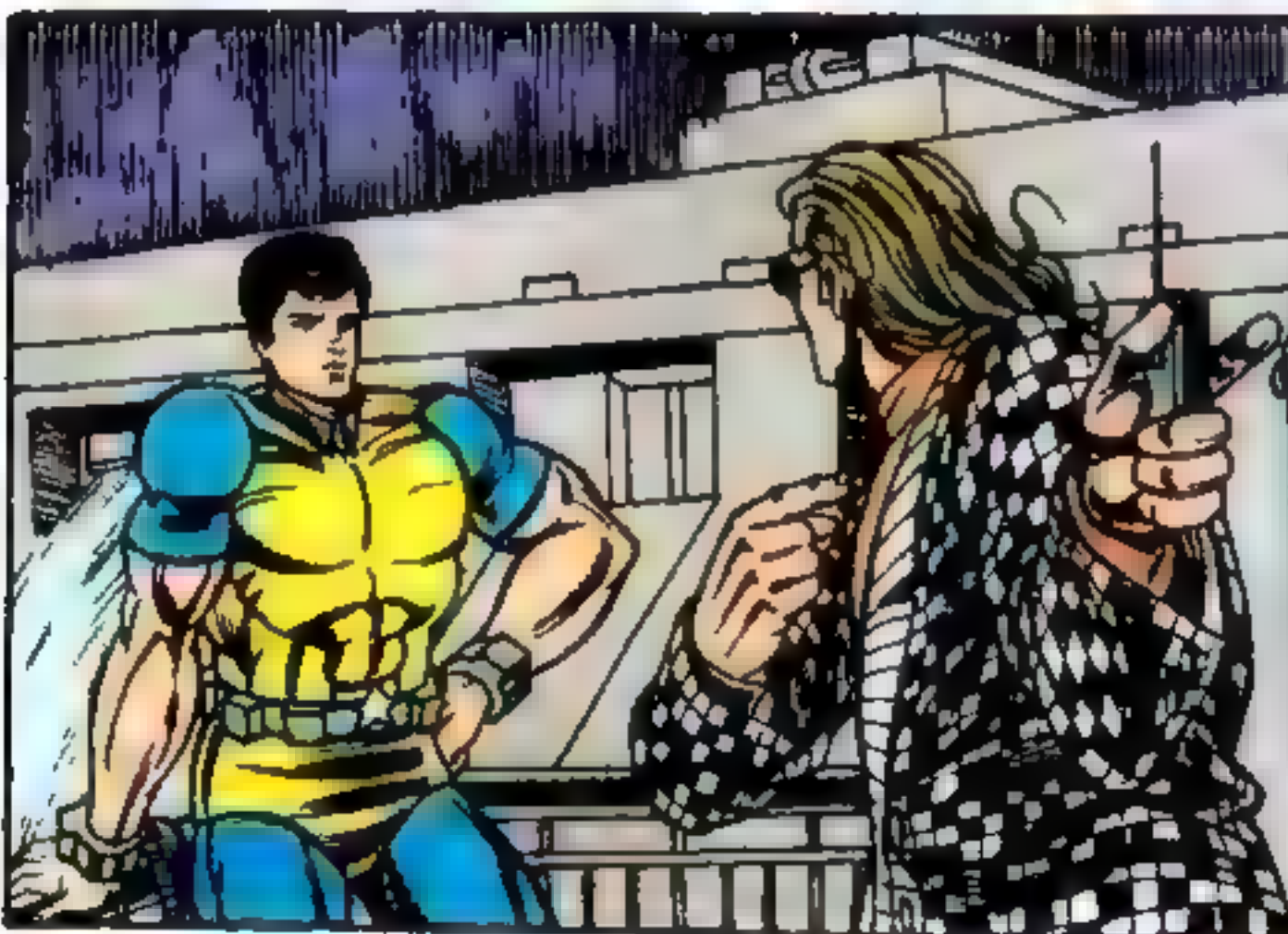
...अब मैं तुमको शांति से अपना काम करने देने के लिए यहां से जा रहा हूं! और भी काम हैं! टीटो हंस को मोती चुगने जाना है! चल बे, एक ही घूंसे में लगता है कि दस-बारह हड्डियां टूट गई हैं! और ध्रुव! योर टाइम स्टार्ट्स नाऊ!

...जो सैकड़ों में एक है!

अब मैं अपना काम शुरू करूं! मैंने बांध का पानी राजनगर को तबाह करने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको आबाद करने के लिए छोड़ा है। सिलेंडर और मास्क कहां है?

राजनगर के कुछ क्षेत्रों में सचमुच बाढ़ का सा दृश्य पैदा हो गया था-

यह क्या हो रहा है? कहीं की सीवर लाइन जाम हो गई है क्या?
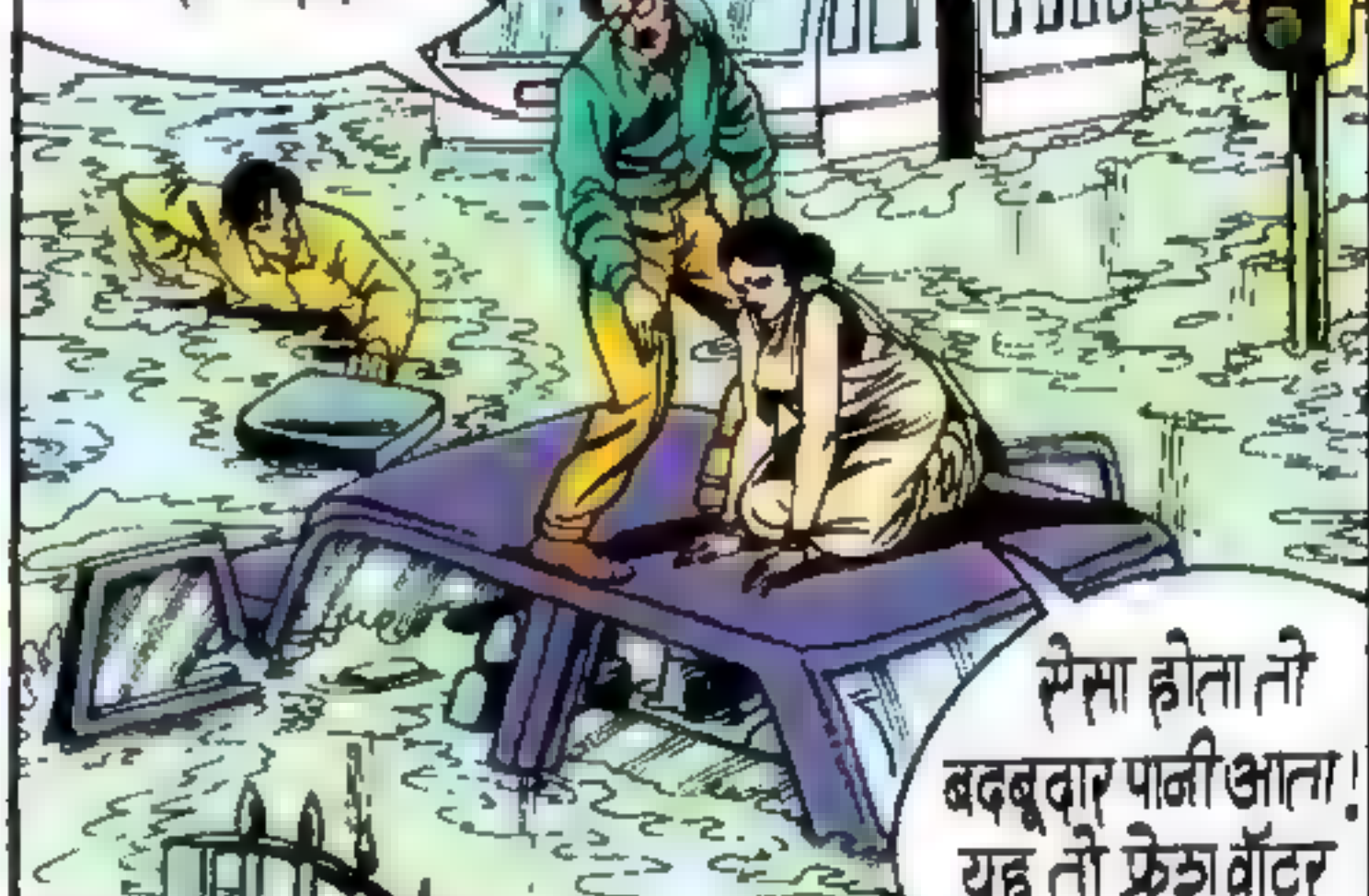
ऐसा होता तो बदबूदार पानी आता! यह तो फ्रेश वॉटर है!

अरे, बदबूदार हो या फ्रेश हो, पानी तो पानी ही है! मेरा बेसमेंट तो तालाब बन गया है! उसमें रखा सारा माल बर्बाद हो गया! राजनगर महापालिका वालों पर हाईकोर्ट में मुकदमा ठोकूंगा; और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ूंगा! बुहुहू
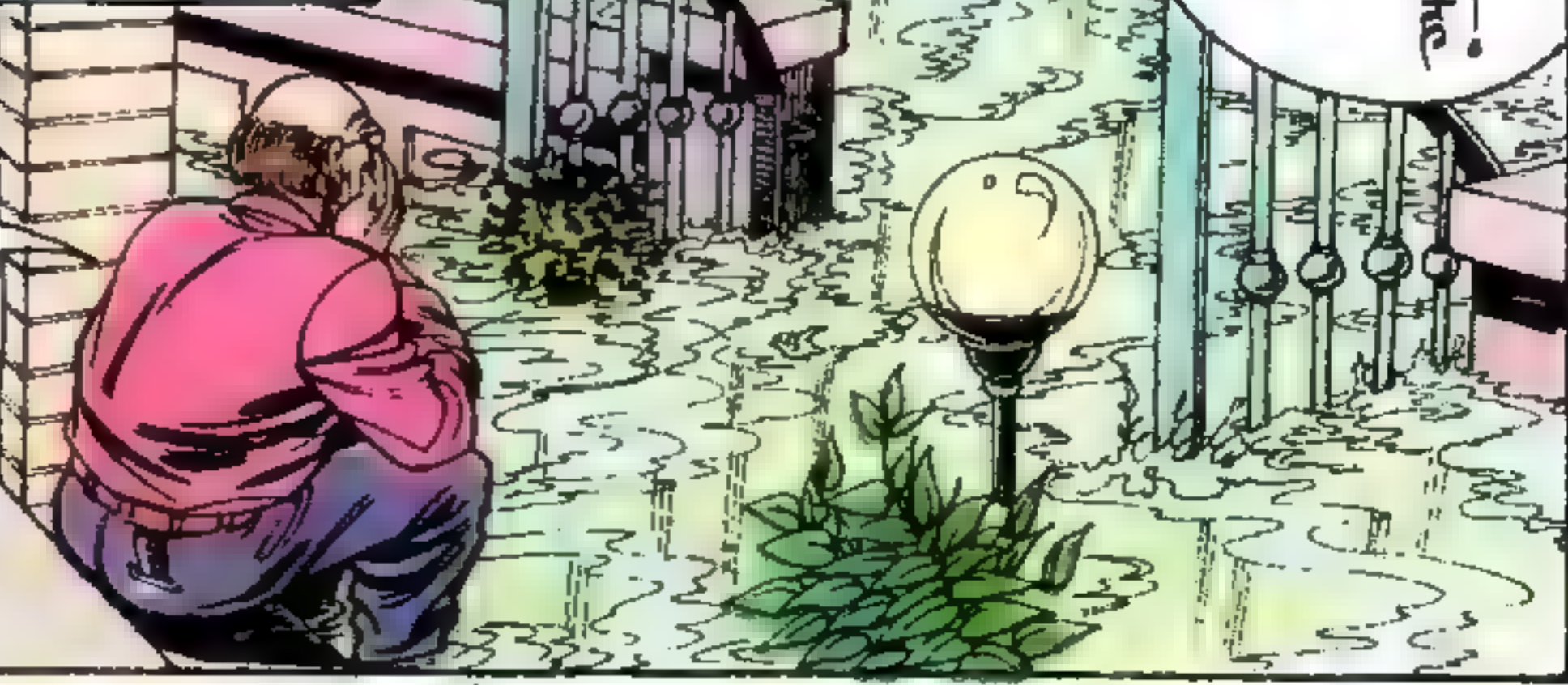
उधर ध्रुव जी तोड़ कोशिश कर रहा था-
संसार की सबसे सुस्त पहाड़ी चोटी कौन सी है?
स्वर-रेस्ट! जो हमेशा आराम करती रहती है। यानी स्वरेस्ट चोटी!
ये तो ऐसे सवाल पूछ-पूछ कर मेरा दिमाग खराब किए दे रहा है! मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि सैकड़ों में एक तार कैसे ढूंढूं! ये सारे तार तो एक ही मोटाई के हैं!
और जब तक मैं तार को ढूंढ कर काट नहीं देता, तब तक मैं बैराज के बाहर गेट बंद करने नहीं जा सकता! क्या करूं! क्या करूं?
ध्रुव को बैराज पर फंसाकर-
टीटी, अपने प्लान पर काम कर रहा था-
हा हा हा! आखिर मेरा प्लान पूरा होने वाला है। मैं अपनी मंजिल के सामने हूं! यानी सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स की मुख्य शाखा के बेसमेंट में बने अंडर ग्राउंड लॉकर के सामने, जिसमें तीन सौ किलो सोने के बिस्कुट और सिल्लियां रखी हैं।...
...पर...पर बॉस, इसमें पानी भरने की क्या जरूरत थी?
दो कारण थे, गंजू! एक तो पानी भरने से यह पूरा इलाका खाली हो गया! न जनता न पुलिस!
और दूसरा यह लॉकर! इसमें एयर प्रेशर लॉक लगा है। इस लॉकर के अंदर 'हाई प्रेशर' पर हवा भरी हुई है!...
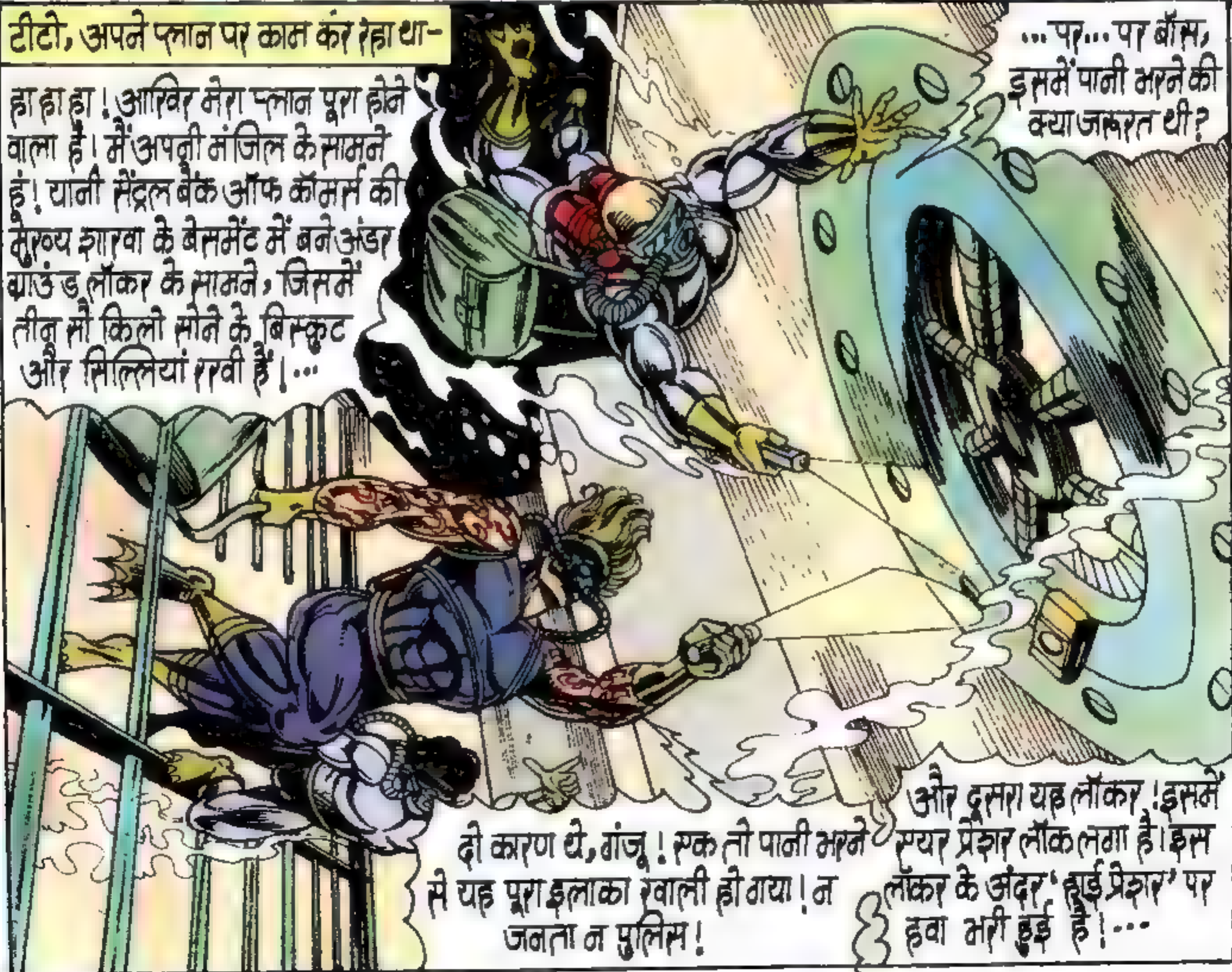
...और यह गोल दरवाजा तभी खुलता है, जब दरवाजे के दोनों तरफ का दबाव बराबर हो! बैंक अधिकारी इस दरवाजे को खोलने के लिए लॉकर के अंदर की हवा बाहर निकालकर दोनों तरफ का वायु का दबाव बराबर करते हैं! और मैंने इस लॉकर रूम में बाहर की तरफ का पानी भरकर दोनों तरफ का दबाव बराबर कर दिया है! अब द्वार खोलो, और सिल्लियां लेकर निकल लो!
और टीटी की निश्चिंतता बढ़ती जा रही थी-
आहा! सोना ही सोना! सोना ही सोना! यह प्लान पूरा करने से सिर्फ ध्रुव ही मुझे रोक सकता था! इसीलिए मैंने उसे गुफाओं के जाल में फंसाने के लिए उसे अपने अड्डे पर बुलाया था!... पर वह वहां से निकल आया!
उधर बैराज पर हो रहे सवालों और जवाबों की रेडियो तरंगें टीटी तक पहुंच रही थीं-
वह कौन सी बीन है, जो फूंक मारने से नहीं बजती?
दूरबीन!
लेकिन अब वह मेरे पास नहीं आ सकता! क्योंकि वह जैसे ही बैराज से हटेगा, मुझे तुरन्त पता चल जाएगा!
वैसे भी तार ढूंढ़ने से पहले वह वहां से हिल नहीं सकता...
...और वह खास तार ढूंढ़ना उसके बूते से बाहर की बात है!...
...जल्दी-जल्दी सिल्लियों को बैग में भरो! इससे पहले कि यह पानी बाहर निकल जाए, हमें यहां से बाहर निकल लेना है!
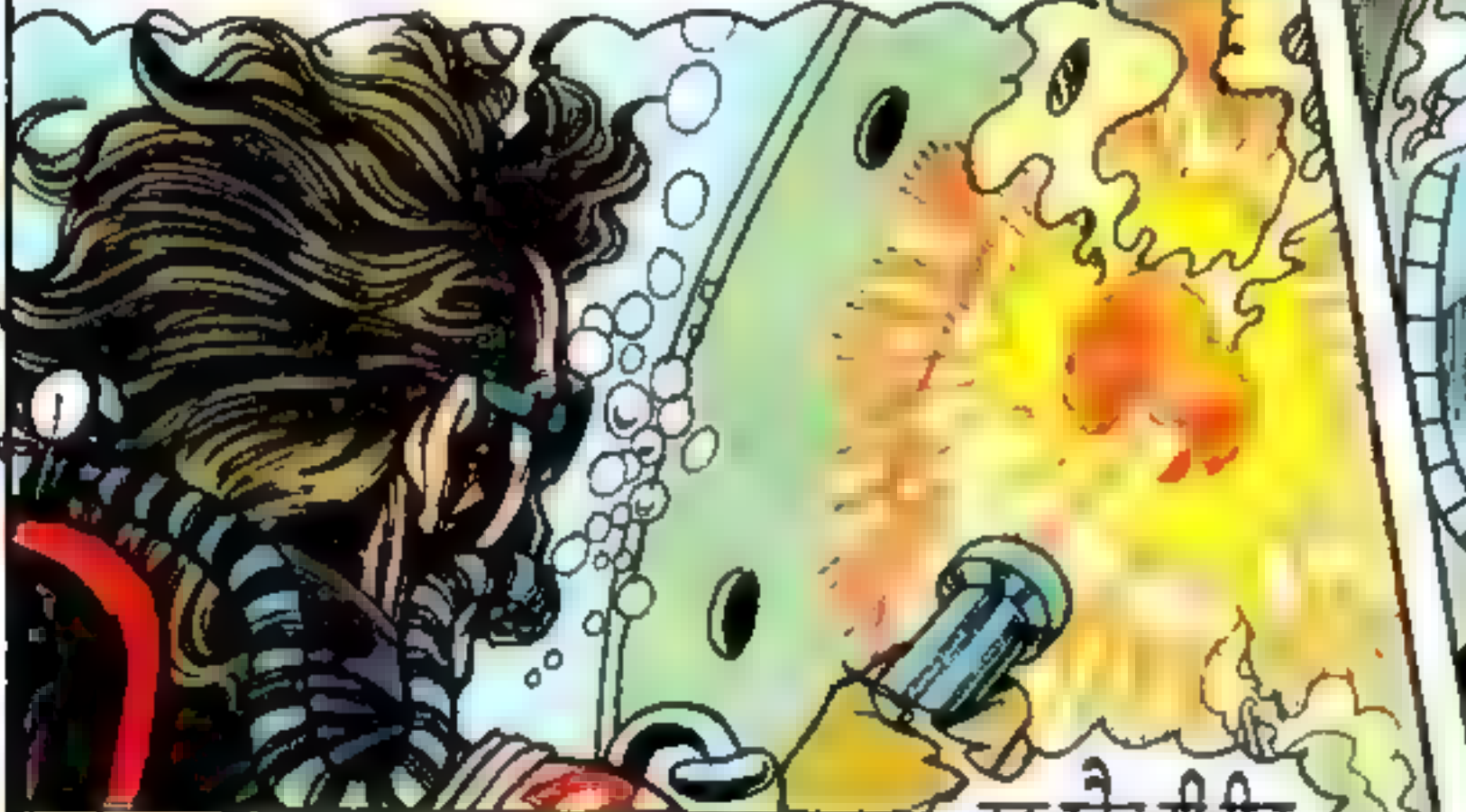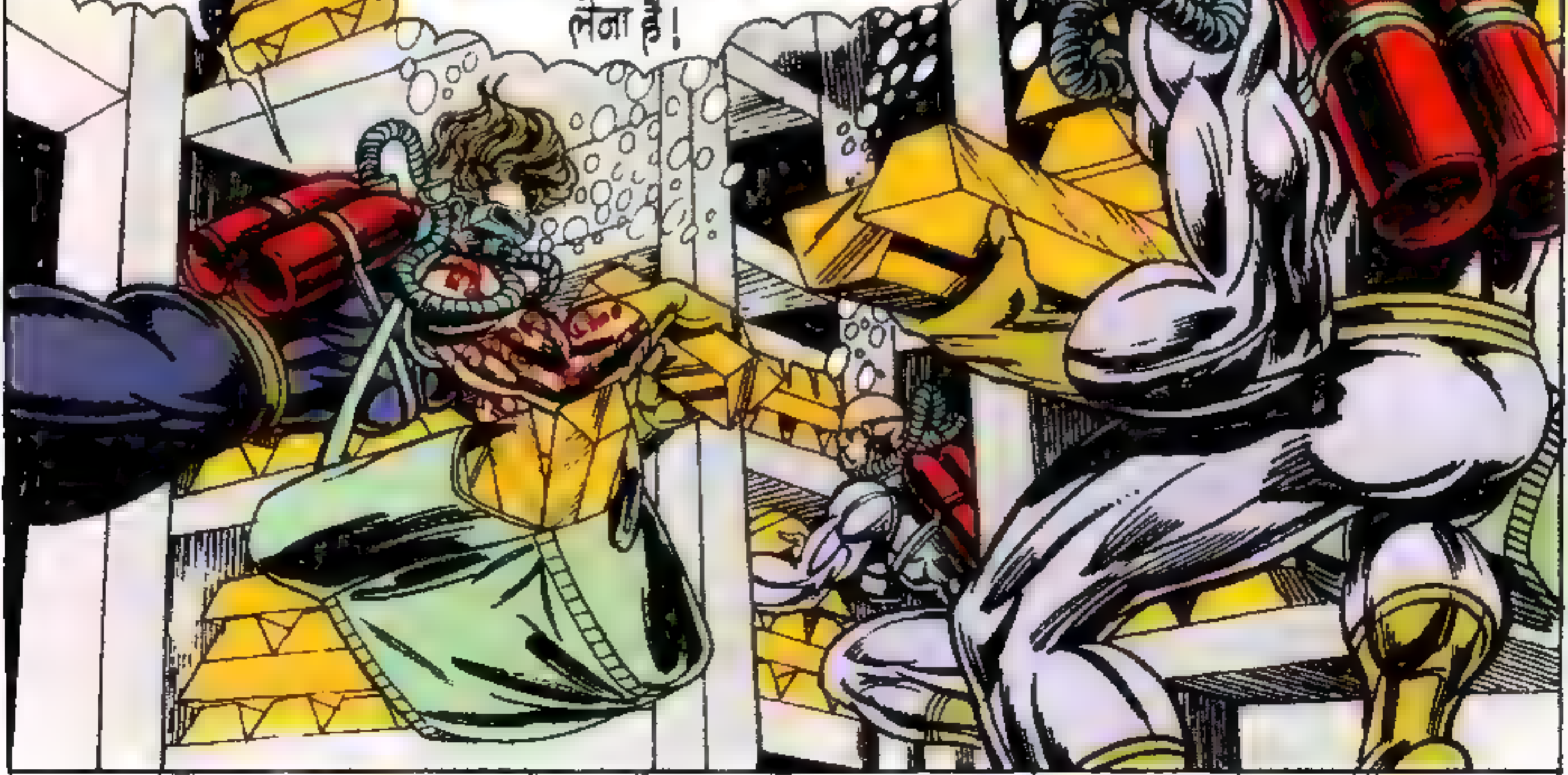
और फिर थोड़ी ही देर बाद-
वह क्या चीज है, जिससे सभी चिढ़ते हैं, फिर भी गले से लगाने को बेताब रहते हैं!
हा?!
ही ही ही ही!

हा हा हा! अपना काम हो गया, और ध्रुव अभी तक बैराज पर ही फंसा हुआ है। किसी को हवा तक भी नहीं लगी कि सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स का तीन सौ किलो सोना गायब हो चुका है! भागने का रास्ता मैंने पहले से ही तैयार कर रखा था!...
...यह मोटर बोट! अब हम इस 'ड्रेन पाइप' के जरिए...

...सीधे समुद्र में जा निकलेंगे! और बाकी सब पानी में डुबकियां मारते बह जाएंगे!
यू आर जीनियस बॉस!
सुपर जीनियस!

वो तो मैं हूं ही! सुपर कमांडो ध्रुव की नाक के नीचे से इतनी बड़ी लूट करके सुरक्षित खिसक लेना किसी जीनियस का ही काम हो सकता है! अब जरा ध्रुव के सवाल-जवाब भी सुन लिए जाएं! आधे घंटे की टेप अब खत्म होने ही वाली है!
दुनिया का सबसे बड़ा मूर्ख कौन है?
क्विजमास्टर टीटो!
नहीं! गलत! जवाब गलत है! सही जवाब है... सुपर कमांडो... अरे! एक मिनट! यह आवाज तो माइक्रोफोन रिसीवर से नहीं आई! कहीं पास से आई है! यानी—
यानी मैं सचमुच पास में ही हूं!
धड़ाक
सुपर कमांडो ध्रुव! तू...तू यहां कैसे आ गया? तेरी आवाज तो अभी तक रिसीवर से आ रही थी! और...और मैंने तो तुझे यहां का पता भी नहीं बताया था!
बताना तो नहीं चाहा होगा, पर अपने बड़बोलेपन में बता गए थे टीटो!
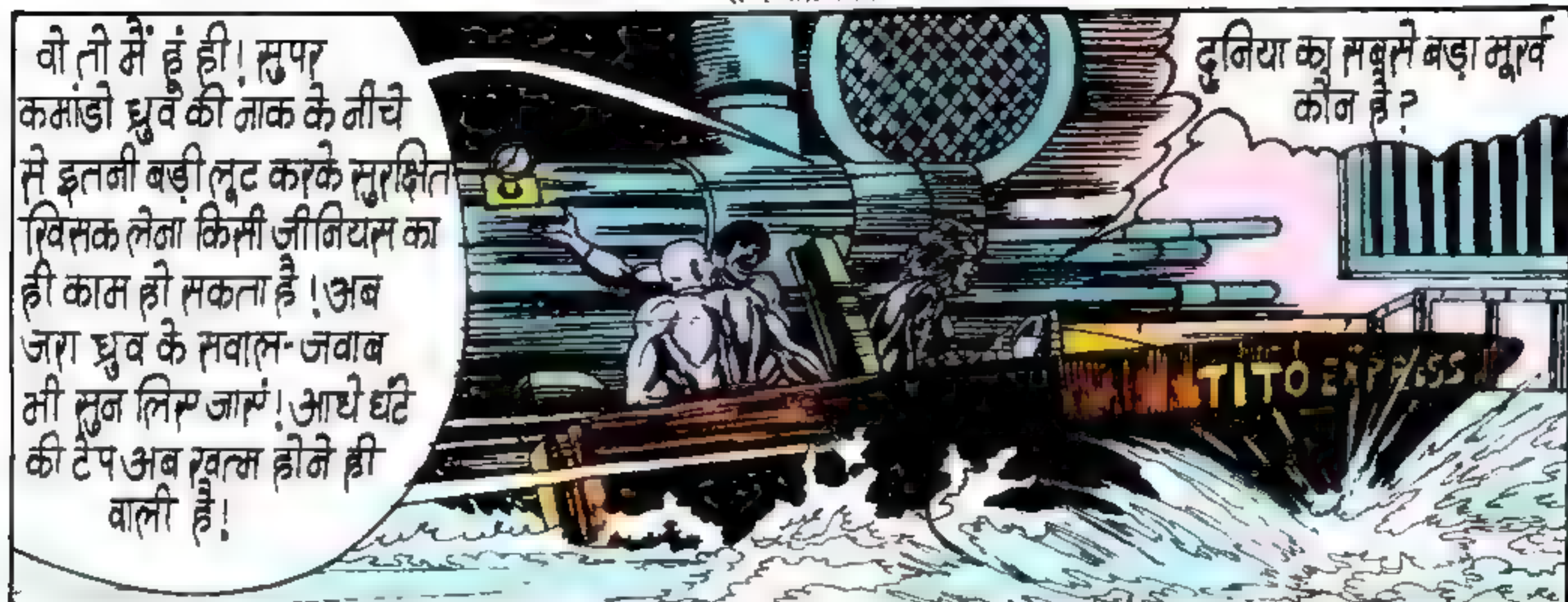
तुम जाते- जाते बोल गए थे कि 'टीटी हंस तो चला मोती चुगने'! मोती तो पानी के अंदर ही मिलते हैं! और राजनगर में सिर्फ एक जलाशय, आबादी के पास बना हुआ है! बाकी जलाशय आबादी वाले क्षेत्रों से थोड़ी दूर है! और आबादी के पास वाले जलाशय का पानी जिन क्षेत्रों में भर सकता था, उस पूरे इलाके में तुम्हारे जैसे अपराधी के लिए सिर्फ एक ही निशाना था! सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स की मुख्य शाखा! बाकी जगहों पर भी माल तो मिलता, पर दस पन्द्रह लाख से ज्यादा नहीं! बस, यह ख्याल आते ही मैंने बैंक अधिकारियों से संपर्क किया, और तुम तीनों बैंक के वीडियो कैमरों के द्वारा अंडर ग्राउंड लॉकर में घुसते देख लिए गए! पानी के नीचे मोती जैसी कीमती चीज यानी सोने को उठाते हुए! फिर पानी भरने के कारण वीडियो कैमरे बन्द हो गए...
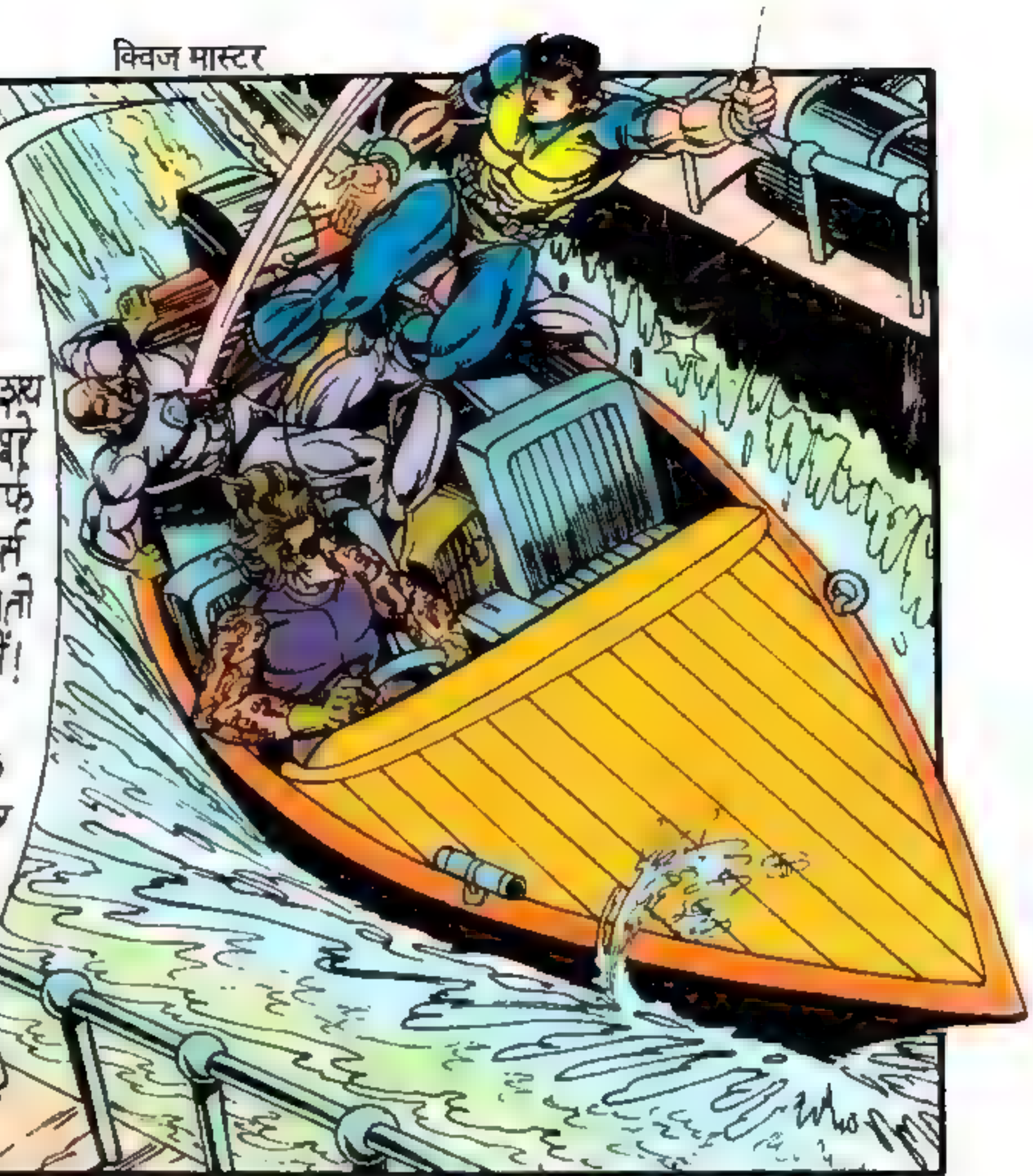
...अब सोचना सिर्फ यह था कि तुम लोग इतना माल लेकर भागोगे तो कैसे? तीन सौ किलो सोना लेकर पैदल तो भागते नहीं! और पानी भरे इलाके में कार या ऐसे किसी वाहन का प्रयोग भी संभव नहीं था, यानी तुम किसी और रास्ते से भागने वाले थे! और इस बात की संभावना बहुत ज्यादा थी कि वह रास्ता यह 'ड्रेन पाइप' ही हो सकता था! मैं पूरी तरह से 'श्योर' तो नहीं था, पर मैंने चांस लेने की सोची, और मुझे खुशी है कि मेरा अनुमान परफेक्ट निकला!

अनुमान तो सही निकला, पर अब मुझे यह देखना है...
...कि तुम्हारा बैलेंस कितना सही है!...
...क्योंकि अब हम समुद्र में पहुंच चुके हैं!
मोटरबोट तेजी से हवा में उड़कर समुद्र की तरफ गिरी-
और ध्रुव का शरीर छिटककर मोटरबोट से दूर जा गिरा-
हाहाहा! बाय ध्रुव! बस, इतना रहस्य जानने की तमन्ना दिल में ही रह गई कि तूने बैराज पर बम के तार को कैसे ढूंढा, और मेरे ट्रांसमीटर रिसीवर पर जवाब देते-देते ड्रेन पाइप तक कैसे पहुंच गया?
मेरे दिल में भी तुमको पूरा रहस्य बताने की बड़ी तमन्ना है, टीटो...
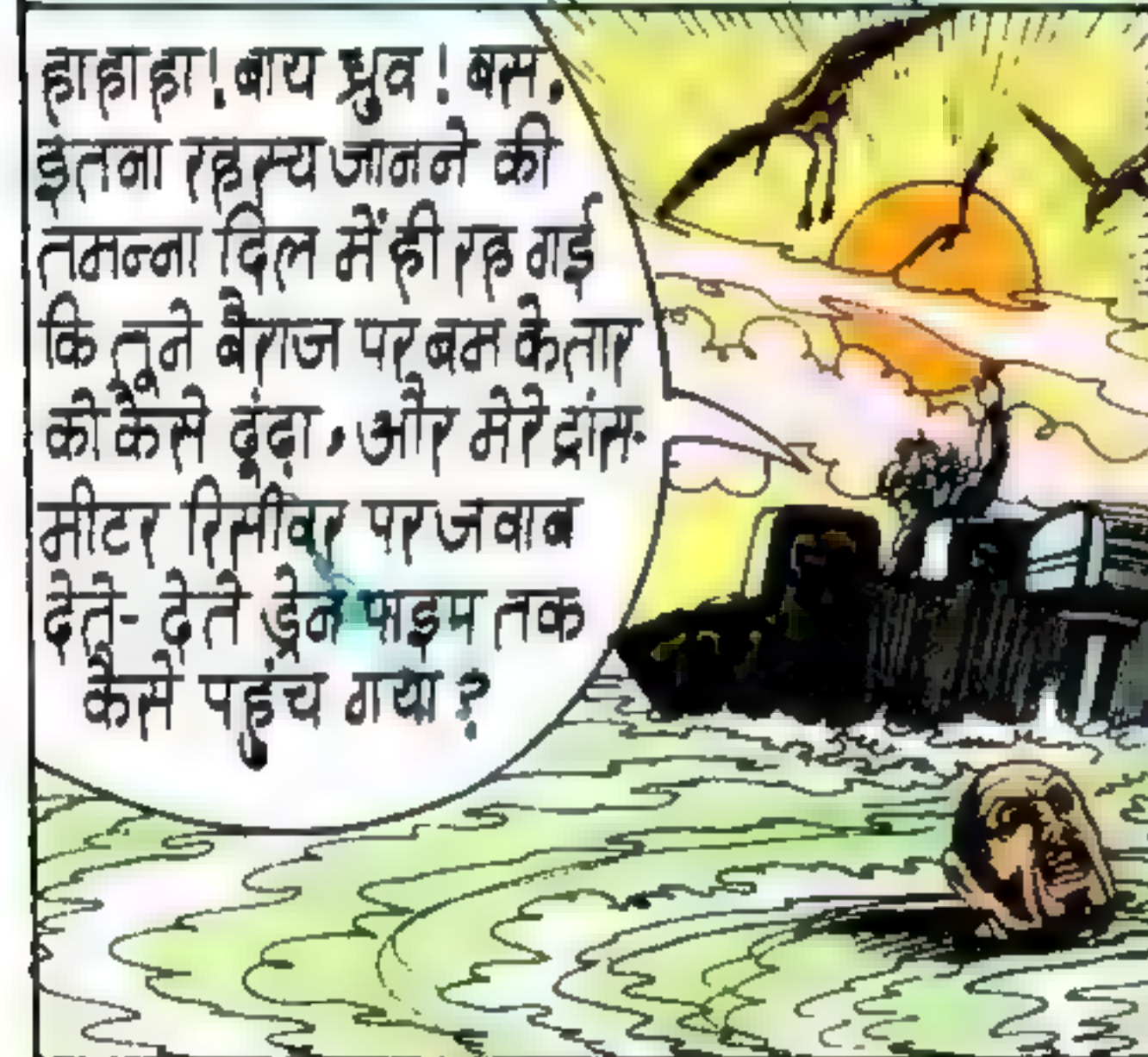
...इसलिए मैं भी तुमको भागने नहीं दूंगा!

ओ, ओ! यह तो मेरे पीछे ही पड़ गया है! अब मैं क्या करूं? स्पीड बढ़ाऊं, घटाऊं...या...आहा!...

क्विज मास्टर टीटो ने मोटरबोट को घुमाया तो निशाना साधकर ही था-

...या इसको पत्थरों से टकरा दूं! यस! टकरा ही देता हूं!

लेकिन जुपिटर सर्कस में सधे ध्रुव के कलाबाज शरीर ने इस वार को अपना हथियार बना लिया-

स्केट-शूज की मदद से चट्टान पर से चढ़ता हुआ ध्रुव हवा में उड़ा-

और सीधे अपने निशाने पर आ गिरा-

तड़ाक्क्क
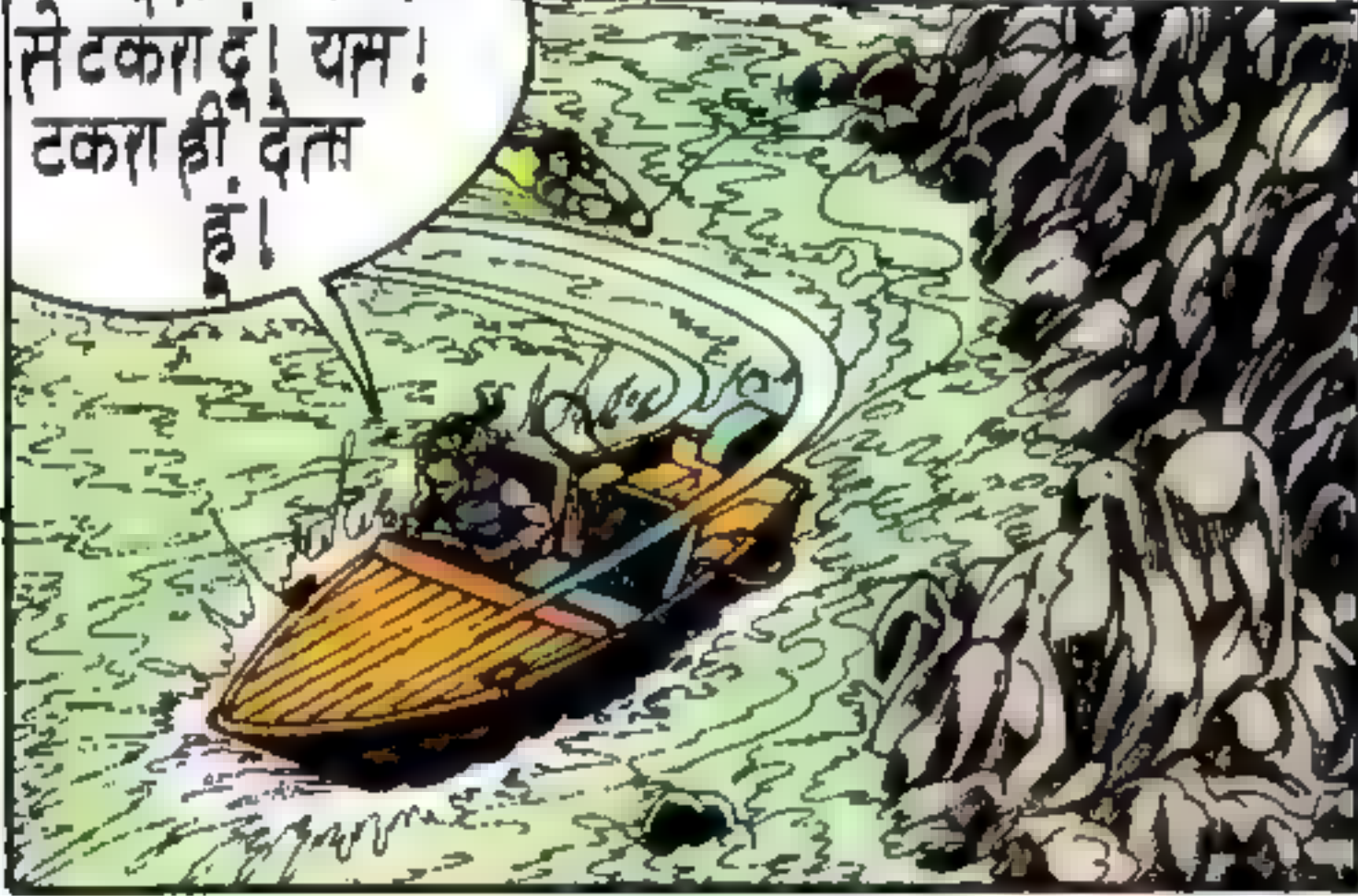
आऽऽऽह! तेरी चालें तो मेरे लिए ही एक पहेली बन गई हैं ध्रुव! कब, किस चीज में क्या कर देगा, कुछ पता ही नहीं चलता! पर अब तो बता दे कि तूने ये सब किया कैसे?

सबसे पहले तुम्हारी इस जिज्ञासा को शान्त कर दूं कि मैंने सैकड़ों तारों में से एक तार को कैसे ढूंढा! तुम्हारी इस बार की पहेली जरा कठिन थी, क्योंकि मुझे इसका हल ढूंढ़ने के साथ-साथ तुम्हारे सवालों के जवाब भी देते रहने थे। लेकिन मुझे जल्दी ही समझ में आ गया था कि सभी तार एक समान मोटाई के तो नहीं थे, लेकिन उन सबमें सौ-सौ पतले तार समाने की जगह थी! यानी मुझे वह 'सैकड़ों में एक' तार ढूंढ़ना था, जिसकी मोटाई तो बाकी तारों जैसी हो, पर जिसमें सिर्फ एक तार हो! समय कम था, और तार बहुत सारे थे। एक-एक तार को चेक कर पाना मुश्किल था! कोई ऐसा तरीका निकालना था, जिससे चेकिंग एक बार में ही हो जाए! और वह तरीका बहुत आसान था!
नीचे पानी बह रहा था! मैंने तेजी से रेलिंग तोड़नी शुरू कर दी! रेलिंग पर लटके तार अपना आधार खोकर बहते पानी में डूबने लगे। लेकिन सभी तार नहीं! सिर्फ एक तार नहीं डूबा। क्योंकि प्लास्टिक के उस तार की मोटाई तो सौ पतले तार को समाने लायक थी, पर उसके अंदर सिर्फ एक तार था! इसलिए वह डूबा नहीं, पानी के ऊपर तैरता रहा! और यही वह तार था, जिसकी मुझे तलाश थी!
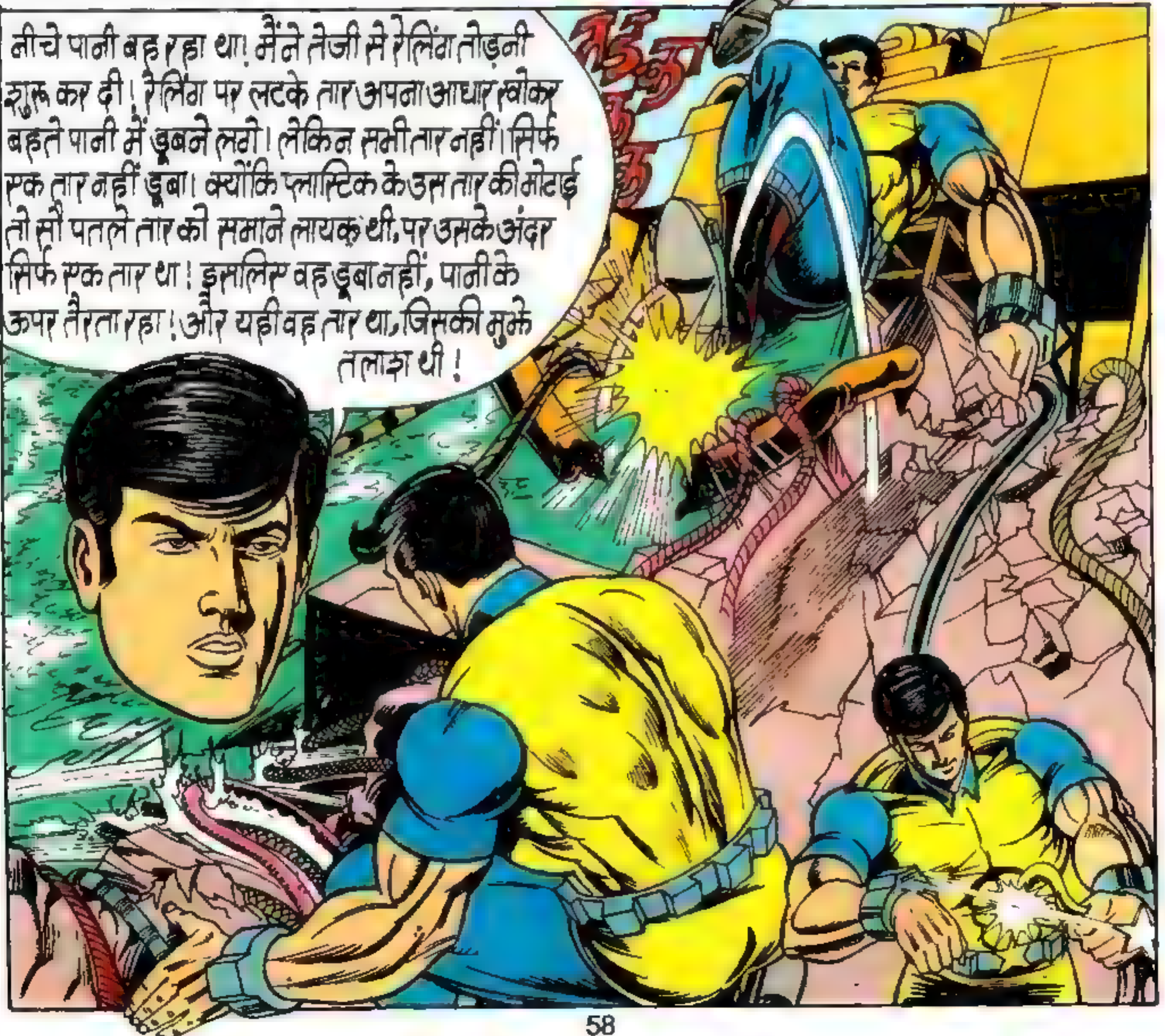
उस तार को काटने से बमों के फटने का खतरा तो खत्म हो गया था, लेकिन बैराज के गेट से पानी का बहना जारी था। पर मैं बैराज का गेट बन्द करने जा नहीं सकता था, क्योंकि मुझे सवालों के जवाब देते रहने थे! मैं तुम्हारे ट्रांसमीटर रिसीवर से दूर नहीं जा सकता था!...
यही तो मैं जानना चाहता हूं। तू जवाब देते-देते ड्रेन पाइप तक कैसे आ गया?
समस्या जितनी मुश्किल होती है, अधिकतर केसों में उसका हल उतना ही आसान होता है। इस केस में भी ऐसा ही कुछ था!... एक ही साथ दो जगहों पर होने के लिए मुझे अपने स्टार ट्रांसमीटर के दोनों हिस्से अलग-अलग करने पड़े!...
...ट्रांसमीटर यानी संदेश भेजने वाला हिस्सा अलग और रिसीवर यानी संदेश ग्रहण करने वाला हिस्सा अलग। ट्रांसमीटर को मैंने अपने पास रख लिया और रिसीवर वाले हिस्से को तुम्हारे ट्रांसमीटर रिसीवर के पास चिपका दिया! अब मैं कहीं पर भी आने-जाने के लिए स्वतंत्र था!
तुम मेरी वह आवाज सुन रहे थे, जो मेरे ट्रांसमीटर से होती हुई मेरे रिसीवर तक पहुंच रही थी...

और मेरे रिसीवर की आवाज को ग्रहण करके तुम्हारा रिसीवर-ट्रांसमीटर मेरे जवाबों को तुम तक पहुंचाता जा रहा था, क्योंकि मैंने अपने ट्रांसमीटर की फ्रीक्वेंसी इस तरह से सेट कर दी थी कि मेरा रिसीवर, मेरे ही ट्रांसमीटर की आवाज को ग्रहण कर ले! अब मेरे एक सवाल का जवाब दो! तुम जैसे अपराधी और चूहों में क्या समानता होती है?

नहीं बताते? अच्छा, मैं बताता हूं!
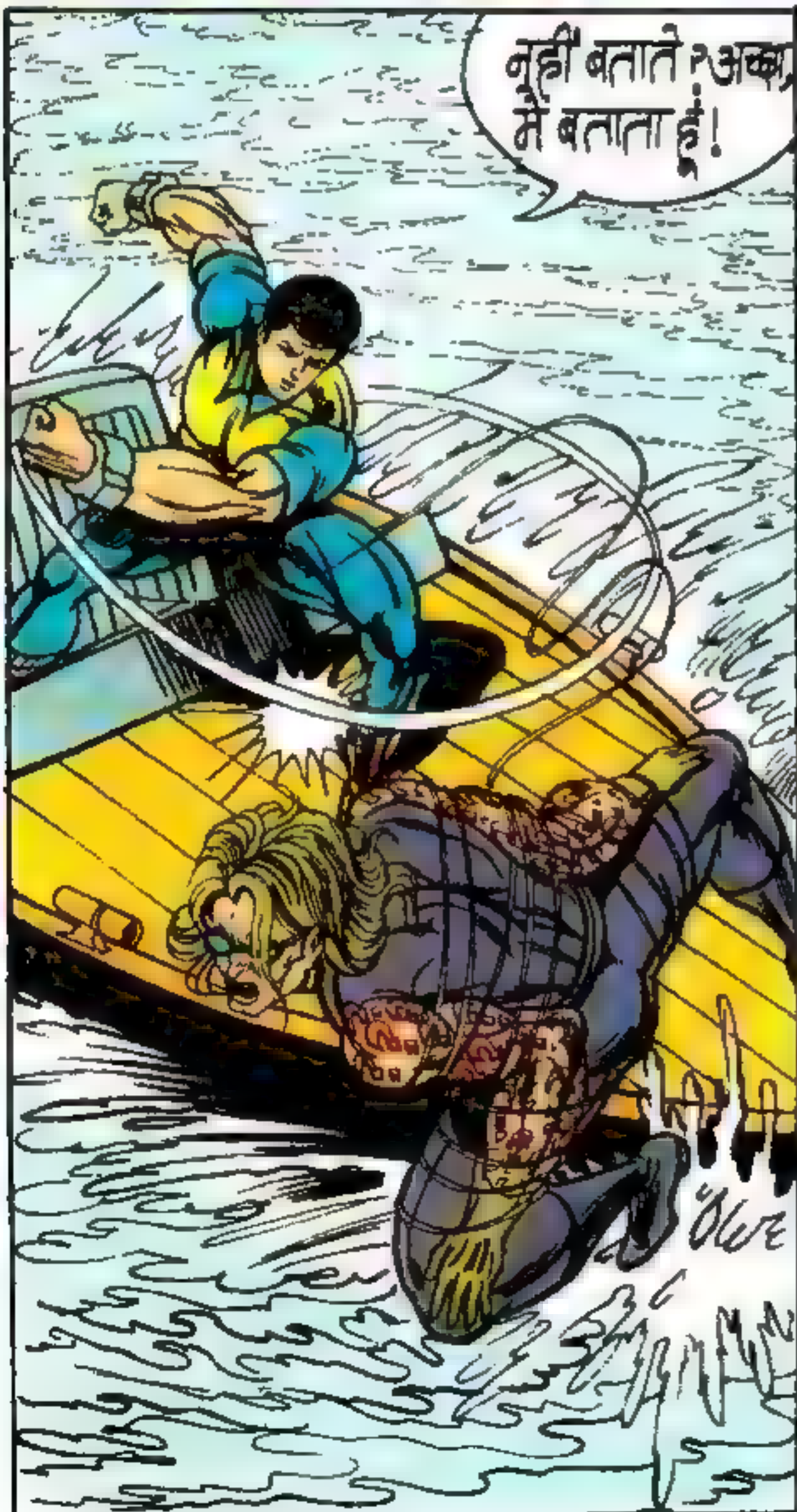
दोनों एक न एक दिन अपने लालच के कारण पिंजरे में फंस जाते हैं...
... या फिर जान से हाथ धो बैठते हैं!
अब मैं पहले तुमको जेल में डिपॉजिट करूंगा!...
...और फिर तुमको जेल के पिंजरे में!...
...उसके बाद मेरा काम हो जाएगा!
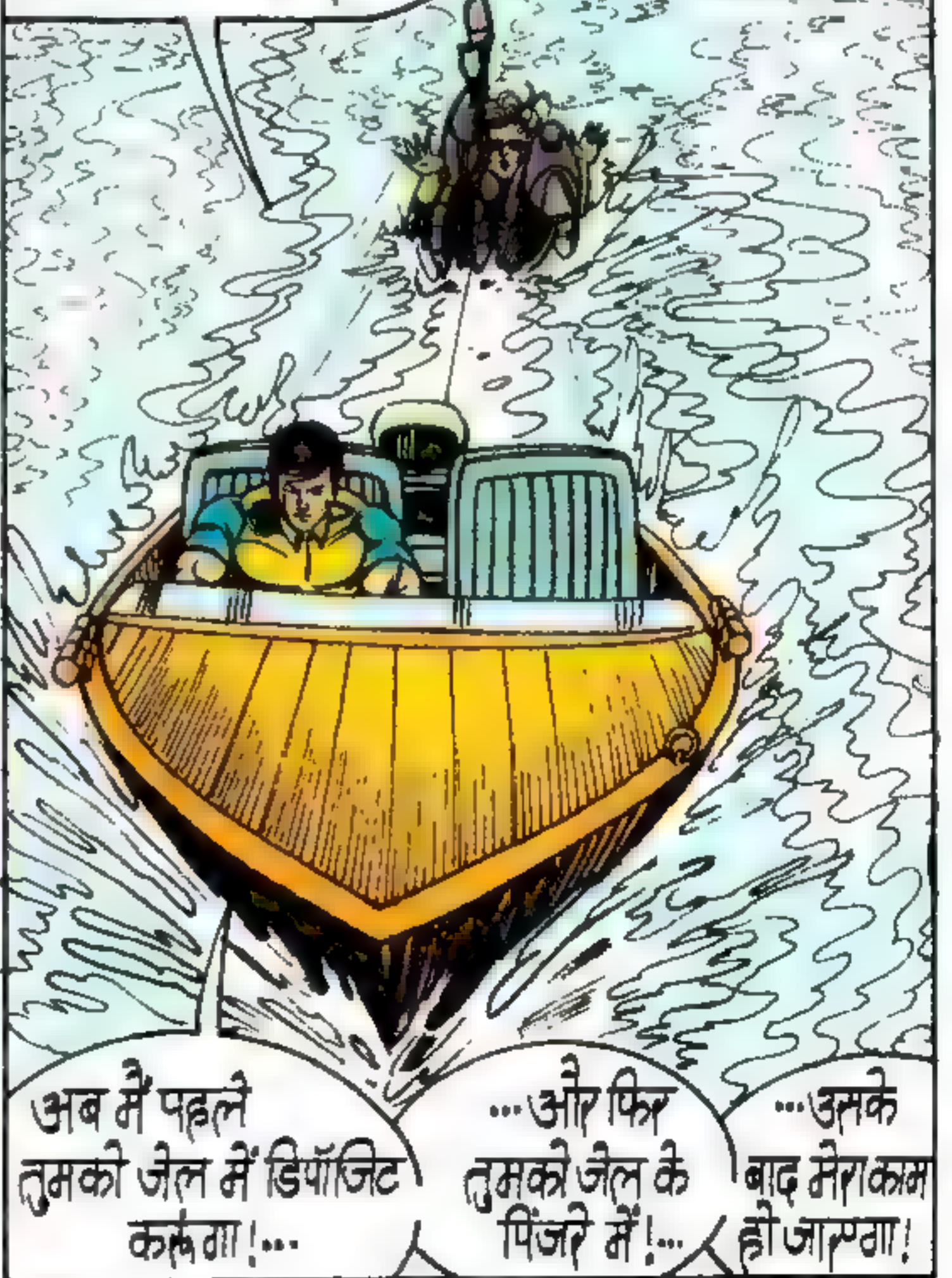
समाप्त।

GREEN PAGE-93

प्रिय मित्रो, नमस्कार!

इंसान की जिन्दगी सबसे बड़ी पहेली है। बचपन से ही आप पहेलियां बूझते आये हैं और अखिरी सांस तक पहेलियां ही बूझते रहोगे यह हमारा दावा है। इस बात में कितना दम है उसके लिये पहेली शब्द को परिभाषित करना जरूरी है। पहेली वही होती है न जिसका हल उसी पहली में कहीं न कहीं छुपा होता है जिसे आप अपने दिमाग से हल करके अपनी तीक्ष्ण बुद्धि का परिचय देते हैं। मित्रो! बचपन से आज तक जो कोई भी नया काम आपने सीखा क्या वह काम आपके लिये एक पहेली नहीं था जिसका क्लू आपके माता-पिता या भाई-बहन ने आपको दिया और आपने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके उसके रहस्य को जाना, उसे हल किया और सीख लिया। संसार का कोई भी नया काम जो आप पहली बार करते हैं सर्वप्रथम वो आपके सामने एक पहेली के रूप में ही आता है जिसे आप हल करते हैं और आगे बढ़ते हैं। आगे बढ़ने के लिए तुम्हें जीवन की इन पहेलियों को हल करना बहुत आवश्यक है क्योंकि आपके बौद्धिक स्तर का विकास इन उलझनों को सुलझाने पर ही आधारित है। सच मानिये यदि आपके जीवन में पहेलियां न हों तो आप एकदम बुद्धू ही रह जायेंगे। मनुष्य का मस्तिष्क तभी तक सक्रिय रह सकता है जब वह अपनी क्षमताओं का उपयोग करता रहे और अपने जीवन की समस्या रूपी पहेलियों को हल करता रहे।

यदि आपसे कोई पूछे कि संसार की सबसे बड़ी पहेली क्या है तो शायद आप उसका कोई स्पष्ट उदाहरण न दे पायें। संसार की सबसे बड़ी पहेली है इंसान। जरा सोचो इंसान की इतनी जटिल संरचना का निर्माण कुदरत कैसे करती है, धरती पर अरबों की संख्या में इंसान हैं पर एक व्यक्ति दूसरे से बिल्कुल भिन्न है। क्या आप बता सकते हैं कि इंसान के इस छोटे से मस्तिष्क में ढेर सारी मेमोरी कैसे समा जाती है? वह कौन सी ऊर्जा है जो आपको सौ वर्ष तक चलाती है? मृत्यु के बाद वह ऊर्जा कहां लुप्त हो जाती है? नहीं बता सकते न, इन प्रश्नों का कोई सही उत्तर आज हमारे पास नहीं है क्योंकि यह संसार की सबसे बड़ी क्विज है इसे कोई भी क्विज मास्टर हल नहीं कर सकता। उसके सिवा जो है संसार का सबसे बड़ा क्विज मास्टर यानी ईश्वर।

पत्र व्यवहार इस पते पर करें: **ग्रीन पेज-93, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084.**

राज कॉमिक्स प्रस्तुत करते हैं बाल मासिक पत्रिका
फैंग-22
चुलबुली, चुटीली चित्रकथाएं, ज्ञानवर्धक जानकारियां, विज्ञान कथाएं एवं सिर चकराने वाली पहेलियां
अक्टूबर अंक
नागराज
फ्रैंडी
अनाड़ी
टफी
PREM

यही तो हम भी जानना चाहते हैं। या तो दुनिया पागल हो गई है या नागराज सचमुच नागराक्षस बन गया है और या सारी दुनिया पर छा गया है...

सम्मोहन

राज कॉमिक्स में नागराज का एक सम्मोहित कर देने वाला विशेषांक।

A.H.W. TIGER SERIES
तुम लोगों ने मेरे मिस्र के पिरामिड से मेरा ममीकृत शरीर और मेरा खजाना यहां राजनगर में लाकर घातक भूल की है। अब मैं अपनी कब्र पिरामिड खोदने के जुर्म में पूरे राजनगर को एक रेगिस्तानी कब्रगाह बना डालूंगा।
ओफ्फ! इसके घूमते शरीर से निकलती रेत तो मुझे अंधा किए दे रही है।
by अनुपम Vinod
और मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि ये सचमुच किसी फेराओ की ममी है या ममी का रूप धरकर नाटक करने वाला कोई इंसान। अब मैं कैसे बचाऊं राजनगर पर टूटने से...
ममी का कहर
इस राज कॉमिक्स विशेषांक को आप सदियों तक सुरक्षित रखना चाहेंगे। यह ममी का वादा है।